फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 196 प्रभात जयपुर, रविवार 16 फरवरी, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

AYENA: AN ACID TEST WITH A DIFFERENCE

The USP of this film lies in the film's honesty in the way it explores the courage of the victims, picked from real life, always smiling, singing songs through their crooked lips

For An Active Year

Five ways to avoid pain and injury when starting a new exercise regime

ए.आई.सी.सी. के नये पुनर्गठन में अजीबो-गरीब नेताओं की नियुक्ति हुई?

ज्यादातर वे नेता पदोन्नत हुए हैं, जो पार्टी के पक्ष में ''पॉज़िटिव'' रिज़ल्ट नहीं दे पाये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। शुक्रवार देर रात कांग्रेस ने ए.आई.सी.सी. में जो सीमित फेरबदल घोषित किया है उससे पार्टी कार्यकर्ता और नेता दोनों ही हतप्रभ हैं जिन लोगों को लिया गया है उन्होंने पार्टी को कोई उपलब्धि नहीं दिलाई है और उनमें से अधिकांश को कई बार परखा जा चुका है और वे कई बार असफल साबित हुए हैं।

उच्चस्तरीय सूत्रों का कहना है कि पंजाब के कुछ नेताओं ने सोनिया गांधी को हरीश चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी और कृष्ण अल्लूवेरा द्वारा हवाला के तहत पैसों का लेन देन करने के सबूत भी दिए थे।

सोनिया गांधी ने उन्हें राहुल से मिलने को कहा था।

इसका परिणाम यह हुआ कि हरीश चौधरी को एआईसीसी में वापस लाया गया और उन्हें मध्य प्रदेश जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य का प्रभारी बनाया गया, हालांकि वे पंजाब में वापस भेजे जाने के लिए कडी लॉबिइंग कर रहे थे।

- **हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश का प्रभारी बनाया गया।**
- **भूपेश बघेल, जिनके नेतृत्व में पहले तो चुनाव में कांग्रेस की भारी हार हुई और सरकार गई और अब हाल ही में हुए, म्युनिसिपैलिटी के चुनावों में भी कांग्रेस को पुनः हार का सामना करना पड़ा। पर, अब बघेल को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है, क्योंकि, चर्चाओं के अनुसार, बघेल को प्रियंका गांधी का वरद हस्त प्राप्त है।**
- **इसी प्रकार, एक समय राहुल का दाहिना हाथ माने जाने वाले पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी को झारखंड का इंचार्ज बनाया गया है तथा पुरानी वफादार मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का प्रभारी बनाया गया है। हालांकि, दोनों ने कभी कोई खास सफलता नहीं दिलवाई पार्टी को।**
- **हरीश चौधरी, कृष्णा अल्लूवेरा को क्रमशः एम.पी. व बिहार का इंचार्ज बनाया गया है, जबकि, दोनों के खिलाफ सोनिया गांधी के सामने कई शिकायतें आई हैं, पैसों के लेन-देन की। चन्नी का नाम भी शॉर्ट लिस्ट हुआ था, पर, उन्होंने भी पंजाब में सक्रिय रहने की इच्छा दिखाई। ऐसा भी कहा जा रहा है कि उनके खिलाफ शिकायतें पहुंची थीं, सोनिया गांधी के सामने।**

कृष्णा अल्लुवेरा को कई बार पदोन्नत किया गया है और अब उन्हें बिहार का प्रभारी बना दिया गया है, जहां इस साल चुनाव होने हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या वे लालू यादव से बैठकर बात कर पाएंगे, बाकी लोगों की बात तो छोड़ ही दें।

चन्नी ने राज्य की राजनीति में बने रहने की इच्छा जताते हुए एआईसीसी में आने से इंकार कर दिया, हालांकि उनका नाम शॉर्टलिस्ट किया गया था। सवाल यह है कि जब उन्हें रुचि नहीं थी तो उनका नाम शॉर्टलिस्ट कैसे किया गया?

मल्लिकार्जुन खड़गे के विश्वासपात्र सहायक नासिर हुसैन को जम्मू-कश्मीर का प्रभारी महासचिव बनाया गया है, हालांकि वरिष्ठ कर्नाटक नेता बी. के. हरि प्रसाद को केवल राज्य प्रभारी का पद देकर हरियाणा का प्रभारी के प्रभारी पद पर वापस लाया गया है। वे पहले महासचिव थे।

पता चला है कि कर्नाटक के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल के बंगले की जाँच होगी

नयी दिल्ली, 15 फ़रवरी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस बंगले में रहते थे उसके जीर्णोद्धार में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है। सीपीडब्ल्यूडी की इस रिपोर्ट में दिल्ली के सिविल लाइन्स में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के जीर्णोद्धार में अनियमितता का आरोप लगा है।

- **सीपीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट के आधार पर केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने जांच के आदेश दिये।**

उल्लेखनीय है कि इस बंगले को लेकर भाजपा ने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान इसे शीश महल का नाम देकर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर हमले किए थे।

ग़ौरतलब है कि भाजपा के नेता विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने लगभग आठ एकड़ में बने बंगले का पुनर्निर्माण करते समय नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने दावा किया था कि इसके निर्माण में कई प्रकार की गड़बड़ी हुई हैं।

'जिसे आप अपने घर में पवित्र व शुभ मानते हैं, उससे उल्टा व्यवहार करते हैं, बाकी विश्व में'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने म्युनिख सिक्युरिटी कॉन्फ्रैंस में पश्चिमी देशों के इस सोच का खुलकर विरोध किया और कहा कि विश्व में ''प्रजातंत्र'' संकट में है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। लोकतंत्र के संकट में होने की बढ़ती धारणा को नकारते हुए, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को संबोधित करते हुए पश्चिम पर कटाक्ष किया व कहा कि पाश्चात्य जगत लोकतंत्र को एक पश्चिमी विशेषता के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि भारत, 'सभी चुनौतियों' के बावजूद, यहां तक कि कम आय के स्तर पर होने के बाद भी, लोकतांत्रिक मॉडल के प्रति 'सच्चा' बना रहा।

म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में ''लिव टू वोट अनदर डेः फोर्टिफाईंग डेमोक्रेटिक रैज़िलिएंस'' पैनल चर्चा में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टॉर, अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन और वारसॉ के मेयर राफाल तृज़ास्कोवस्क के साथ भाग लेते हुए, जयशंकर ने कहा कि वह इस विचार से असहमत हैं कि लोकतंत्र विश्व स्तर पर संकट में है और उन्होंने भारत के लोकतंत्र के बारे में बात की। मोदी सरकार के मंत्री के रूप में उन्होंने अपेक्षित भूमिका निभाई।

- **जयशंकर ने कहा कि भारत में 90 करोड़ मतदाताओं में 70 करोड़ मतदाताओं ने चुनाव में वोट किया और सारे वोट एक ही दिन में गिनते हैं। जब से मतदान द्वारा चुनाव के मार्फत सरकार का गठन शुरु हुआ, तब से अब 20 प्रतिशत ज्यादा व्यक्ति वोटिंग में भाग ले रहे हैं।**
- **अमेरिका की सिनेटर एलिस स्लॉटकिन के कटाक्ष, कि ''प्रजातंत्र डाइनिंग टेबिल'' पर खाना नहीं देता'', के जवाब में उन्होंने कहा कि मेरे देश में (भारत में) प्रजातंत्र डाइनिंग टेबिल पर खाना जरूर पहुंचाता है। प्रजातंत्री तरीके से चुनी गई सरकार उन 80 करोड़ लोगों को खाना पहुंचाती है और उनके पेट में खाना पहुंचे यह उन लोगों के लिए रोज़मर्रा में स्वस्थ रहने का एकमात्र रास्ता है।**

पश्चिमी लोकतंत्र पर उनके विचार पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं एक ऐसे पैनल, जो शायद निराशावादी है, में एक आशावादी के रूप में दिखाई दिया। मैं अपनी उंगली उठाकर शुरुआत करूंगा और कृपया इसे गलत न समझें, यह तर्जनी अंगुली है। यह जो निशान आप मेरे नाखून पर देख रहे हैं, यह हाल ही में किए गए मतदान का निशान है। हम हाल ही में अपने राज्य (दिल्ली) में चुनाव करवा चुके हैं। पिछले साल, हमारे यहां राष्ट्रीय चुनाव हुए थे। भारतीय चुनावों में लगभग दो-तिहाई पात्र मतदाता वोट करते हैं। राष्ट्रीय चुनावों में, 90 करोड़ मतदाताओं में से 70 करोड़ ने वोट किया। हम एक ही दिन में वोटों की गिनती करते हैं।

उन्होंने कहा, ''आधुनिक युग में जब से हम ने मतदान करना शुरू किया तब से लेकर अब तक वोटिंग प्रतिशत में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई है, तो पहला संदेश यह है कि हो सकता है किसी रूप में लोकतंत्र वैश्विक स्तर पर संकट में हो, पर मैं माफी चाहता हूं, मैं इससे सहमत नहीं हूं। मेरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमा भारती भी खड़ी हुईं विपक्ष के साथ

उनका कहना था, भारतीय नागरिकों को ''अपमानजनक'' तरीके से अमेरिका से भारत भेजना बहुत अनुचित था

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। जिस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दूसरा बैच अमृतसर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाला है, उस दिन भाजपा की उपाध्यक्ष और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, अमेरिकी सरकार को आड़े हाथों लेने में विपक्षी नेताओं के साथ एकजुट नज़र आईं। उन्होंने कहा, ''हथकड़ी और बेड़ी में भारतीयों को वापस भेजने का यह क्रूर और शर्मनाक तरीका है।''

पूर्व में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा था कि अवैध प्रवासियों को ''हथकड़ी बेड़ी लगाना'' ''स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर'' है।

विपक्षी नेता आश्चर्य और निराशा व्यक्त करते रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने डिपोर्ट किए गए लोगों के साथ किए गए ''अमानवीय व्यवहार'' का विरोध भी नहीं किया। जबकि, जयशंकर ने कहा था कि भारत सरकार अवैध भारतीय प्रवासियों के प्रत्यर्पण में अमेरिका की सरकार का सहयोग करेगी।

- **यह उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भारतीयों को ''हथकड़ी' पहनाकर, पांव में बेड़ियां डाल कर भेजने को ''सामान्य प्रक्रिया'' बताया था संसद में।**

पहले बैच के प्रवासी जब प्लेन से उतरते समय हथकड़ी और बेड़ी में नज़र आए थे तो जयशंकर ने इस मुद्दे को हल्का करने की कोशिश की, यह कहते हुए कि अवैध प्रवासियों के प्रत्यर्पण में कुछ नया नहीं है। जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि 2009 से अब तक, अमेरिका ने लगभग 15,000 भारतीयों को वापस भेजा है, जिन्होंने अवैध रुप से देश में प्रवेश किया था।

उमा भारती, जिन्होंने भाजपा नेतृत्व से असहमति होने के बाद अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई थी, ने एक विपरीत रुख अपनाया और इस घटना की तुलना, अमेरिकी सरकार द्वारा रेड इंडियंस और अफ्रीकी मूल के लोगों के प्रति दिखाए गए ''क्रूर और हिंसक'' रवैये के साथ की। उन्होंने कहा, ''किसी देश में अवैध रुप से प्रवेश करना अपराध है और प्रत्येक देश के पास इसके दंड के लिए कानूनी प्रावधान होते हैं। लेकिन ऐसी क्रूरता एक बहुत बड़ा पाप है।''

अमृतसर हवाई अड्डे पर 5 फरवरी को 104 अवैध भारतीय प्रवासियों के पहुंचने के बाद, 119 प्रत्यर्पितों का दूसरा बैच आज रात अमृतसर हवाई अड्डे पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

20 फरवरी को मिलेगी, दिल्ली को नई सरकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। दिल्ली में 20 फरवरी को भाजपा की सरकार बनेगी, जिसमें परवेश वर्मा को मुख्यमंत्री और डॉ. मोहन एस. बिष्ट को विधानसभा स्पीकर और रवि नेगी को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। शबरी जयंती, 20 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली में नई सरकार को अंतिम रूप देंगे। अरविंदर लवली, उपाध्याय, निर्दलीय कपिल मिश्रा, रविकांत, विजेन्द्र गुप्ता, मजिंदर सिंह सिरसा व संजय गोयल को मंत्री बनाया जा सकता है।

- **परवेश वर्मा मुख्यमंत्री, रवि नेगी उपमुख्यमंत्री और मोहन बिष्ट स्पीकर चुने जाएंगें।**

जयललिता के अरबों के जवाहरात, साड़ियाँ व सम्पत्तियों का स्वामित्व तमिलनाडू सरकार ने ग्रहण किया

बैंगलोर कर्नाटक विधान सौधा की ट्रैज़री से इस बहुमूल्य समान को प्राप्त करने के बाद तमिलनाडू पुलिस के संरक्षण में चेन्नई शिफ्ट किया गया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। एक लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार तमिलनाडू सरकार को जयललिता के खजाने का स्वामित्व मिल ही गया। यह खजाना, जिसमें सोने के कलश व अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं, कर्नाटक विधान सौधा की ट्रैज़री में रखा हुआ था। कोर्ट के निर्देशानुसार कर्नाटक विधान सौधा की ट्रैज़री में इसे कड़ी सुरक्षा में रखा हुआ था। इसका मालिकाना हक प्राप्त करने के बाद तमिलनाडू सरकार इस बैंगलोर से चेन्नई ला रही है।

लिस्ट के अनुसार, इस खजाने में 27.5 किलो सोना, हीरे व अन्य कीमती सामान हैं, जो उस समय जब्त किया गया था तब तमिलनाडू की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता को आय से अधिक सम्पत्ति मामले में तमिलनाडू पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। तमिलनाडू पुलिस यह खजाना कड़ी सुरक्षा में चेन्नई लेकर आएगी। कोर्ट स्टाफ ने यह खजाना तमिलनाडू सरकार के प्रतिनिधि को सौंपा। यह सामान कई साल पहले जब्त किया गया था, तब से इसकी कीमत कई गुना बढ़ गई है।

- **27.55 किलो सोना, 1,116 किलो चाँदी, 1525 एकड़ भूमि के कागज़ात, 11,000 सिल्क साड़ियाँ, कीमती रत्न, आभूषण व अन्य सामान, तमिलनाडू सरकार को न्यायालय के आदेश से मिला।**
- **जयललिता के भतीजे व भतीजी दीपक व दीपा ने कोर्ट के इस आदेश को न्यायालयों में चुनौती दी थी, पर, सभी कोर्टों में उनका मुकदमा खारिज होने के बाद, यह सब सामान तमिलनाडू सरकार को मिला।**
- **पर न्यायालय ने जयललिता का निवास, पोएस गार्डन का स्वामित्व, जयललिता के भतीजे व भतीजी, दीपक व दीपा को देने का निर्णय सुनाया। तमिलनाडू सरकार ने इस निवास को अधिग्रहित करके यहाँ एक म्यूज़ियम बनाने की योजना प्रस्तुत की है।**

सामान की लिस्ट इस प्रकार है: सोना- 27.55 किलोग्राम, चाँदी- 1,116 किलोग्राम, जमीन, जिसके कागजात हैं,- 1526 एकड़, सिल्क साड़ियाँ-11,000, इसके अलावा हीरे व अन्य कीमती पत्थरों के आभूषण तथा अन्य सामान शामिल है। यह सब सामान कर्नाटक विधान सौधा खजाने में सुरक्षित रखा हुआ था। जब कोर्ट ने फैसला दे दिया कि इस खजाने पर तमिलनाडू और वहाँ की सरकार का हक है तो राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने उसका मालिकाना हक लिया और कड़ी सुरक्षा में खजाना चेन्नई भेजने की व्यवस्था की।

खजाना हस्तांतरण के समय सरकारी अधिकारी व कोर्ट के अधिकारी मौजूद थे।

जयललिता के रिश्तेदारों, भतीजी जे. दीपा और भतीजे जे. दीपक ने कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी और इस कीमती सामान पर हक जताते हुए कहा था कि वे जयललिता के कानूनी वारिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाकुंभ : कल्पवास पूरा कर दंडी स्वामी संत रवाना हुए

महाकुंभनगर,15 फरवरी। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महासमागम, महाकुंभ के माघ माह के कल्पवास में प्रायश्चित के त्रिजटा स्नान के बाद दंडी स्वामी संत अपने अपने मठ मंदिरों के लिए रवाना हो गए। प्रयागराज महाकुंभ अपने समापन की तरफ अग्रसर है। बसंत पंचमी के अमृत स्नान के बाद पहले 13 अखाड़ों की महाकुम्भ नगर से विदाई और फिर माघ पूर्णिमा के स्नान पर्व के बाद कल्पवासियों की रवानगी हो चुकी है। इसी क्रम में माघ माह के कल्पवास

- **अखिल भारतीय दंडी परिषद के प्रमुख जगदपुरु स्वामी महेशाश्रम ने कहा कि माघ महीने का कल्पवास माघ पूर्णिमा की डुबकी के साथ पूरा हो जाता है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यूरोप व पश्चिमी देश, विश्व को केवल रंगीन चश्में से देखते हैं'

एस. जयशंकर ने पुरजोर ढंग से म्युनिख सिक्युरिटी कॉन्फ्रैंस में अपने उदगारों से काफी हलचल पैदा की, कि कई अन्य वैकल्पिक सोच व सच्चाई ही मौजूद हैं विश्व में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। भारत के विदेश मंत्री, एस. जयशंकर, का म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक अमेरिकी सीनेटर के साथ लोकतंत्र पर विवाद हो गया, खासकर पश्चिमी दुनिया के बाहर वाले लोकतांत्रिक समाजों के बारे में।

अमेरिकी सीनेटर ने कहा कि लोकतंत्र खाने की मेज़ पर भोजन नहीं पहुँचाता है। इस पर जयशंकर ने जोरदार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति 80 करोड़ लोगों को भोजन दे रही है और उन्हें पोषण सहायता प्रदान कर रही है, जिससे उनका स्वास्थ्य निर्धारित होता है।

भारतीय विदेश मंत्री ने यह कहा कि पश्चिमी शक्तियाँ दुनिया के अन्य हिस्सों में हो रहे घटनाक्रम से अनजान हैं, खासकर तथाकथित तीसरी दुनिया के देशों में। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में ''अलग तरह का संवाद''हो रहा है, जो यूरोपीय या पश्चिमी विचारों से पूरी तरह मेल नहीं खाता है।

उन्होंने तर्क दिया कि पश्चिम के दायरे और इसके तथाकथित आदर्शों के बाहर लोग समाधान पर काम कर रहे हैं। पश्चिमी देश सभी को अपनी आँखों और पूर्वाग्रहों से देखते हैं और विविधता व परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते हैं।

जयशंकर प्रतिष्ठित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में बोल रहे थे, जो एक वार्षिक आयोजन है, जहाँ दुनिया के प्रमुख नेता यह विचार करते हैं कि वैश्विक व्यवस्था कैसी है और इसे सुधारने के लिए वे कैसे साथ काम कर सकते हैं।

जयशंकर अब अंतरराष्ट्रीय मामलों में पश्चिमी रुख पर अपने सीधे हमलों के कारण वैश्विक संवाद मंच पर, अनिच्छा से ही सही, लेकिन, एक प्रभावी व्यक्तित्व के रुप में स्वीकार कर लिए गए हैं। उन्होंने पहली बार अपनी उपस्थिति तब दर्ज की थी जब रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस से तेल खरीदने पर भारत की स्थिति के बारे में उनसे सीधा सवाल किया गया था।

- **जयशंकर को उनके स्पष्ट दो टूक बात कहने के तरीके के कारण अब सम्मान व उचित गंभीरता से लिया जाने लगा है, अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रैंसों में।**
- **अब, जबकि, ट्रम्प के अपरम्परागत सोच व विदेश नीति पर उद्गारों से यूरोप व बाकी विश्व अचंभित व भयभीत है, जयशंकर की ओर देखा जा रहा है, अमेरिका के नये सोच को संतुलित करने के लिये।**
- **उदाहरण के लिये, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने म्युनिख कॉन्फ्रैंस में यूरोपियन देशों को काफी लताड़ा। रूस की चुनौती का सामना करने के लिए ''उचित'' व व्यावहारिक जवाब नहीं देने के लिये। उपराष्ट्रपति वैंस का संकेत था कि यूरोप यह मानकर न चले की हर बार अमेरिका, यूरोप के सुरक्षा खर्चों का भार वहन करता रहेगा।**

इस वर्ष का म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन ट्रंप 2.0 और एक और अधिक अशांत एवं ज्वालामुखी जैसी अंतरराष्ट्रीय स्थिति की छाया में हो रहा है। यूक्रेन युद्ध के अलावा, इज़रायल-हमास संघर्ष और आक्रामक चीन ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के परिदृश्य को उलट दिया है।

सम्मेलन के पिछले दो दिनों में, अमेरिकी प्रशासन ने अपने नए नियुक्त भारी-भरकम नेताओं को भेजा था ताकि वे अमेरिकी नीतियों और प्रथाओं पर उठ रहे सवालों का जवाब दे सकें। अमेरिकी उपराष्ट्रपति, जे.डी. वैंस ने रुस से आने वाली चुनौतियों के मुकाबले में विश्वसनीय सैन्य प्रतिक्रिया तैयार नहीं करने के लिए यूरोपियन देशों की कड़ी आलोचना की।

वैंस ने म्यूनिख में सम्मेलन में कहा कि अगर यूरोप अस्तित्व संकट का सामना कर रहा है, तो यह संकट रूस, अमेरिका या यहां तक कि चीन की तरफ से नहीं है। यूरोप अपने सबसे बड़े अस्तित्व संकट का सामना अपने भीतर से कर रहा है। वैंस की इस आलोचना ने यूरोप और इसके नेताओं पर गहरी छाप छोड़ी, जो यूक्रेन संकट को लेकर रुस की तरफ से आ रहे खतरे का सामना कर रहे हैं।

वैंस प्रभावी रूप से वो बात कह रहे थे जो ट्रंप के बार-बार कही है, कि रुस से खतरे की स्थिति में, तो यूरोप को यह नहीं मानना चाहिए कि अमेरिका आकर यूरोपीय हितों की रक्षा करेगा। उनका रुख यह रहा है कि अमेरिका यूरोप के लिए रक्षा बिल चुका रहा है और यह अनिश्चितकाल तक नहीं चल सकता।

यूरोप को, डॉनल्ड ट्रंप के यूक्रेन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म पर 20 साल की सजा

जयपुर, 15 फरवरी। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मोहन लाल को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 साल के इस अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी कैलाश चंद अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग को बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ कई बार संबंध बनाने का अपराध किया है। यदि इसमें पीड़िता की सहमति भी रही थी तो भी यह अपराध

- **पीठासीन अधिकारी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग को बहला-फुसला कर अपने साथ ले जाने और कई बार संबंध बनाने का अपराध किया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

तृण से हल्की रूई होती है और रूई से भी हल्का याचक। हवा इस डर से उसे नहीं उड़ाती कि कहीं उससे भी कुछ न माँग ले। –चाणक्य

बुढ़ापे में स्वास्थ्य का प्रबंध

क्या आप बुढ़ापे की ओर बढ़ रहे हैं? यदि हाँ, तो आज की चर्चा पुनः आपके लिये है। वस्तुतः समय के परिणाम से बुढ़ापा और मृत्यु हर व्यक्ति के जीवन में अंततः आते हैं, और उत्पन्न बुढ़ापे में होने वाली समस्यायें स्वाभाविक हैं। इनकी चिकित्सा नहीं होती (कालस्य परिणामेन जरामृत्युनिमित्तजाः। रोगाः स्वाभाविका दृष्टाः स्वभावो निष्प्रतिक्रियः।। च.शा.1.115)। इनसे डरने की आवश्यकता भी नहीं है। स्वाभाविक जरावस्था को नहीं टाला जा सकता, पर अकाल-जरा या असमय बुढ़ापे की समस्याओं से निपटने के लिये आयुर्वेद में पर्याप्त, प्रभावी और प्रमाण-आधारित उपाय हैं।

बुढ़ापे के लक्षणों को वात-वृद्धि, विषमाग्नि (मन्दाग्नि, तीक्ष्णाग्नि) और दोनों के प्रभाव से कफक्षय के सन्दर्भ में ही समझा जा सकता है। अकाल-जरा या समय से पहले बुढ़ापा आने का मूल कारण त्रिदोष-भड़काऊ जीवन-शैली, अनवरत असात्मऐन्द्रियार्थ संयोग एवं अहर्निश प्रज्ञापराध हैं। क्रमशः होने वाली स्थिति देखें तो वात के प्रकोप से विषमाग्नि (मन्दाग्नि, तीक्ष्णाग्नि) के कारण त्रुटिपूर्ण आहार-रस निर्माण, इसके कारण आम का बनना, आम बनने से भोजन के रस से सार और किट्ट का सम्यक विभाजन गड़बड़ाना, इस कारण अनावश्यक मल-संचय बढ़ना, और मल-संचय से स्त्रोतोरोध व खवैगुण्य होना, और इस स्थिति के लम्बे समय तक रहने से आमविष का निर्माण होने लगता है। ऑटो-इम्युनिटी के पचड़े इसी आमविष कारण लग जाते हैं। दूसरी और विषमाग्नि के कारण भूताग्नि व धात्वाग्नि का ह्रास होता है। फलतः रसधातु में खराबी आने से धातु क्षय होता है।

शरीर की क्रियात्मक समग्र या फिजियोलॉजिकल-इंटेग्रिटी में उत्तरोत्तर होने वाली हानि के कारण बुढ़ापा आता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः मृत्यु होती है। शरीर की क्रियात्मक समग्रता जैसे-जैसे टूटती जाती है वैसे-वैसे मनुष्य कैंसर, मधुमेह, हृदयरोग, न्यूरो डीजेनेरेटिव समस्यायें व क्रोनिक रेस्पिरेटरीट्रैक्ट इन्फ़ेक्शन बढ़ने लगते हैं। आयुर्वेद की भाषा में परिणामकाल और आधुनिक वैज्ञानिक शब्दावली में समय-निर्भर क्रियात्मक गिरावट में पूर्ण साम्य है।

चूँकि आयु पहले से तय नहीं होती है, अतः आयुर्वेद द्वारा प्रदत्त उपायों के उपयोग के जरा-व्याधि का नाश करते हुये जीवन के अंतिम समय तक स्वस्थ रहा जा सकता है। उम्र के साथ बढ़ने वाले रोगों की उत्पत्ति फ्री-रेडिकल्स की बहुलता से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफ्लेमेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन (दर्द या सूज़न) को नियंत्रित कर लिया जाये तो उम्र के आधार पर लगने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है।

आयुर्वेद की दृष्टि में जरावस्था में वात का प्रकोप, कफ का क्षय, विषमाग्नि और धातुक्षय को नियंत्रित कर लिया जाये तो समस्याओं का समाधान हो जाता है। आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह है कि उम्र के साथ बढ़ने वाले रोगों की उत्पत्ति फ्री-रेडिकल्स की बहुलता से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफ्लेमेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन (दर्द या सूज़न) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। आयु-आधारित व्याधिजनन या एज-रिलेटेड-पैथोजेनेसिस समकालीन विश्व की सबसे गंभीर समस्या है। बायो-मेडिकल साइंस अभी तक इस समस्या से पार नहीं पा सका है।

बुढ़ापे में वात का प्रकोप तो रहता ही है, वात को प्रकुपित करने वाले कारण या हेतु का अधिक प्रयोग करने पर वात व्याधियां भी विकसित हो जाती हैं। इसलिए वात को भड़काने वाले आहार-विहार नहीं करना चाहियेः (1) बहुत रूखा-सूखा भोजन नहीं खाना चाहिये, (2) व्यायाम में अति नहीं करना चाहिये, पर इसका तात्पर्य यह नहीं कि बंद ही कर दें, (3) उपवास या आंकठ भोजन दोनों से बचना चाहिये, (4) झगड़ा या भिडंत, खासकर अपने से सवाया के साथ, बचना चाहिये, (5) व्यायाम और टहलना लाभकारी है, परन्तु बहुत अधिक चलने से बचना चाहिये, (6) जोर लगाकर प्राकृतिक शारीरिक वेग नहीं निकालें, और न आये हुये वेगों का उदीरण भी नहीं करना चाहिये, (7) आये हुये शारीरिक वेगों को जबरन नहीं रोकना चाहिये, (8) भार-वहन या वजनी वस्तुओं को नहीं ढोना या उठाना चाहिये, (9) बहुत रोना या बहुत हंसना नहीं चाहिये, (10) ऐसी स्थिति न बनायें कि किसी प्रकार की चिन्ता न रह जाये, किन्तु अति-चिन्ता, अति-प्रसन्नता याभयातुरता से भी बचें, (11) विषम शारीरिक या मानसिक चेष्टायें न करें, (12) विरूद्धान्न भोजन या विरुद्धाहार, विषमाशन, या अजीर्ण, या ठंडा-बासी भोजन न करें, (13) दिन में ज्यादा सोनेऔर रात में जागने से बचना चाहिये, (14) हाथी, घोड़ा, खच्चर आदि की सवारी नहीं करें, (15) समुचित आहार-विहार, सद्वृत्त, स्वस्थव्रत, रसायन एवं आचार रसायन को नियमित दिनचर्या, रात्रिचर्या, व ऋतुचर्या का अंग बनायें।

जहाँ तक भोजन का प्रश्न है, प्रायः मधुर, अम्ल, लवण रसप्रधान, स्निग्ध, उष्ण, मात्रापूर्वक, अच्छी तरह पच जाने पर, तन्मयतापूर्वक, वृष्य, बल्य, वातशामक पदार्थों का सेवन करना चाहिये। आजकल घी व दूध से लोग दूर भागते हैं। पर बुढ़ापे में वात रोगों के समाधान में तेल और घी से बेहतर कोई द्रव्य ज्ञात नहीं है। असल में घी व दूध का निरंतर सेवन उत्तम रसायन है (क्षीरघृताभ्यासो रसायनानां श्रेष्ठम्। च.सू.25.40)। भोजन में गाय का घी सम्यक मात्रा में लेते रहने से बुढ़ापा रोगरहित कटता है, पर ध्यान यह रखना है कि घी की मात्रा बहुत अधिक न हो। ध्यान यह भी रखना है कि बुढ़ापे में घी खाना उपयोगी है पर घी खाने का अधिकार उन्हें ही है जो नित्य अपने बल के आधे तक व्यायाम करते हों।

> **जहाँ तक भोजन का प्रश्न है, प्रायः मधुर, अम्ल, लवण रसप्रधान, स्निग्ध, उष्ण, मात्रापूर्वक, अच्छी तरह पच जाने पर, तन्मयतापूर्वक, वृष्य, बल्य, वातशामक पदार्थों का सेवन करना चाहिये। आजकल घी व दूध से लोग दूर भागते हैं। पर बुढ़ापे में वात रोगों के समाधान में तेल और घी से बेहतर कोई द्रव्य ज्ञात नहीं है। असल में घी व दूध का निरंतर सेवन उत्तम रसायन है।**

असमय बुढ़ापा घेर रहा हो तो गाय के घी (500 ग्राम) में उड़द (150 ग्राम), मूंग (150 ग्राम), तिल (200), सिंघाड़े का आटा (100 ग्राम) मिलाकर कड़ाही में भूनिये। इसमें मिश्री, खांड, इक्षु-शर्करा (300 ग्राम), और गाय के घी (50 ग्राम) में हल्के भुने और छोटे टुकड़े किये हुये ताल मखाना (200 ग्राम) मिलाइये। बाद में द्राक्षा (200 ग्राम), खजूर (200 ग्राम), चिरोंजी (100 ग्राम) व बादाम (200 ग्राम), कालीमिर्च (20 ग्राम), सोंठ (20 ग्राम), पिप्पली (10 ग्राम), दालचीनी (10 ग्राम), जावित्री (3 ग्राम), केशर (3 ग्राम), और इलायची (20 ग्राम) मिला लें। मिश्रण को सुरक्षित रख लीजिये। इस मिश्रण का 25 से 35 ग्राम नाश्ते व रात में केशर मिले गुनगुने दूध के साथ आनंद लीजिये। यह वृष्य, वाजीकर, बल्य, शुक्रवर्धक, रसायन और धातु-पुष्टिकर योग है। तथापि, शर्करा होने के कारण इसका उपयोग मधुमेह के रोगियों के लिये वर्जित है।

असल में बुढ़ापे में वात अकेले नहीं भड़का रहता, बल्कि यह कफ व पित्त को भी उकसाता और शरीर में तमाम यात्रा कराता रहता है या परस्थानिक करता रहता है। बुढ़ापे में वात की समस्या सम्हालने के लिये सबसे सरल सूत्र तो यह है कि दोष, अग्नि, धातुयें, मलक्रिया, सम करने वाली चिकित्सा लें, और आत्मा, इंद्रियों और मन को प्रसन्न रखने वाले काम किये जायें। बुढ़ापे में वात-प्रत्यनीक चिकित्सा, आहार-विहार,पथ्य-अपथ्य का ख्याल रखते हुये जीवन चलाने में आनंद है।

वात-व्याधियाँ प्रायः दुखदायी होती हैं। अतः समुचित रसायनों के प्रयोग द्वारा व्याधियों को आने से रोकना चाहिये। बुढ़ापे में वात-शामक प्रिवेन्टिव उपाय उपयोगी होते हैं। इसके लिये नियमित रूप से आयुर्वेदाचार्य की सलाह से अभ्यंग (तेल से शरीर, सिर और पैरों की स्वयं मालिश), दीपन, पाचन, स्नेहन, स्नेहपान, स्वेदन, विरेचन एवं वस्ति आदि उपयोगी क्रियायें हैं। बुढ़ापे को देर से और कठिनाई से आने देना है तो समय पर युक्तियुक्त कोष्ठ शुद्धि कराते रहना चाहिये (एवं विशुद्धकोष्ठस्य कायाग्निरभिवर्धते। व्याधयश्चोपशाम्यन्ति प्रकृतिश्चानुवर्तते।। इन्द्रियाणि मनोबुद्धिर्वर्णश्चास्य प्रसीदति। बलं पुष्टिरपत्यं च वृषता चास्य जायते।। जरां कृच्छ्रेण लभते चिरं जीवत्यनामयः। तस्मात् संशोधनं काले युक्तियुक्तं पिबेन्नरः।। च.सू.16.17-19)। शुद्धकोष्ठ वाले व्यक्ति की उम्र, प्रकृति, और सात्म्य को जानने वाला वैद्य जिस व्यक्ति के लिये जो रसायन उचित हो उसे उस व्यक्ति में प्रयोग करना चाहिये (शुद्धकोष्ठं तु तं ज्ञात्वा रसायनमुपाचरेत्। वयःप्रकृतिसात्म्यज्ञो यौगिकं यस्य यद्भवेत्। च.चि.1.1.28)। नियमानुसार पंचकर्म, रसायन और वाजीकर का प्रयोग करने से धातुसाम्य बना रहता है, रोग नहीं होते, धातुयें बढ़ती हैं इसलिये बूढ़े होने की गति धीमी हो जाती है (यथाक्रमं यथायोग्यमत ऊर्ध्वं प्रयोजयेत्। रसायनानि सिद्धानि वृष्ययोगांश्च कालवित्।। रोगास्तथा न जायन्ते प्रकृतिस्थेषु धातुषु। धातवश्चाभिवर्धन्ते जरा मान्द्यमुपैति च।। च.सू.7.48-49)। दोष भड़कने के पूर्व ही प्रिवेंटिव शोधन करना अनागत समस्या का निदान परिवर्जन है।

कुछ बातें और भी हैं: (1) महिलाओं के प्रति संयम / मर्यादा रखने वाले लम्बी उम्र, देर से बुढ़ापे में जाना, शरीर-बल और वर्ण, ठोस और स्थिर-मांसपेशी वाले होते हैं (आयुष्मन्तो मन्दजरा वपुर्वर्णबलान्विताः।। स्थिरोपचितमांसाश्च भवन्ति स्त्रीषु संयताः। सु.चि.24.112-113)। (2) व्यायाम करने वाले आदमी को उसके दुश्मन भी डर की मारे नहीं तंग करते। बुढ़ापा भी सहसा नहीं चढ़ता (न च व्यायामिनं मर्त्यमर्दयन्त्यरयो बलात्। न चैनं सहसाऽक्रम्य जरा समधिरोहति। सु.चि.24.41-42)। (3) रूखा-सूखा व मात्रा से कम खाना और अति उपवास करना, शोधन क्रियाओं की अति (पंचकर्म आदि), शोक, वेगों व नींद को रोकना, शरीर के रुक्ष रहने पर रुक्ष उबटन व नित्य रुक्ष स्नान, स्वाभाविक कमजोर गुणसूत्र, वृद्धावस्था, रोगों का लग जाना, और गुस्सा इंसान को बहुत कमजोर (कृश) कर देते हैं (वक्ष्यते वाच्यमतिकार्श्ये त्वतः परम्।। सेवा रूक्षान्नपानानां लङ्घनं प्रमिताशनम्। क्रियातियोगः शोकश्च वेगनिद्राविनिग्रहः।। रूक्षस्योद्वर्तनं स्नानस्याभ्यासः प्रकृतिर्जरा। विकारानुशयः क्रोधः कुर्वन्त्यतिकृशं नरम्।। च.सू.21.10-11)। अतः जरा-व्याधि को युक्तिपूर्वक रोके रहना ही ठीक है। (4) बूढ़े हो रहे लोगों द्वारा नस्य का प्रयोग करने से सिर आदि ऊपर के अंगों में बुढ़ापा अपना असर नहीं दिखा पाता (न चास्य रोगाः सहसा प्रभवन्त्यूर्ध्वजत्रुजाः।। जीर्यतश्चोत्तमाङ्गेषु जरा न लभते बलम्। च.सू.5.62-63)।

भारत में शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं वाले लगभग 112 मिलियन बूढ़े लोग हैं। आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों का निष्कर्ष है कि माथे में सोचने-विचारने की गति धीमी हो रही हो और शारीरिक चाल मंद पड़ने लगे तो समझिये बुढ़ापे की ओर तेज गति से जा रहे हैं। आज दिखाई पड़ने वाले गैर-संचारी रोगों सहित तमाम ऐसे रोगों, जो स्वाभाविक बुढ़ापे की समस्यायें नहीं हैं, उनसे पूरी तरह बचते हुये बुढ़ापे को सुखदायी बनाया जा सकता है। आयुर्वेदाचार्यों की सलाह लीजिये। उत्तम वैद्य से लिये जाने वाले चिकित्सकीय परामर्श का कोई विकल्प नहीं है। स्वयं चिकित्सक की भूमिका में न उतरें। आहार, विहार, रसायन, औषधि या जड़ी-बूटी का प्रयोग अपने आयुर्वेदिक डॉक्टर के परामर्श से ही करें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

रिक्त पद भरे बिना संभव नहीं है उच्च शिक्षा में गुणवत्ता

रमेश चंद बैरवा

देश और प्रदेश के विकास के लिए सभी के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा बहुत अहम है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सिर्फ विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि ही पर्याप्त नहीं है बल्कि भवन, कुर्सी, टेबल, बिजली, पानी, टायलेट, लैब, लाइब्रेरी जैसे पर्याप्त भौतिक संसाधन तथा शिक्षक, कर्मचारी एवं प्रशासनिक अधिकारी भी अत्यंत जरूरी है। शिक्षक छात्र अनुपात भी यूजीसी मानकों के मुताबिक होना चाहिए। समुचित मात्रा में बजट भी अत्यंत जरूरी है। लेकिन राजस्थान में स्थिति अत्यंत चिंताजनक है जिस पर राज्य सरकार को गौर कर वर्ष 2025-26 के वित्तीय वर्ष के राज्य बजट में उच्च शिक्षा पर समुचित मात्रा में बजट आवंटित किए जाने का राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ का सादर निवेदन है।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2024-25 के मुताबिक राजस्थान में राजकीय महाविद्यालय की संख्या 291 है। राजस्थान एजुकेशन सोसाइटी राजसेस संचालित 340 राजकीय महाविद्यालयों को जोड़ने पर यह संख्या 631 है। राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की संख्या 16 है। प्रदेश में कॉलेज एवं विश्वविद्यालय विद्यार्थियों का नामांकन भी तेजी से बड़ा है विशेष कर महिला विद्यार्थियों की संख्या पिछले वर्षों में तेजी से बड़ी है जिसकी मुख्य वजह छात्राओं को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां एवं प्रोत्साहन राशि हैं। लेकिन इन सरकारी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षकों एवं अशैक्षिणक कर्मचारियों की भारी कमी के कारण शिक्षा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित है। सरकारी महाविद्यालयों में तो स्थिति इतनी चिंताजनक है कि अशैक्षिणक कर्मचारियों की कमी के कारण अशैक्षिणक कार्य प्रोफेसर जैसे उच्च वर्ग के कार्मिक को खुद करने पड़ रहे हैं जिससे नियमित अध्यापन, शोध, सेमिनार एवं अन्य सहशैक्षिणक गतिविधियां भी बुरी तरह प्रभावित हैं।

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य के स्वीकृत 291 पद में से 117 पद रिक्त हैं। सहआचार्य एवं सहायक आचार्य के 6909 स्वीकृत पदों में से 2605 पद रिक्त हैं। शारीरिक शिक्षक के 291 में से 277, पुस्तकालय अध्यक्ष के 291 में से 274, सहायक लेखा अधिकारी प्रथम के 275 में से 173, प्रशासनिक अधिकारी के 45 में से 19 पद, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 225 में से 119, कनिष्ठ सहायक के 614 में से 422, प्रयोगशाला सहायक के 791 में से 229, जमादार के 39 में से 39, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं चौकीदार के 1235 में से 902, बुक लिफ्टर के 333 में से 302 पद रिक्त हैं। कुल मिलाकर सरकारी महाविद्यालयों में स्वीकृत 12661 शैक्षिणक एवं अशैक्षिणक स्वीकृत पदों में से सिर्फ 6359 पद पर कार्यरत है तथा 6302 पद रिक्त हैं, अर्थात करीब 50 प्रतिशत पद रिक्त हैं।

राजसेस महाविद्यालयों में प्राचार्य के स्वीकृत 340 पद हैं लेकिन ज्यादातर में नोडल महाविद्यालय से कार्य व्यवस्था पर लगाए हुए शिक्षक नोडल अधिकारी के रूप में अस्थाई व्यवस्था संभाल रहे हैं जो अमानवीय हालातों में कार्य कर रहे हैं क्योंकि इन कॉलेजों में अशैक्षिणक कार्मिक है ही नहीं हैं। राजसेस महाविद्यालयों में सहायक आचार्य के 3867,शारीरिक शिक्षक 297, पुस्तकालय अध्यक्ष के 297, सहायक लेखा अधिकारी प्रथम के 297, प्रशासनिक अधिकारी के 118, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के 222, वरिष्ठ सहायक के 340, कनिष्ठ सहायक के 646, सूचना सहायक के 143, प्रयोगशाला सहायक के 839, प्रयोगशाला परिचारक के 701, कृषि पर्यवेक्षक के 43, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं चौकीदार के 786, बुक लिफ्टर के 299 सहित कल 9756 पद स्वीकृत हैं। इन कॉलेजों में विद्या संबल योजना के तहत गेस्ट फैकल्टी शिक्षक लगाए जाते हैं जिन्हें अक्सर समय पर नहीं लगाया जाता और पाठ्यक्रम पूर्ण होने से पहले ही हटा दिया जाता है जिसका सबसे बुरा असर प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर होता है। यह भी ज्ञात हुआ है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा सहायक आचार्य के 1936 एवं कुछ अशैक्षिणक पदों पर भर्ती प्रक्रिया अधीन है।

उल्लेख है कि राजस्थान के 16 राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में भी शैक्षिणक एवं अशैक्षिणक पद बड़ी संख्या में रिक्त हैं। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में शिक्षकों के 1883 पर स्वीकृत है जिनमें से 436 पर कार्यरत है तथा 647 पद रिक्त हैं। अशैक्षिणक वर्ग के 1692 स्वीकृत पदों में से 1016 पद रिक्त हैं। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में 481 शैक्षिणक पद स्वीकृत है जिनमें से 305 पद रिक्त हैं। अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 586 पदों में से 185 पद रिक्त हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर में स्वीकृत शैक्षिणक 260 में से 98 पद रिक्त हैं। अशैक्षिणक वर्ग के 485 स्वीकृत पदों में से 247 पद रिक्त हैं। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर में 48 शैक्षिणक पर स्वीकृत है जिसमें से 36 पद रिक्त हैं। 334 स्वीकृत अशैक्षिणक पदों में से 124 पद रिक्त हैं। कोटा विश्वविद्यालय कोटा में 86 शैक्षिणक पद स्वीकृत हैं जिनमें से सिर्फ 22 कार्यरत एवं 64 पद रिक्त हैं। अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 141 पदों में से 33 पद रिक्त हैं। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर में स्वीकृत शैक्षिणक 77 पद में से 62 पद रिक्त हैं। अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 206 पद में से 122 पद रिक्त हैं।

वर्तमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा में 37 शैक्षिणक पद स्वीकृत हैं जिनमें से 19 पद रिक्त हैं। अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 301 पद में से 142 पद रिक्त हैं। राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर में 45 शैक्षिणक पर स्वीकृत हैं लेकिन अभी तक एक भी पद पर नियुक्ति नहीं हो पाई है। अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 53 पद में से 23 पद रिक्त हैं। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर में 30 शैक्षिणक पद स्वीकृत है। इन पर भी अभी तक कोई नियुक्ति नहीं हुई है।

अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 53 पद में से 43 पद रिक्त हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर में 30 शैक्षिणक पद स्वीकृत है तथा अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 76 पद में से 45 पद रिक्त हैं। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा में 30 शैक्षिणक एवं 40 अशैक्षिणक श्रेणी के पद स्वीकृत है जिनमें से ज्यादातर पदों पर प्रतिनियुक्ति के जरिए काम चलाऊ व्यवस्था की हुई है। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय जयपुर में स्वीकृत 32 शैक्षिणक पद में से 25 अर्थात 78 प्रतिशत पद रिक्त हैं। अशैक्षिणक वर्ग के 63 स्वीकृत पद में से 25 पद रिक्त हैं। एमबीएम विश्वविद्यालय जोधपुर में स्वीकृत 200 शैक्षिणक पद में से 147 तथा अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत 307 पदों में से 256 पद रिक्त हैं। डॉ.भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर में स्वीकृत सभी 40 शैक्षिणक पद रिक्त हैं तथा 54 अशैक्षिणक स्वीकृत पद में से 53 पद रिक्त हैं। महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ गवर्नेंस और सोशल साइंसेज जयपुर में स्वीकृत शैक्षिणक 40 एवं अशैक्षिणक वर्ग के स्वीकृत सभी 6 पद रिक्त हैं। कार्य व्यवस्था के तहत काम चलाया जा रहा है। अलवर, भरतपुर, सीकर, बीकानेर में खोले गए कुछ वर्ष पूर्व के नए विश्वविद्यालयों एवं डॉ.भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर को तो बजट आवंटन ऊंट के मुंह में जीरे के समान रहा है।

प्रो. रमेश बैरवा
(प्रदेश संयोजक)
राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ-रुक्टा (डेमोक्रेटिक)

शोभायात्रा के साथ "जालोर महोत्सव" का आगाज

जालोर, (कासं)। पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन एवं जालोर विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसिय जालोर महोत्सव-2025 का आगाज शनिवार को शोभायात्रा के साथ हुआ। दिनभर सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। वहीं 16 फरवरी को रन फॉर जालोर दौड़ का आयोजन प्रातः 8.30 बजे किया जायेगा। रात्रि 8 बजे बॉलीवुड नाईट रॉक स्टार में स्वागत राठौड़ व पल्लवी दाभोलकर अपने सुरीले आवाज का जादू बिखरेंगे।

जालोर महोत्सव के शुंभारंभ पर जिला मुख्यालय पर पारम्परिक परिधानों में सुसज्जित पुरूष एवं रंग-बिरंगी पोशाकों में महिलाओं व बच्चों सहित बड़ी संख्या में शहरवासी शोभायात्रा में शरीक हुए। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव व जालोर विकास समिति के सचिव मोहन पाराशर ने हरी झण्डी दिखाकर हनुमानशाला से शोभायात्रा को रवाना कर महोत्सव का आगाज किया जो शाह पूंजाजी गेनाजी स्टेडियम प्रांगण में पहुंची। शोभायात्रा के पश्चात् जालोर महोत्सव का उद्घाटन समारोह राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जालोर विकास समिति के सचिव मोहन पाराशर ने स्वागत उद्बोधन एवं महोत्सव के आयोजन की रूपरेखा के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए जालोर महोत्सव के कार्यक्रमों उत्साहपूर्वक भाग लेने की बात कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि जालोर महोत्सव जालोर जिले के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक वैभव का प्रतीक है।

जालोर महोत्सव का शुभारम्भ मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ध्वजा लहराकर किया।

उन्होंने कहा कि जालोर जिले को पर्यटन एवं विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। जालोर की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक ख्याति देश-विदेश में बढ़े, इसके लिए उन्होंने वॉकल फॉर लोकल की तर्ज पर कार्य करने की बात कही। उन्होंने जालोर महोत्सव के माध्यम से जालोर के खेसला उद्योग, जूती उद्योग, ग्रेनाइट उद्योग सहित स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित किये जाने की बात कही। जालोर महोत्सव में राजीविका की ओर से राजसखी स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए गए। वहीं पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, भारतीय डाक विभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आयुर्वेद व जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा स्टॉल्स के माध्यम से विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही हैं। जालोर महोत्सव के उद्घाटन समारोह में भीनमाल निवासी इंजीनियर भरत वैष्णव ने ड्रोन के माध्यम से लडाकू विमानों की कलाबाजी दिखाई। वहीं गुलाल उडाकर महोत्सव रंगमयी बना दिया। इस अवसर पर जालोर महोत्सव की कोर कमेटी के पन्नालाल सोलंकी, नारायणलाल भट्ट व कानाराम परमार, जालोर महोत्सव के समन्वयक रतन सुथार, रवि सोलंकी, नितिन सोलंकी, सांस्कृतिक समन्वयक रितु टांक, महेश भट्ट गजेन्द्र सिंह सिसोदिया, हितेष प्रजापत सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों के समन्वयक सहित स्काउट, एनसीसी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जालोर महोत्सव के तहत स्टेडियम स्थित नटराज मंच पर सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आगाज कार्यक्रम समन्वयक रितु टांक के सानिध्य में हुआ। स्टेडिमय प्रागंण में बनाये गये अलग-अलग मैदानों पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ।

10 हजार पदोन्नत लेक्चरर की काउंसलिंग अटकी

बीकानेर, (निसं)। 5 हजार पदोन्नत प्रिंसिपल के बाद अब 10 हजार पदोन्नत लेक्चरर की ऑनलाइन काउंसलिंग बीच में ही अटक गई है। पूर्व में जारी टाइम शेड्यूल के मुताबिक पदोन्नत व्याख्याता को 12 फरवरी तक पदस्थापन दिया जाना था, लेकिन पिछले पांच दिनों से सर्वर डाउन होने के कारण काउंसलिंग की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है। हालांकि प्रिंसिपल की काउंसलिंग को शिक्षा विभाग ने स्थगित कर दिया है, लेकिन पदोन्नत लेक्चरर की काउंसलिंग को लेकर फिलहाल कोई दिशा निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। ऐसे में 10515 लेक्चरर असमंजस की स्थिति में हैं।

शिक्षकों का कहना है कि एक ओर शिक्षा विभाग सर्वर डाउन होने का तर्क दे रहा है, दूसरी ओर इसी शाला दर्पण पोर्टल पर आठवीं और पांचवीं बोर्ड परीक्षा के फॉर्म सहित अन्य सभी कार्य पूर्ण किए जा रहे हैं। दरअसल, पदोन्नत लेक्चर काउंसलिंग को तीसरी बार रोका गया है। वरिष्ठ अध्यापक से लेक्चरर पदों की डीपीसी पिछले साल 20 नवंबर को की गई थी, लेकिन अभी तक व्याख्याता को स्कूलों में नई जगह पोस्टिंग नहीं मिली है। काउंसलिंग की प्रक्रिया को बीच में रोकने का शिक्षा विभाग ने भी स्पष्ट कारण नहीं बताया है।

> ■ **पिछले पांच दिन से सर्वर डाउन होने के कारण काउंसलिंग की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है, 10515 लेक्चरर असमंजस में**

महेंद्र पांडे, मुख्य महामंत्री, राजस्थान प्राथमिक माध्यमिक शिक्षक संघ ने बताया कि ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया को शुरू कर चलती हुई काउंसलिंग का रुक जाना और काउंसलिंग रुकने का कारण नहीं बताना न्याय संगत नहीं है। शिक्षा विभाग को चाहिए कि यदि ऑनलाइन काउंसलिंग संभव नहीं हो रही है तो पदोन्नत शिक्षकों को ऑफलाइन काउंसलिंग के जरिए पदस्थापन दिया जाए।

मनीष कस्वां, प्रदेश महामंत्री, राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद का कहना है कि ऑनलाइन काउंसलिंग के अलावा अन्य सभी काम शाला दर्पण पोर्टल पर हो रहे हैं। शिक्षा विभाग सर्वर डाउन के नाम पर बेवजह काउंसलिंग प्रक्रिया को बार-बार स्थगित कर रहा है।

राशिफल रविवार 16 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, हस्त नक्षत्र रात्रि 4:31 तक, धृति योग प्रातः 8:06 तक, बव करण दिन 1:04 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:16 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 4:31 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:30 से 9:54 तक, लाभ-अमृत 9:54 से 12:41 तक, शुभ 2:05 से 3:28 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:07, सूर्यास्त 6:15

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कर्क
आज मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आज वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

तुला
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मकर
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना पड़ सकता है।

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

महिला के सिर से लेकर आधे धड़ तक रीढ़ की हड्डी काटकर निकाला ट्यूमर

सवाई मानसिंह अस्पताल के डॉक्टर्स ने ऑपरेशन करके बचाई महिला की जान

जयपुर। राजधानी जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल की न्यूरोसर्जरी टीम ने एक बड़ा और जटिल ऑपरेशन करते हुए महिला मरीज को नया जीवन दिया। इस ऑपरेशन में महिला के दिमाग के ब्रेन स्टेम से लेकर पीठ के नीचे के हिस्से तक बने ट्यूमर (इंट्रामेडुलरी) को निकाला गया है। ट्यूमर को निकालने के लिए रीड की हड्डी सिर से लेकर आधे धड़ तक एक भाग में पीछे से काटी गई, जो एक बड़ा चैलेंज था। फिर वापस जोड़कर 8 से 10 स्क्रू लगाए गए।

डॉक्टर्स का कहना है कि ऑपरेशन के बाद महिला रिकवर हो रही है, उसे आज हॉस्पिटल से छुट्टी दी गई है। डॉक्टरों का दावा है कि दुनिया में इससे पहले इतना बड़ा इंट्रामेडुलरी ट्यूमर (गांठ) कभी किसी मरीज के शरीर से नहीं निकाला गया है। इसे देखते हुए डॉक्टरों ने इस केस को इंटरनेशनल मेडिकल जनरल ऑफ न्यूरोसर्जरी में पब्लिश के लिए भेजा है।

डॉ. अचल शर्मा और डॉ. गौरव जैन ने बताया कि जयपुर की रहने वाली लवीना (30) के चारों हाथ-पैर के हल्के लकवे की शिकायत थी। कई बार चलते-चलते गिर जाती। पिछले 6 माह से ज्यादा परेशान थीं। जयपुर में कई बड़े हॉस्पिटल और डॉक्टरों को दिखाने के बाद जांच की तो पीठ के नीचे के हिस्से तक नस में

- **डॉक्टरों का दावा है कि दुनिया में इससे पहले इतना बड़ा इंट्रामेडुलरी ट्यूमर (गांठ) कभी किसी मरीज के शरीर से नहीं निकाला गया है। इसे देखते हुए डॉक्टरों ने इस केस को इंटरनेशनल मेडिकल जनरल ऑफ न्यूरोसर्जरी में पब्लिश के लिए भेजा है**

ट्यूमर (इंट्रामेडुलरी) का पता चला। डॉक्टरों ने इसका इलाज केवल ऑपरेशन बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के बाद पूरे शरीर में लकवा आने के 99 फीसदी चांस है।

मरीज के परिजनों ने बताया कि, जब जयपुर में कई प्राइवेट हॉस्पिटल में दिखाने के बाद दिल्ली गए तो वहां भी डॉक्टरों ने ऑपरेशन के बाद हाथ-पांव में लकवा आने की बात कही। इससे निराश होकर हम जयपुर लौटे और फिर एसएमएस हॉस्पिटल में डॉक्टर अचल शर्मा की ओपीडी में दिखाया। यहां जब जांचे करवाई तो एमआरआई में पता चला कि मरीज के ब्रेन के मेडयुला से लेकर रीड की हड्डी के भीतर मेरु (स्पाइनल कॉर्ड) में एक गांठ (ट्यूमर) आधे धड़ तक फैली हुई थी।

डॉ. गौरव जैन ने बताया- हमारी टीम ने मरीज को आश्वस्त किया कि जितना अच्छा हो सकेगा ऑपरेशन उतना अच्छा करेंगे। हमारे इस विश्वास दिलाने के बाद मरीज को 26 जनवरी को भर्ती किया। उसके बाद ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन में करीब 8-9 घंटे का समय लगा। ऑपरेशन के दौरान डॉ. मधुर, डॉ. हर्षिल, डॉ. सागर, डॉ. शोभा पुरोहित और एनिस्थिसिया से डॉ. नीलू शर्मा की पूरी टीम ने सहयोग दिया।

डॉक्टर जैन ने बताया कि अब तक की रिसर्च में हमें पता चला कि ये इंट्रामेडुलरी ट्यूमर अब तक सबसे बड़ा ट्यूमर है। इससे पहले जो ऑपरेशन करके इंट्रामेडुलरी ट्यूमर निकाला गया था वह ब्रेन स्टेम के मेडयूला भाग से 4 तक था। हमने जो ट्यूमर निकाला वह ब्रेन स्टेम के मेडयूला भाग से 5 तक फैला था।

इस ऑपरेशन में ट्यूमर को निकालने के लिए रीड की हड्डी सिर से लेकर आधे धड़ तक एक भाग में पीछे से काटी गई, जो एक बड़ा चैलेंज था। हड्डी काटने के बाद ट्यूमर निकाला और उसे वापस अपनी जगह पर जोड़ा गया। इस हड्डी को जोड़ने के लिए 8-10 स्क्रू लगाए गए है।

जयपुरिया इंस्टिट्यूट शीर्ष बिजनेस स्कूलों में शामिल

जयपुर। जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने एएसीएसबी प्रत्यायन प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इससे यह दुनिया के शीर्ष 6 और भारत के 1 प्रतिशत बिजनेस स्कूलों में शामिल हो गया है। एएसीएसबी (एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस), जिसकी स्थापना 1916 में हुई थी, व्यवसाय शिक्षा के लिए सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक प्रत्यायन निकाय है, जो पाठ्यक्रम, अनुसंधान और उद्योग प्रभाव में उत्कृष्टता को मान्यता देता है। इस कठिन और बहु-वर्षीय प्रक्रिया में किसी संस्थान की शैक्षिणक गुणवत्ता, नवाचार और विचार नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्धता को परखा जाता है। यह प्रत्यायन जयपुरिया की प्रतिष्ठा को वैश्विक शीर्ष बिजनेस स्कूलों में मजबूत करता है। अनुसंधान और उद्योग सहयोग को बढ़ावा देता है और छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसरों और उच्च वेतन के द्वार खोलता है। यह प्रत्यायन छात्रों के करियर संभावनाओं को वैश्विक स्तर पर मजबूत करेगा। एएसीएसबी कार्यकारी उपाध्यक्ष स्टेफ़नी ब्रायंट ने जयपुरिया की व्यवसाय शिक्षा में उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता की सराहना की। आपको बता दें जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट को एनआईआरएफ-2024 रैंकिंग में नोएडा ब्रांच (45), लखनऊ ब्रांच (72), जयपुर ब्रांच (75) और इंदौर ब्रांच को शीर्ष 125 में स्थान प्राप्त हुआ है।

पेड़ लगाएं, स्वच्छ और हरित ऊर्जा का उपयोग हो : हरिभाऊ बागड़े

राज्यपाल ने पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की शपथ दिलाई

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि जलवायु संकट के इस दौर में अधिकाधिक पेड़ लगाना हमारी प्राथमिकता बने। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण का मूल मंत्र यही है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए सोचें। उतनी ही ऊर्जा का उपयोग करें जिससे काम चल सकें। उन्होंने पेट्रोल और डीजल में इथेनॉल ऑयल का उपयोग कर उत्सर्जन और तेल आयात कम किए जाने के प्रयासों की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में राज्य और केंद्र सरकारों की अनुदान योजनाओं का अधिकाधिक प्रयास किया जाए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने संरक्षण क्षमता ''सक्षम'' 2025 के उदघाटन समारोह में संबोधित किया।

- **ऊर्जा संरक्षण किए सभी मिलकर प्रयास करें : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े**

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल एवं गैस कंपनियों द्वारा आयोजित संरक्षण क्षमता ''सक्षम'' 2025 के उदघाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान में कुएं, बावड़ियों और पेड़ लगाने की रही परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि धनी वही है जो अधिक से अधिक पेड़ लगाकर आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सौगात दे।

उन्होंने कहा कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद पेट्रोलियम उत्पादों का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन देश की बढ़ती हुई माँग को पूरा करने में असक्षम है। हम वर्तमान में कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 80 प्रतिशत से भी ज्यादा आयात करते हैं। इससे बड़ी मात्रा मे विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में ऊर्जा संरक्षण के साथ वैकल्पिक स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग हमारी प्राथमिकता बने।

राज्यपाल ने कहा कि सौर ऊर्जा मे राजस्थान प्रथम स्थान पर है और पवन ऊर्जा में तीसरे स्थान पर होने को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी को मिलकर ऊर्जा के निर्माण और कम से कम उपयोग कर राष्ट्र को तेल, गैस में आत्मनिर्भर किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने आरंभ में हरित और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर आलोक कुमार पंडा, संजय चौहान, के.पी. सतीश कुमार और नवीन गुप्ता ने ''सक्षम'' अभियान और देश में ऊर्जा संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

सीईटीपी की राशि नहीं देने पर संपत्ति कुर्क करने के दिए आदेश

जयपुर। जयपुर मेट्रो-द्वितीय की कॉमर्शियल कोर्ट-एक ने सांगानेर स्थित 848 रंगाई-छपाई इकाइयों से निकले अपशिष्ट के जल उपचार व प्रबंधन के लिए बनाए गए सीईटीपी की निर्माण राशि व इससे जुडी करीब 96 करोड रुपए की वसूली मामले में दावाकर्ता फर्म के पक्ष में निर्णय दिया है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि दावाकर्ता कंपनी राशि रिकवरी के लिए एसकेपीसीए यानि सांगानेर कपड़ा रंगाई छपाई एसोसिएशन के निदेशकों, पदाधिकारियों व सदस्यों के स्वामित्व वाली संपत्तियों व कपडा परिसरों को कुर्क करे और उनमें रखी गई चल-अचल संपत्ति को भी जब्त करें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अवार्ड धारक को देय राशि ऐसे यूनिट धारकों द्वारा तीन महीने में नहीं भुगतान की जाती है तो वे कुर्क किए गए परिसर व उनकी चल और अचल संपत्तियों को बोर्ड ऑफ कलेक्टर की मदद से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खुली नीलामी में बिक्री करेंगे। कोर्ट ने जिला कलेक्टर जयपुर को निर्देश दिया है, इसके अलावा जयपुर पुलिस कमिश्नर को भी निर्देश है कि वे आदेश की पालना के लिए मांगे जाने पर पुलिस सहायता मुहैया कराएंगे।

कंपनी ने जेडीए से आवंटित जमीन पर सीईपीटी प्लांट निर्माण के लिए एसोसिएशन से अनुबंध किया और 32.66 करोड रुपए की लागत से प्लांट भी बना दिया, लेकिन उन्हें इसकी राशि का भुगतान नहीं हुआ। इसे कंपनी ने चुनौती दी और उनके पक्ष में अवार्ड जारी हुआ, लेकिन इसके बाद भी देनदारों ने बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। जिस पर कंपनी की ओर से कोर्ट में आदेश की पालना करवाए जाने के लिए अवार्ड निष्पादन प्रार्थना पत्र दायर किया गया था।

मुकदमों में देरी पर चेयरमैन और रजिस्ट्रार तलब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों के मुकदमों के निस्तारण के लिए बने राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में मुकदमों की सुनवाई की लचर व्यवस्था को लेकर अधिकरण के चेयरमैन और रजिस्ट्रार को तलब किया है। अदालत ने चेयरमैन को कहा है कि वे 17 फरवरी को वीसी के जरिए अदालत में पेश हों और इस दौरान रजिस्ट्रार व्यक्तिशः हाजिर हो। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश मोहम्मद काशिफ की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता नवीन धुंआ ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का गत 15 जनवरी को तबादला किया था। करीब बीस दिन गुजरने के बाद अभी तक उस अपील का नंबर सुनवाई के लिए नहीं आया है। जिससे व्यथित होकर उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

अधिकरण में अपील दायर करने के कई दिनों बाद सुनवाई कर नंबर आता है। अधिकरण अपीलों की सुनवाई का काम 11 बजे से आरंभ करता हैं। वहीं भोजनावकाश के बाद अपीलों में किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की जाती। इस तरह की कार्यप्रणाली के चलते ही वहां प्रकरणों के निर्णय में देरी हो रही है। जिसके चलते वहां मुकदमों का ढेर लग गया है। ऐसे में अधिकरण के रजिस्ट्रार और चेयरमैन को बुलाना जरूरी है।

जेडीए जल्द लॉन्च करेगा तीन नई आवासीय योजना

जयपुर। राजधानी जयपुर में घर का सपना देख रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। जयपुर विकास प्राधिकरण जल्द ही तीन नई आवासीय योजना लॉन्च करेगा, इनमें लगभग 850 प्लॉट लॉटरी के जरिए आम जनता को दिए जाएंगे आयुक्त आनंदी ने बताया कि जोन-12 के मंशारामपुरा में करीब 80 हजार वर्गमीटर में आवासीय योजना लाने की तैयारी चल रही है। इस योजना में करीब 250 प्लॉट होंगे। ग्राम बैनाड़ दौलतपुरा में 1.89 लाख वर्ग मीटर एरिया में लगभग 350 प्लॉट की योजना की प्लानिंग अंतिम फेज में चल रही है। इस योजना में कॉमर्शियल दुकानें भी होंगी। इसके साथ ही जोन - 13 में बस्सी के करधनी में 250 से अधिक प्लॉट सृजित करने की तैयारी की जा रही है।

आयुक्त आनंदी का कहना है कि आम जनता को रियायती दर पर बिना विवाद प्लॉट देने की जयपुर विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी को हम निभा रहे हैं। इस जिम्मेदारी के तहत अब तक तीन योजनाओं को लॉन्च कर दिया गया है। जल्द ही यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के आदेश अनुसार और योजनाएं भी लाने की तैयारी है। जहां आम जनता को सही कीमत पर निर्विवाद प्लॉट उपलब्ध हो सकेंगे। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अब तक तीन आवासीय योजनाओं को लॉन्च किया जा चुका है। इनमें अटल विहार आवासीय योजना में 284, गोविंद विहार आवासीय योजना में 202 और पटेल नगर आवासीय योजना में 270 प्लॉट सृजित किए गए हैं। जिन्हें आम जनता को लॉटरी के माध्यम से आवंटित किया जा रहा है।

पुलिस के राजकॉप एप को लोगों ने किया डाउनलोड

जयपुर। प्रदेश की महिलाओं एवं आम नागरिकों को भय मुक्त वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस द्वारा डवलप किया गया राजकोप सिटीजन एप इन दिनों आम चर्चा में है। मात्र एक दिन में 21000 से अधिक लोगों ने ऐप डाउनलोड कर इतिहास रच दिया। अब तक 17.8 लाख से अधिक लोगों ने इस ऐप को डाउनलोड कर लिया है, जिसमें 9000 से ज्यादा शिकायतों को हैंडल किया जा चुका है।

स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आईजी शरत कविराज ने बताया कि जयपुर के त्रिवेणी नगर में 12 फरवरी की सुबह कोचिंग छात्रा से सरेराह एक युवक द्वारा छेड़छाड़ की घटना के बाद यह एप चर्चा में आया था। आहत छात्रा ने ऐप के ''मदद चाहिए'' फीचर पर जैसे ही मैसेज भेजा, उसके बाद मात्र 3 मिनट के अंदर पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी युवक को पकड़ गिरफ्तार कर लिया।

- **अब तक 17.8 लाख से अधिक ने किया है इस एप को डाऊनलोड, 9 हजार से ज्यादा शिकायतों को किया जा चुका है हैंडल**

आईजी कविराज ने बताया कि इस ऐप में आम नागरिकों एवं महिलाओं की सहूलियत के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है जो काफी आसान और मददगार है। इस ऐप के जरिए आने वाली शिकायतों के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कर उनके मुताबिक एनालिटिक्स विकसित किया जाएगा, जो आने वाले समय में अपराध नियंत्रण में मददगार साबित होगा।

मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे लोग, हॉस्पिटल में मरीज बढ़े

जयपुर। राजस्थान में इन दिनों मौसम बार-बार बदल रहा है, जिसके कारण आमजन की सेहत का मिजाज भी बिगड़ रहा है। दिन में तेज गर्मी और सुबह-शाम सर्दी के असर के चलते आमजन मौसमी बीमारियों की चपेट में आने शुरू हो गए। इसके कारण एसएमएस हॉस्पिटल समेत जयपुर के अन्य हॉस्पिटलों में मरीजों की भीड़ ओपीडी में बढ़ गई।

अकेले एसएमएस हॉस्पिटल की ओपीडी में इन दिनों हर रोज 10 हजार तक पहुंच गई है। एसएमएस हॉस्पिटल के अतिरिक्त अधीक्षक और श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत सिंह बताया- इन दिनों तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हो रहा है, जो औसत से भी 4-5 डिग्री सेल्सियस ऊपर है। जबकि सुबह-शाम की सर्दी तेज है।

- **एसएमएस हॉस्पिटल की ओपीडी में इन दिनों हर रोज 10 हजार तक पहुंच गई**

मौसम के इस उतार-चढ़ाव को लोग हल्के में ले रहे है, जिसके कारण वह बीमार हो रहे है।

डॉ. सिंह ने बताया कि आमतौर गले के इंफेक्शन और सांस के पेशेंट ज्यादा आ रहे हैं। ये आने वाले कुछ दिनों में और बढ़ने की आशंका है। क्योंकि 15 फरवरी के बाद से पोलन सीजन यानी पराग ऋतु शुरू हो जाएगी। पोलन की एलर्जी में नजले के केस के अलावा नाक, आंख के आसपास इंफेक्शन के केस शुरू हो जाएंगे। साथ ही जो पुराने अस्थमा मरीज है। उनमें दिक्कत और बढ़ सकती है।

डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि अभी सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़ों का उपयोग करना बंद न करें। दिन में भले ही लोग गर्म कपड़े न पहन रहे हो, लेकिन सुबह-शाम जरूर पहने। इसके अलावा अगले कुछ दिनों तक मास्क का सर्वाधिक उपयोग करें और हो सके तो ठंडे पदार्थ जैसे आइसक्रीम, ठंडा ज्यूस, शर्बत समेत अन्य चीजों के सेवन से भी बचे। एसएमएस हॉस्पिटल के अलावा पीएचसी-सीएचसी में जो मरीज आ रहे है उनमें गले में इंफेक्शन के अलावा बुखार के भी मरीज ज्यादा आ रहे है। डॉक्टर्स ने बताया कि इन दिनों अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन (यूआरआई) ज्यादा बढ़ने की आशंका है। क्योंकि गर्मी से सर्दी या सर्दी से गर्मी के मौसम में ये सबसे ज्यादा तेजी से एक्टिव होते है।

जहां व्यापार अच्छा होता है उस शहर का विकास होता है : सांसद मंजू शर्मा

सांसद मंजू शर्मा ने व्यापारिक संगठनों से व्यापार संबंधी समस्याओं और निराकरण पर की चर्चा

जयपुर। जयपुर व्यापार संघ के तत्वाधान में आज राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स भवन में व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सुनील सिंघी, अध्यक्ष राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड ,भारत सरकार व विशिष्ठ अतिथि के रूप में जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने भाग लिया।

- **केन्द्रीय बजट सभी के सुझावों को मानते हुए विकसित भारत की कल्पना को साकार करने वाला है, व्यापारियों को मिलेगा लाभ : सांसद मंजू शर्मा**

जयपुर व्यापर संघ के तत्वाधान में राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स भवन में व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि सुनील सिंघी, अध्यक्ष राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड, भारत सरकार व विशिष्ठ अतिथि के रूप में जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने भाग लिया।

सांसद मंजू शर्मा ने जयपुर शहर के व्यापारिक संगठनों से केन्द्रीय बजट पर व्यापारियों का पक्ष एवं राहत सहित व्यापार संबंधी विभिन्न समस्याओं और उनके निराकरण के संबंध में चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है और मजबूत हो रहा है। हमारा सौभाग्य है कि नरेन्द्र मोदी हमारे देश का प्रतिनिधित्व कर रहें है।

व्यापारियों से चर्चा करते हुए सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि जहां व्यापार अच्छा होता है उस शहर का विकास होता है, प्रदेश की प्रगति होती है और देश के विकास को गति मिलती है।

केन्द्र का बजट सभी के सुझावों को मानते हुए विकसित भारत की कल्पना को साकार करने वाला है जिसमें समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। 12 लाख तक की आय टैक्स फ्री करने से मध्यम वर्ग के हाथ में पैसा आएगा और उसके खर्च करने की शक्ति बढ़ेगी जिससे व्यापार बढेगा। पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं को दो करोड़ का टर्म लोन मिलने से महिलाओं को अवसर देने सहित युवाओं के लिए स्टार्ट अप, सूक्ष्म उद्योग, शहरी स्ट्रीट वेंडर्स, कुशल कामगारों को बढ़ावा देने का काम किया है।

'जनता ने भजनलाल शर्मा सरकार के विकास कार्यों पर लगाई मोहर'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान के पंचायती राज उपचुनावों में प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विकास की राजनीति पर मोहर लगाने का कार्य किया है। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति प्रदान की है। ऐसे में पहले विधानसभा उपचुनाव फिर अब पंचायती राज उप चुनावों में प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को आइना दिखाने के साथ भाजपा पर अपना पूर्ण विश्वास जताया है। इसके लिए प्रदेश की जनता का आभार और धन्यवाद।

- **पंचायत समिति सदस्य के उपचुनावों पर भाजपा ने 4 सीटों पर बनाई बढ़त, 16 में से 10 सीटों पर खिला कमल : मदन राठौड़**

पंचायत समिति सदस्यों के उपचुनाव में 16 सीटों पर हुए चुनावों में भाजपा ने 4 सीटों पर बढ़त बनाते हुए 10 सीट जीती है, वहीं जिला परिषद सदस्य उप चुनाव में भाजपा ने 1 सीट पर बढ़त बनाते हुए 3 में से 2 सीटें अपनी झोली में डाली। पंचायत समिति सदस्य की 16 सीटों में से भाजपा प्रत्याशी ने वैर, भीनमाल, चितलवाना, कैरू, मकराना, राजसमंद, लक्ष्मणगढ, धोद, अजीतगढ और बालोतरा सीट पर विजय प्राप्त की। इसमें से लक्ष्मणगढ़, धोद और भीनमाल सीट पर भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध जीत गए।उपचुनाव में 3 सीटों में से 2 सीट बीकानेर और चित्तौडगढ़ सीट पर भाजपा प्रत्याशी की विजय हुई। इसमें चित्तोडगढ़ से भाजपा प्रत्याशी ने सर्वाधिक 2 हजार से अधिक मतों के अंतराल से जीत दर्ज कराई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि सरकार ने अपने एक साल के कार्यकाल में जनता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए भाजपा के संकल्प पत्र के 50 फीसदी से अधिक वादों को पूरा करने का काम किया।

सार-समाचार

बच्चों ने पूजा कर लिया आशीर्वाद

जयपुर। योग वेदांत समिति के तत्वावधान में माता-पिता पूजन दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर संत आशारामजी पब्लिक स्कूल नर्सरी से 12वीं तक के बच्चों ने सिंधी कॉलोनी राजा पार्क स्थित सर्वानंद पार्क में भाग लिया और लघु नाटिका के माध्यम से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी और बच्चों ने माता-पिता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर संत आसाराम जी पब्लिक स्कूल गोनेर रोड लुनियावास के बच्चों ने माता-पिता पर लघु नाटिका व सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। नाटिका के माध्यम से बच्चों के द्वारा सोशल मीडिया के कुप्रभाव को भी दर्शाते हुए एक बहुत सुंदर प्रस्तुति देते हुए बताया गया कि किस तरह सोशल मीडिया के कारण माता-पिता व बच्चों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं किस तरह से सोशल मीडिया ने माता-पिता व बच्चों के बीच दूरियां बढ़ा दी हैं जिसका कु परिणाम आज की युवा पीढ़ी भुगत रही है। पूजन के समय सभी बच्चों और उनके माता-पिता दोनों की आंखें नम हुई।

मादक पदार्थ तस्कर को कारावास

जयपुर। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने अफीम तस्करी करने वाले अभियुक्त परमेन्द्र सिंह और श्याम सिंह को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी प्रदीप कुमार मोदी ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में मादक पदार्थो की तस्करी बढ़ती जा रही है। युवा नशे की चपेट में आकर अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। ऐसे में यदि अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख अपनाया गया तो इससे समाज में गलत संदेश जाएगा और अपराध को बढावा मिलेगा। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, अजमेर को 8 जुलाई, 2022 को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए ब्यूरो की टीम ने बस्सी थाना इलाके में निजी बस को रुकवाया और उसकी तलाशी ली। इस दौरान अभियुक्त परमेन्द्र सिंह के कब्जे से 8.2 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। इस पर ब्यूरो ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर पूछताछ की। जिसमें सामने आया कि मणिपुर निवासी श्याम सिंह ने उसे बाड़मेर में अफीम की डिलीवरी करने को कहा था। इस पर ब्यूरो ने श्याम सिंह को भी गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

'टूटी हुई सड़कें भी जल्द बनाएं'

जयपुर। नगर निगम हैरिटेज आयुक्त अरुण हसीजा ने शनिवार को नगर निगम हैरिटेजकी ओर से कराए जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने केंद्र सरकार की अमृत 2.0 योजना के तहत क्षेत्र में किए जा रहे सीवर लाइन कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों से वस्तुस्थिति के बारे में पूछा। इस दौरान आयुक्त अरुण हसीजा ने इंजिनियर विंग को सीवर लाइन डालने के कार्य में क्वालिटी और गुणवत्ता का पूर्ण ध्यान रखने के निर्देश दिए। साथ ही जिन इलाकों में सड़के खुदी हुई है, उन्हें जल्द बनाने के निर्देश दिए गए। जिससे कि आमजन को असुविधा नहीं हो। आयुक्त अरुण हसीजा ने ब्रह्मपुरी, किशनपोल, जयसिंहपुरा खोर, आमेर रोड पर चले रहे अमृत योजना के कार्य का निरीक्षण किया।रूबरू कराने के लिए माता-पिता का सामूहिक पूजन आदर सत्कार वआरती के साथ आशीर्वाद का कार्यक्रम रखा गया ।भाजपा नेता रवि नैयर व अन्य विशिष्ट अतिथि गणों ने बच्चों की प्रस्तुति भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा भारतीय संस्कृति को बचाने की पहल के लिए बच्चों को बहुत-बहुत साधुवाद दिया।

फागोत्सव मनाया

जयपुर। प्रेमभाया मंडल समिति द्वारा आयोजित विभिन्न देवालयों के

फागोत्सव के क्रम में आज सर्व प्रथम युगल कुटीर, जयलाल मुंशी का रास्ता चांदपोल बाजार में प्रेमभाया सरकार के फागोत्सव मनाया गया जिसमें प्रेमभाया सरकार के गुलालमय गजरों का श्रृंगार किया गया। गणेश वंदना दीपक शर्मा ने रिद्धि सिद्धि लेकर साथ गणपति बेग पधारो जी, दीन हीन और मलीन जनों के कारज सारो जी। राघव खण्डेलवाल ने ऐ श्याम फागुन आया, लाया संदेशा पवन, भुवन में रंग छाया।

एक बीघा जमीन पर बोये हुए 1.5 लाख अफीम के पौधे जब्त, दो गिरफ्तार

इन पौधों से 29 किलो अफीम का दूध एवं 212 किलो डोडा-पोस्त तैयार होना था

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के बिशनगढ़ पुलिस ने शनिवार को अवैध अफीम की खेती के करीब एक बीघा जमीन पर बोये हुए एक लाख पांच हजार अफीम के पौधे जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ नारकोटिक्स एवं नारकोटिक कन्ट्रोल ब्यूरो ने बताया कि इन पौधों से 29 किलो अफीम का दूध एवं 212 किलो डोडा-पोस्त तैयार होना था। अफीम के पौधों से प्राप्त होने वाले अफीम के दूध एवं डोडा-पोस्त की अनुमानित कीमत एक करोड़ सत्तर लाख सत्तर हजार रुपये आंकी गई है।

बिशनगढ़ पुलिस ने अफीम के पौधे जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- अफीम के पौधों से प्राप्त होने वाले अफीम के दूध एवं डोडा-पोस्त की अनुमानित कीमत एक करोड़ सत्तर लाख सत्तर हजार रुपये आंकी गई

महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार जोधपुर, रेंज जोधपुर के निर्देशानुसार रेंज में अवैध गतिविधियों मादक पदार्थ शराब तस्करी अवैध बजरी खनन माफियाओं वांछित अपराधियों के विरूद्ध भौकाल अभियान के तहत जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में बिशनगढ़ थानाधिकारी निम्बसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की ईत्तला पर कार्रवाई करते हुए सरहद ऐलाना (गोगामाड) में जगदीश उर्फ जगताराम व सकाराम द्वारा काश्तसुदा खेत में करीब 1 बीघा जमीन पर अवैध अफीम की खेती करते हुए पाये जाने पर अवैध अफीम के एक लाख पांच हजार हरे पौधे बरामद किये। जिनको 150 जूट की बोरियो में भरा जाकर वजन किया गया तो कुल वजन 3153 किलोग्राम जूट की बोरी सहित होना पाया गया। वहीं एनडीपीएस एक्ट में पंजिबद्ध कर अनुसंधान जारी है।

पुलिस ने जगदीश उर्फ जगताराम पुत्र छगनाराम लौहार निवासी काठाडी पीएस सिवाना जिला बालोतरा व सकाराम पुत्र रूपाराम भील निवासी भागवा पीएस सिवाना जिला बालोतरा को गिरपतार किया।

आरोपियों ने ये अफीम की खेती जिला चित्तौड़गढ़ के पास मंगलवाड गांव जाकर सिखना बताया तथा वहां जाकर किस तरह से खेती की देखभाल करते हैं उसकी पूरी जानकारी हासिल की गई। अभियुक्त उक्त अफीम के बीज गांव मंगलवाड़ा से करीब 3 माह पूर्व लेकर आया तथा उसके पश्चात यू-ट्यूब सोशल मीडिया पर खेती कैसे करते हैं के बारे में जानकारी प्राप्त की जाकर अपने खेत में अरण्डी की फसल के बीच में अफीम की खेती की गई। ताकि किसी व्यक्ति को इस फसल की भनक नहीं लगे। अभियुक्त द्वारा सरहद ऐलाना क्षेत्र में अफीम की खेती कर खेती से प्राप्त होने वाले अफीम का दूध एवं डोडा-पोस्त को आस पास के क्षेत्र में शादियों, समारोह, इत्यादि सभाओं में बेचना तथा उससे प्राप्त होने वाली आय से अन्य जगह पर जमीन खरीद कर अपने अफीम के व्यवसाय को मजबूत बनाना था।

सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ नारकोटिक्स एवं नारकोटिक कन्ट्रोल ब्यौरो के श्रेत्रीय डायरेक्ट से वार्ता करने पर उनके द्वारा बताया गया कि एक एकड़ जमीन में 90 हजार अफीम के पौधे बोने का प्रावधान है जिसमें से 25 किलोग्राम अफीम का दूध निकलता है तथा 182 किलोग्रम डोडा पोस्त निकलता है।

कैंपर से टकराई कार, चार घायल, हालत गंभीर

गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं को बीकानेर रेफर किया, प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर लौट रहे थे

बीकानेर, (निसं)। प्रयागराज महाकुंभ में पुण्य स्नान कर लौट रहे मंडी 465 आरडी के श्रद्धालु सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। रतनगढ़ के संकटमोचन बालाजी मंदिर के पास कार और कैंपर की आमने-सामने की टक्कर में नौ लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को रतनगढ़ और चूरू के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं को बीकानेर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, छत्तरगढ़ तहसील के मंडी 465 आरडी का एक परिवार प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर अपने घर लौट रहा था। रतनगढ़ से पलू होते हुए छत्तरगढ़ जाते समय संकटमोचन बालाजी मंदिर के पास उनकी कार सामने से आ रही कैंपर गाड़ी से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार सभी नौ लोग घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही रतनगढ़ थाने के एएसआई रामनिवास मौके पर पहुंचे। 108 एंबुलेंस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सरकारी अस्पताल रतनगढ़ ले जाया गया। घायलों में छत्तरगढ़ निवासी शेराराम (27) गंभीर घायल है। वहीं सोनू देवी (22), हनुमान (27), अखिलेश (4) की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। केशर देवी (65), लक्ष्मा (40), सोनी देवी (25) गाजसर, चूरू निवासी, मुकेश (35), राणाराम (49) को भी भर्ती करवाया गया है।

घायलों में शेराराम, अखिलेश, केशर देवी और लक्ष्मा की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बीकानेर स्थित पीबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों का इलाज रतनगढ़ के जालान अस्पताल में जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के तुरंत बाद कैंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन की पहचान कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

हाईकोर्ट ने 23 साल पुराने केस को खत्म किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस फरजंद अली ने करीब 23 साल से पेंडिंग आपराधिक केस को खत्म कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ कोर्ट आने वालों को ही नहीं, इससे सभी को राहत मिलेगी। जब कोई मामला न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग का प्रतीक बन जाए तो अदालत केवल उन अभियुक्तों को ही नहीं, बल्कि उन सभी को राहत देने के लिए सक्षम है, जिन पर मामला पेंडिंग है, भले ही उन्होंने अदालत का रुख न किया हो।

- हाईकोर्ट ने कहा-मुकदमे की लंबी अवधि जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन है

जानकारी के अनुसार साल 2001 में हनुमानगढ़ के भादरा संरक्षित वन क्षेत्र से बिना वन विभाग की अनुमति के पेड़ काटकर रोड बनाने का मामला दर्ज हुआ था। पेड़ों को काट सड़क बनाने पर ठेकेदार सहित 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। जज ने आदेश में लिखा कि इस मामले में मुकदमे की शुरुआत की बात तो दूर, अब तक बिना किसी प्रगति के आपराधिक शिकायत लंबे समय तक पेंडिंग रहना निश्चित रूप से अभियुक्त के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। राज्य सरकार ने अपने अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय का ध्यान क्यों नहीं रखा। अगर वन विभाग या राज्य के किसी भी अंग द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण के लिए पेड़ों को न काटने की सूचना दी गई होती तो स्थिति अलग हो सकती थी। इस मामले में दोषी कौन है, यह भी अभी तक पता नहीं चल पाया है, जबकि इस बात को 23 साल से अधिक समय बीत चुके हैं।

तीस अगस्त 2002 को क्षेत्रीय वन अधिकारी ने भादरा न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष 17 व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया कि अमर सिंह कैनाल से निकलने वाली और महाराणा गांव तक फैली महाराणा डिस्ट्रीब्यूटरी, संरक्षित वन क्षेत्र से होकर गुजरती है। जून 2001 में पीडब्ल्यूडी ने वन विभाग को सूचित किए बिना गांव जनाना से महाराणा तक सड़क बनाना तय किया। जुलाई-अगस्त 2001 के दौरान बिना वन विभाग से अनुमति लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा नियुक्त ठेकेदारों ने महाराणा डिस्ट्रीब्यूटरी के तटबंधों के किनारे पेड़ों को मजदूर लगाकर काट दिया, जो कि कानूनी रूप से संरक्षित थे। चूंकि पेड़ों को काटने का कोई प्रत्यक्ष गवाह नहीं था और न ही काटने या हटाने वालों की पहचान ही हो सकी, इसलिए वन विभाग ने मजदूरों, ठेकेदारों, पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को आरोपी मान कोर्ट में शिकायत दर्ज करा दी थी। 17 व्यक्तियों पर राजस्थान वन अधिनियम, 1953 और वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत अपराध करने का आरोप लगाया गया था। इस संबंध में कुल 17 व्यक्तियों में से सात की मौत हो चुकी है जबकि बाकी रहे व्यक्तियों में से हरियाणा के हिसार में सेक्टर 13 पी निवासी हरिसिंह पुत्र सूरजभान और बीकानेर त्यागी वाटिका निवासी अशोक कुमार खन्ना पुत्र एचएल खन्ना ने सीनियर वकील विनीत कुमार जैन और प्रवीण व्यास के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसमें हाईकोर्ट ने पाया कि इन मुकदमों में न तो सुनवाई की कोई सार्थक प्रगति हुई, न ही किसी आरोपी के खिलाफ ठोस साक्ष्य ही उपलब्ध थे।

न्यायालय ने कहा कि अभियुक्तों का 23 वर्षों तक मुकदमे का सामना करना, मानसिक प्रताड़ना झेलना और बिना किसी ठोस आधार के न्यायालय के चक्कर लगाना, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मुकदमे की लंबी अवधि और साक्ष्यों की अनुपलब्धता के कारण अभियुक्तों को दोषी ठहराने की कोई वास्तविक संभावना नहीं रह गई थी। तब कोर्ट ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूरे आपराधिक मामले को ही समाप्त कर दिया। इससे उन लोगों को भी राहत मिली है, जो अदालत तक पहुंचे ही नहीं थे।

शादी से लौट रहे युवकों को बाइक ने मारी टक्कर, एक की मौत

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के ढाणी भरगड़ान के पास देर रात को शादी से लौट रहे दो युवकों को बाइक ने टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर किया गया है।

- दूसरे घायल को गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया
- पोस्टमार्टम नहीं करने पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया

राजोता सरपंच गोपीराम व रामनिवास लादी ने बताया कि ढाणी लगरिया वाली तन चिरानी निवासी नवीन (13) पुत्र दीपक कुमार, निखिल (18) पुत्र धुडाराम रात को ढाणी भरगड़ान में शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। वापस आते समय वह सड़क किनारे पैदल चल रहे थे तो पिछे से आ रही बाइक ने उनको टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों युवक घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए 108 एंबुलेंस के पायलट सतीश मान व ईएमटी प्रकाश कुमार ने सिंघाना के राजकीय अस्पताल में पहुंचाया। हादसे में घायल नवीन कुमार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे घायल निखिल को पहले झुंझुनूं तथा बाद में जयपुर रैफर किया गया है।

मृतक नवीन कुमार अपने परिवार में इकलौता था, उसका पिता मजदूरी करता है। नवीन आठवीं कक्षा में झुंझुनूं स्थित देवनारायण योजना में पढ़ाई कर रहा था। वहीं हादसे में घायल सीकर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है तथा परिवार में शादी समारोह होने के कारण तीन दिन पहले ही सीकर से आया था। हादसे की सूचना पर खेतड़ीनगर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई। वहीं मृतक नवीन कुमार का परिजनों की मौजूदगी में राजकीय उप जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया। थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल ने बताया कि मामले की गहनता से जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय उप जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम को लेकर परिजनों को तीन घंटे इंतजार करना पड़ा। इस दौरान मृतक के परिजनों ने हंगामा कर दिया। रामनिवास लादी ने बताया कि रात को सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद सुबह परिजन व पुलिस अस्पताल में पहुंच गए थे। इस दौरान मेडिकल ज्यूरिस्ट 11 बजे तक ओपीडी देख रहे थे। इसके बाद वह कमरा बंद कर चले गए। जब परिजनों ने पोस्टमार्टम के लिए कहा तो डॉक्टर एक दूसरे पर पोस्टमार्टम करने की जिम्मेदारी डालते रहे। परिजनों के हंगामे के बाद पोस्टमार्टम किया गया। अस्पताल में आए मरीजों ने बताया कि अस्पताल में व्यवस्था सही नहीं होने से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में व्यवस्था सुधारने को लेकर ग्रामीणों की ओर से प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से गुहार भी लगा चुके हैं। अस्पताल में व्यवस्थाओं को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है।

देवर ने भाभी सहित युवक को गोली मारी

जुरहरा/डीग, (निसं)। जुरहरा थाना क्षेत्र के ग्राम बमनवाडी में देवर के द्वारा अपनी ही भाभी व एक अन्य युवक को गोली मार देने का मामला सामने आया है। गोली लगने से जहां युवक की मौत हो गई है। वहीं महिला की हालत गम्भीर होने के कारण जुरहरा के राजकीय किरोड़ीलाल स्वर्णकार अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल के लिए रैफर किया गया है। मृतक युवक के शव को शनिवार की सुबह जुरहरा थाना पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के लिए सुपुर्द कर दिया गया है। घटना के कारणों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है।

मृतक युवक के भाई गुलाबसिंह पुत्र मुख्तयार सिंह रायसिख निवासी ग्राम बमनवाडी थाना जुरहरा ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कराया है। थाने में दर्ज कराए गए मामले में गुलाबसिंह ने बताया है कि उसका भाई मंजीत सिंह गांव के ही सतपाल सिंह, गुरविंदर सिंह व गुरजीत सिंह के साथ शुक्रवार की रात्रि समय करीब सात बजे जंगल मे शौच करने के लिए गया था जहां अचानक पीछे से आए पूरन सिंह पुत्र दलीपसिंह रायसिख निवासी ग्राम बमनवाडी थाना जुरहरा ने मंजीत सिंह को गोली मार दी और इसके बाद पूरन सिंह ने अपने घर जाकर अपनी भाभी परमजीत कौर पत्नी जरनैल सिंह को भी गोली मार दी। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची जुरहरा थाना पुलिस ने दोनों घायलों को जुरहरा के राजकीय किरोड़ीलाल स्वर्णकार अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने मंजीत सिंह को मृत घोषित कर दिया वहीं परमजीत कौर की हालत गंभीर होने कारण उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। शनिवार की सुबह जुरहरा पुलिस की मौजूदगी में मृतक मंजीत सिंह के शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है।

अवैध पत्थर से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की

निवाई, (निसं)। उप वन संरक्षक मारिया साईनए के निर्देशन में वन विभाग के गश्ती दल ने गैर वानिकी कार्यों की रोकथाम के चलते एक अवैध चेजा पत्थर से भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी धारीलाल बैरवा के नेतृत्व में गश्ती दल प्रभारी मोहनलाल मीणा, वन रक्षक कमलेश मीणा, रिंकू चौधरी, धोली मीणा, बद्रीलाल मीणा, गोरीशंकर यादव व राजेशकुमार नायक ने वन क्षेत्र बस्सी नाका के अधीन से अवैध चैजा पत्थर से भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर संजय वन में खड़ा करवा दिया।

मंदिर में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने रोजड़ा गांव के मंदिर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नशा करने के लिए रूपए नहीं होने पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

थानाधिकारी गोपाललाल जांगिड़ ने बताया कि 13 फरवरी को रोजड़ा निवासी मोतीलाल ने रिपोर्ट दी कि वह गांव के ठाकुर जी मंदिर में पुजारी है। जब वह मंदिर में पूजा करने के लिए गया तो देखा कि मंदिर के गेट का ताला टूटा हुआ है। इस दौरान जब उन्होंने अंदर जाकर मंदिर में अष्ट धातु की मूर्ति, पीतल व कांसे के बर्तन गायब मिले। मंदिर में चोरी होने की सूचना पर सैकड़ों ग्रामीण एकत्रित हो गए तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी शरद चौधरी ने एक विशेष टीम का गठन कर चोरी की वारदात करने के आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस ने कुछ संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पुछताछ की तो सामने आया कि मंदिर में चोरी विजेंद्र उर्फ भोलाराम पुत्र ओमप्रकाश गुर्जर ने की है, जिस पर पुलिस ने गांव में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नशा करने का आदी है। उसने रुपए खत्म होने पर नशा करने के लिए चोरी की वारदात की। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मंदिर से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया। इस दौरान पुलिस टीम ने थानाधिकारी गोपाल लाल जांगिड़, एसआई बनवारीलाल यादव, एचसी दिनेश कुमार, कांस्टेबल राकेश कुमार मोडसरा आदि शामिल थे।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन जारी

शाहपुरा, (निसं)। जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर छिपा मुस्लिम समाज के सदस्य सदर हाजी शमसुद्दीन भाटी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण रैली निकालते हुए नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया और सरकार से शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग की। छिपा मुस्लिम समाज के लोगों ने उपखंड अधिकारी को राज्यपाल के नाम शाहपुरा जिला बहाल करने का ज्ञापन दिया।

गढ़ेपान सरकारी स्कूल के बच्चों की तबीयत बिगड़ी

कोटा, (निसं)। जिले के सीमलिया थाना इलाके के गढ़ेपान स्थित सरकारी स्कूल में कुछ छात्र-छात्राओं के बेहोश होने का मामला सामने आया है। उनके परिजनों का आरोप है कि पास स्थित सीएफसीएल फैक्ट्री से गैस रिसाव हुआ है, जिसके कारण स्टूडेंट बेहोश हुए हैं।

- परिजनों का आरोप है कि पास स्थित सीएफसीएल फैक्टरी से गैस रिसाव हुआ है, जिसके कारण स्टूडेंट बेहोश हुए हैं
- बेहोश बच्चों को सीएफसीएल के चिकित्सालय ले जाया गया जहां पर उन्हें उपचार दिया
- प्रारंभिक तौर पर प्रशासन के अधिकारियों ने गैस रिसाव की पुष्टि नहीं की है

घटना की सूचना पर जिला प्रशासन और पुलिस में हड़कंप मच गया। आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को भी बुलाया गया। बेहोश हुए बच्चों को सीएफसीएल के चिकित्सालय में ले जाया गया जहां पर उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। प्रारंभिक तौर पर अधिकारियों ने गैस रिसाव की पुष्टि नहीं की है। कोटा जिला कलेक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। मौके पर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम को बुलाया। टीम द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। मामले में जांच के बाद ही सामने आ पाएगा कि क्या घटनाक्रम रहा है। चिकित्सकों ने जानकारी दी है कि सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। मामले में कोटा ग्रामीण के एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि ग्रामीणों ने मौखिक रूप से गैस रिसाव की शिकायत की है। इस मामले पर मौके पर पहुंचे थे। कुछ बच्चों को इलाज के लिए कोटा भेजा। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। सीमलिया थाने के एएसआई शिवराज सिंह का कहना है कि 12 से 14 बच्चों और एक महिला को तकलीफ हुई थी, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया था जहां से 7 बच्चों को कोटा के जेके लोन और नए अस्पताल में भेजा गया है। एंबुलेंस से उन्हें रवाना कर दिया और जेके लॉन अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उनकी स्थिति सामान्य ही है। मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दिल्ली से ही कोटा के अधिकारियों को निर्देशित किया है। इसके बाद जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी, ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर, सीएमएचओ डॉ. नरेंद्र नागर, बीसीएमएचओ डॉ. राजेश सामर मौके पर पहुंचे। पूरे घटनाक्रम के संबंध में जानकारी ली है। घटना के कुछ देर बाद ही स्कूल में भारतीय जनता पार्टी के देहात जिला अध्यक्ष प्रेम गोचर भी पहुंचे।

मंदिर में हुई चोरी के विरोध में बाजार बंद रहे

चामुंडा माता मंदिर में हुई थी लाखों की चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के नगर पालिका हमीरगढ़ में चामुंडा माता मंदिर में हुई चोरी के विरोध में पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं होने पर शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट गया। इस दौरान लोगों ने व सर्व हिंदू समाज ने सड़क पर उतरकर बाजार बंद करवाए।

जानकारी के अनुसार 10 फरवरी की रात को अज्ञात चोरों द्वारा हमीरगढ़ की पहाड़ी पर स्थित आराध्य देवी चामुंडा माता मंदिर में लाखों के आभूषण एवं नगदी चोरी कर ले गए जिनका पिछले 5 दिनों से प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने पर हमीरगढ़ के सर्व समाज में रोष व्याप्त हो गया, जिसको लेकर सुबह सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सड़क पर उतरकर बाजार बंद करवा दिए। इससे पूर्व 11 फरवरी को उपखंड अधिकारी एवं जिला प्रशासन के समक्ष त्वरित कार्रवाई करने व कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी देने का ज्ञापन सौंपा गया था।

नाबालिग छात्रा हत्याकाण्ड : नामजद आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के लाम्बाहरिसिंह कस्बे से नो फरवरी की शाम घर से निकली नाबालिग स्कूली छात्रा प्रिया जांगिड़ का बारह फरवरी को संदिग्ध हालत में शव मिलने पर पिता की और से नामजद मामला दर्ज करवाने के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। इससे गुस्साये जांगिड़ समाज के सैंकडों महिला-पुरूषों ने शनिवार को सड़कों पर उतर जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे पर जाम लगा पुलिस व प्रशासन मुर्दाबाद क लगाये नारे। सीएम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

लाम्बाहरिसिंह में नाबालिग छात्रा की संदिग्ध मौत मामले में जांगिड़ समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया।

- जांगिड़ समाज के लोगों ने सड़क पर उतरकर स्टेट हाईवे जाम किया
- घटना के तीन दिन बाद भी नामजद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं से आक्रोश

शनिवार को छात्रा हत्याकाण्ड मामले को लेकर गांधी पार्क मे जांगिड़ समाज की बैठक आयोजित हुई। बड़ी संख्या मे मौजूद समाज के महिला-पुरूषों ने नाबालिग छात्रा व उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिये सडकों पर उतर प्रशासन पर दबाव बनाने का निर्णय लेकर गांधी पार्क से आक्रोश जताते हुये कोर्ट परिसर पहुंचे। शनिवार का कार्यालय अवकाश होने के चलते मौके पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिला तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साये लोगो ने तकरीबन आधा घंटे तक कोर्ट परिसर मे धरना दिया। ज्ञापन लेने के लिये किसी भी सक्षम अधिकारी के नहीं आने पर आक्रोशित लोगों ने जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया।

जाम की सूचना पर पहुंचे थानाधिकारी चेनाराम बेडा ने जाम लगा रहे जांगिड़ समाज के लोगों से जाम लगाने के निर्णय को राजकार्य मे बाधा बताते हुये मुकदमे दर्ज करने की चेतावनी दी तो लोगा का गुस्सा उग्र हो गया। लोगों ने जमकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। यहां तक की प्रदर्शनकारियों ने पुलिस व प्रशासन ने जानबूझकर नामजद आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने जैसे आरोप लगा मौके पर एसडीएम को बुलाने की मांग पर अड़ गये। थानाधिकारी की सूचना पर उपखण्ड अधिकारी अमित कुमार चौधरी मौके पर पहुंचे।

जांगिड़ महासभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण गोपाल, भाजपा पचेवर मंडल अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड़ सहित समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अवगत करवाया कि नाबालिग छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में डेठाणी निवासी काना उर्फ गणेश दोषी है। आरोपी लाम्बाहरिसिंह कस्बे मे रॉयल कैफे के नाम से दुकान चलाता है जो कि आये दिन छात्रा को प्रताड़ित कर मोबाइल पर धमकियां देता था। नौ फरवरी को नाबालिग छात्रा को बहला-फुसलाकर ले गया, जिसका तीन दिन बाद गांव के ही सार्वजनिक कुण्ड में शव मिलने पर पिता ने नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, लेकिन आज तक गिरफ्तारी नहीं हुई। मामले की सीबीआई जांच करवाने तथा जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर समाज उग्र आंदोलन करने के निर्णय से अवगत करवा प्रशासन को चेतावनी दी। शनिवार को मृतक छात्रा के घर पहुंचे थानाधिकारी राजकुमार ने बताया कि परिजनों की सूचना पर रिपोर्ट दर्ज कर विधि संगत कार्यवाही व मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जल्द मामले का होगा खुलासा।

ऑनलाइन गेमिंग से रुपए ठगने वाले चार गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग के जरिए लाखों रुपए की ठगी करने वाले चार शातिर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि यह गैंग चेन सिस्टम के जरिए काम कर लोगों को लालच में फंसा कर रुपए ठगती है। पुलिस पकड़े जाने से बचने के लिए दूसरों का बैंक अकाउंट व सिमकार्ड यूज करती है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रामनगरियान थाना पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग के जरिए लाखों रुपए की ठगी करने वाले आरोपी सिकंदर (28) निवासी जीणमाता सीकर, सुशील कुमार (24) निवासी कुमावतों का मोहल्ला बाजोर सीकर, कृष्ण कुमावत (22) निवासी उदयपुरवाटी झुंझुनूं और अनिल यादव (27) निवासी गोविन्दगढ़ जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जगतपुरा के शीशा जंक्शन के सामने बिल्डिंग में आरोपी सिकंदर फ्लैट लेकर रहता है। इसी फ्लैट से अपने साथियों के साथ मिलकर ऑनलाइन गेमिंग कर ठगी कारोबार करते हैं। इस पर एक पुलिस टीम बनाई गई। पुलिस टीम के फ्लैट पर दबिश देकर चारों संदिग्धों को पकड़ने पर ऑनलाइन गेमिंग कर ठगी गैंग चलने का पता चला। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

'वन विभाग संशोधित पीकेसी के कार्यों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है'

जल संसाधन विभाग और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय से परियोजना के कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाएगा : जल संसाधन मंत्री

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव व जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने संशोधित पीकेसी परियोजना के अंतर्गत वन विभाग से संबंधित कार्यों एवं समन्वय पर विस्तृत चर्चा की।

जयपुर । जल संसाधन विभाग कार्यालय, जयपुर में शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की उपस्थिति में संशोधित पीकेसी (ईआरसीपी) परियोजना के अंतर्गत वन विभाग से संबंधित कार्यों एवं समन्वय पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया, जिनमें वन विभाग के कार्य और उनके समन्वय की भूमिका अहम बताई गई। इस परियोजना के माध्यम से राज्य में जल प्रबंधन में सुधार लाने का लक्ष्य है और इसके लिए वन विभाग के सहयोग की आवश्यकता भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय इस परियोजना को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के कार्यों के लिए वन विभाग का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण होगा। वे हर कदम पर राज्य सरकार के साथ खड़े रहेंगे।

यादव ने कहा कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वन, पर्यावरण और वन्य जीव से संबंधित आवश्यक क्लीयरेंस समयबद्ध रूप से प्रदान की जाएंगी। इससे परियोजना तय समय सीमा में पूर्ण हो सकेगी।

बैठक में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका सहयोग इस परियोजना की सफलता में अहम भूमिका निभाएगा। जल संसाधन विभाग और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय से इस परियोजना के कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जा सकेगा, जिससे राज्य के जल संकट को सुलझाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, अभय कुमार सहित जल संसाधन विभाग और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सार-समाचार

मीट की अवैध सात दुकानें सीज की

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने शनिवार को मोती डूंगरी इलाके में बिना लाइसेंस और खुले में मीट बेचने पार सात दुकानों को सीज कर दिया। इस दौरान निगम दस्ते से अभद्रता और गाली गलौज करने पर निगम की ओर से लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया गया है। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.योगेश शर्मा ने बताया कि हेरिटेज निगम महापौर और आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर पशु प्रबंधन शाखा ने मोती डूंगरी इलाके में जीवा चौधरी की गली, हकीम की गली और कमेला की गली में मीट की दुकानों पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानदारों से लाइसेंस मांगने पर स्थानीय लोग निगम दस्ते से अभद्रता करने लगे और गाली गलौज करते हुए हाथापाई पर उतारू हो गए। ऐसे में सतर्कता शाखा के सहयोग से पशु प्रबंधन शाखा के दस्ते ने सात दुकानों को सीज कर दिया। चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेश शर्मा ने बताया कि स्थानीय लोगों से टीम ने समझाइश भी की, साथ ही बिना लाइसेंस दुकान चलाने और खुले में मीट नहीं बेचने का हवाला दिया, लेकिन दुकानदार उग्र होते गए और दस्ते के साथ अभद्रता करने लगे। इस पर उच्चाधिकारियों को स्थिति का अवगत कराया गया और निर्देश पर लालकोठी पुलिस थाने में राज कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया गया। पुलिस को मौके के वीडियो फुटेज भी उपलब्ध कराए गए है।

मुंबई से जयपुर आई महिला की चेन तोड़ी

जयपुर। राजधानी जयपुर के श्याम नगर इलाके में महिला के गले से सोने की चेन तोड़ने का मामला सामने आया है। महिला अपनी सहेली से मिलने मुंबई से जयपुर आई थी। पावर बाइक पर हेलमेट लगाकर आए बदमाशों ने चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया। श्याम नगर थाना पुलिस फुटेज के आधार पर बाइक सवार चेन स्नेचरों की तलाश कर रही है।पुलिस ने बताया कि चेन स्नेचिंग की वारदात मुंबई की रहने वाली संध्या झंवर के साथ हुई। वह अपनी सहेली से मिलने के लिए मुंबई से जयपुर के श्याम नगर में रहने वाली सहेली सुमन मित्तल के यहां आई हुई थी। गुरुवार दोपहर को दोनों सहेलियां घर से कूरियर करवाने के लिए निकली थीं। पार्थ कॉलोनी से जाते समय पावर बाइक पर हेलमेल लगाए दो बदमाश आए। बाइक को आगे लगाकर पीछे बैठे बदमाश ने संध्या के गले पर झपट्टा मारकर गोल्ड चेन तोड़ ली। बदमाश से संघर्ष के चलते आधी चेन उनके हाथ में रह गई। बदमाश गोल्ड की आधी चेन और डायमंड लॉकेट ले गया। चिल्लाते हुए शोर मचाकर पीछा करने पर दोनों बदमाश बाइक से तेजी से फरार हो गए। चेन स्नेचिंग की सूचना पर श्याम नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वारदातस्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में बाइक सवार लुटेरों की करतूत कैद हो गई। पुलिस फुटेज के आधार पर दोनों बदमाशों को ढूंढ रही है।

नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को सुबह नौ से ग्यारह बजे तक नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। विश्व कल्याण की कामना के साथ यज्ञ देवता को आहुतियां प्रदान की जाएंगी। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में होने महायज्ञ को गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के विद्वानों की टोली संपन्न कराएंगी। ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि गायत्री महायज्ञ में कोई भी शामिल हो सकता है। गोविंद देवजी, वेदमाता गायत्री और गुरू सत्ता का सोडशोपचार पूजन कर अग्नि प्रज्जवलन कर यज्ञ देवता को आहुतियां प्रदान की जाएंगी। इस मौके पर प्रेरणादायी पुस्तकों की स्टॉल भी लगाई जाएगी। यहां लागत दर पर पुस्तकें उपलब्ध रहेगी। इस बार का यज्ञ विशेष रहेगा। कई गर्भवती महिलाएं भी यज्ञ में शामिल होंगी। उनके गर्भस्थ शिशु के सर्वांगीण विकास के लिए विशिष्ट मंत्रों से खीर से विशेष आहुतियां प्रदान की जाएंगी। तीन से पांच माह की गर्भवती महिलाएं यज्ञ में शामिल हो सकती है। उनका गर्भोत्सव संस्कार कराया जाएगा। यह पूरी तरह निःशुल्क होगा। इस मौके पर आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी अभियान की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसमें बताया जाएगा कि यदि मां चाहे तो मनचाही संतान पैदा कर सकती है।

वाहन चुराने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशे का सामान खरीदने के लिए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो बदमाशों को पकड़ा है और उनके पास से चोरी के छह दुपहिया वाहन भी जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि सांगानेर सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशे का सामान खरीदने के लिए दुपहिया वाहन चुराने वाले रोहिताश निवासी अलवर हाल वाटिका रोड सांगानेर जयपुर और देवेन्द्र नायक निवासी चाकसू जयपुर हाल सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से पुलिस ने जयपुर शहर के सांगानेर सदर, प्रताप नगर, मालवीय नगर और सांगानेर से चुराए गए छह दुपहिया वाहन भी जब्त किए गए है।जिन्हे सीतापुरा रीको पुलिस के नीचे चोरी की स्कूटी को बेचने के फिराक में घूमते हुए पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपी चोरी किए गए दुपहिया वाहनों को दूसरे शहर में जाकर बेचने का प्लान बना कर चुराया है। जिन्हे चुरा कर वह सचिवालय नगर सीतापुरा में स्थित एक खाली प्लाट में छुपा कर रखते थे। आरोपित नशा करने के आदि है और नशा करने लिए वाहन चुराते है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में 23 फरवरी तक किए जा सकेंगे आवेदन

जयपुर। प्रदेश के छात्र-छात्राओं की मांग पर विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग की तिथि एक बार फिर बढ़ाई है। अब आवेदक 23 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी निःशुल्क कोचिंग करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि 23 फरवरी, 2025 तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थियों से वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की तिथि पूर्व में विभाग द्वारा 15 फरवरी निर्धारित की गई थी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन एसएसओ पोर्टल के द्वारा लॉगिन कर सीएम अनुप्रति कोचिंग योजना के आइकन के माध्यम से सीधे ही अथवा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर एसजेएमएस ऐप पर जाकर सीएम अनुप्रति कोचिंग योजना के विकल्प का चयन कर 23 फरवरी 2025 तक विभाग को ऑनलाइन भर सकते हैं।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले गिरोह के एक शातिर वाहन चोर को पकडा है और उसके पास से दो चोरी के दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी संग्राम सिंह ने बताया कि दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर करण सिंह मीणा निवासी बालाघाट जिला करौली को गिरफ्तार कर उसके पास से दो चोरी के वाहन भी जब्त किए गए है।

आईफा के आयोजन से प्रदेश में पर्यटन के नये आयाम खुलेगें : दिया कुमारी

जयपुर । आईफा अवार्ड- 2025 के आयोजन से प्रदेश के पर्यटन की नई पहचान स्थापित होगी। प्रदेश में नये पर्यटन स्थलों को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी। पारम्परिक क्षेत्रों के साथ नये क्षेत्रों में भी पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नये अवसर सृजित होगे ओर सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी।

यह बात शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाईन्स स्थित कार्यालय पर पत्रकारों के लिए आयोजित स्नेह भोज में कही। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आईफा की तरह बड़े आयोजन प्रदेश में आयोजित करवायें जायेगें ताकी प्रदेश के पर्यटन में बढोत्तरी हो और प्रदेश को अधिक से अधिक राजस्व प्राप्त हों। इस दौरान उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और सोशल मिडिया प्लेटफार्म्स से जुड़े पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा की सरकार की योजनाओं की जानकारी आम जनता तक सही तरीके से पहुचाने में मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बजट सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और उनके सुझाव लिए। उन्होंने पत्रकारों की समस्यायें भी सुनी और उनके सकारात्मक समाधान का आश्वासन भी दिया।

> ■ 'हर वर्ष आईफा की तरह बड़े आयोजन प्रदेश में करवायें जायेगें ताकी प्रदेश के पर्यटन में बढोत्तरी हो'

अपहरण कर लूटने वाले गिरोह की एक महिला सहित पांच बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपने गिरोह के मोबाइल नम्बर फीड कर आमजन को अपने चूंगल मे फंसाकर अपहरण व डरा धमका कर लूटपाट करने वाली गिरोह के एक महिला सहित पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में एक होटल का संचालक भी शामिल है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि पुरा विद्याधर नगर थाना पुलिस ने ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपने गिरोह के मोबाइल नम्बर फीड कर आमजन को अपने जंगल मे फंसाकर अपहरण एव डरा धमका कर लूटपाट करने वाले 23 वर्षीय कलीमुनिशा उर्फ निशा पुत्री अकबर मुल्ला निवासी बलरामपुर शहर यूपी, 32 वर्षीय संदीप कुमार पुत्र शेर सिंह निवासी नारखेडा खैरथल तिजारा, 24 वर्षीय साहिल कुमार शर्मा पुत्र नवनीत कुमार शर्मा निवासी खैरथल, 27 वर्षीय अनूप यादव पुत्र अशोक कुमार निवासी आनंदपुर कोटपूतली, 21 वर्षीय ललित यादव पुत्र धनपत सिंह निवासी कालू का खैरथल तिजारा और 25 वर्षीय राहुल चौधरी पुत्र बाबूलाल जाट निवासी गौतम पथ रामनगर सोडाला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच पड़ताल में सामने आया है कि अपहरण एव लूट की वारदात को अंजाम देकर आरोपी मोबाइल से साक्ष्य डिलीट कर फरार हो जाते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी किसी को डराने-धमकाने के लिए एक महिला का उपयोग करते थे। इस गिरोह की मदद करने वाले एक होटल संचालक को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों को दो सौ फीट बाइपास स्थित होटल ब्लैक रॉक से गिरफ्तार किया है। आरोपी पीडित से यूपीआई स्कैन सिस्टम से रुपए लेते थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि आठ फरवरी को विद्याधरनगर जयपुर निवासी पीडित ने मामला दर्ज करवाया की सात फरवरी को एक बजे वह मोबाइल पर गुगल एप्पस पर शादी के लिए लड़की सर्च कर रहा था। इसी दौरान उसे एक विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन पर क्लिक करते ही उसके वाट्सअप पर एक कॉल आया। उसने कॉल पर बातचीत शुरू कर दी। आरोपी ने उसे एक लोकेशन भेज कर मिलने बुलाया।

वह उबर लेकर मोबाइल धारक की भेजी लोकेशन पर पहुंचा। विवेक विहार मेट्रो स्टेशन पर उसे एक सफेद वैगनआर दिखाई दी। गाड़ी में से चालक सहित चार लोग बैठे थे।

दो महिलाओं का पर्स छीना

जयपुर। शहर में बाइकर्स गैंग ने दो महिलाओं का पर्स छीनकर ले गए। पर्स में नकदी व अन्य सामान रखा था। कृष्णा विहार निवासी महिपाल सिंह ने करधनी थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसकी पत्नी बाजार जा रही थी इसी दौरान पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और महिला के हाथ से बैग छीनकर ले गए। बैग में उसका पर्स रखा था। पर्स में 25700 रुपए सहित अन्य सामान रखा था। घटना 12 फरवरी की शाम करीब पौने पांच बजे की है। घटना के बाद पीड़िता घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। इस पर महिला ने पति ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वहीं रंगोली गार्डन निवासी अनुजा यादव ने वैशाली नगर थाने में मामला दर्ज करवाया।

जनभागीदारी से बदलेगी राजस्थान में स्वच्छता की सूरत : राजेश यादव

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की नई टूलकिट की विस्तृत जानकारी के लिए कार्यशाला आयोजित।

> ■ स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की नई टूलकिट एवं फिल्ड असेसमेंन्ट की तैयारियों को लेकर कार्यशाला का आयोजन

जयपुर । स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की नई टूलकिट की विस्तृत जानकारी एवं 15 फरवरी, 2025 से प्रारंभ होने वाले फिल्ड असेसमेंट की तैयारियों के संबंध में इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्था, जयपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य की समस्त नगरीय निकायों में कार्यरत स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित नोडल अधिकारी प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला में आए।

स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। यादव ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के साथ सफाई की समस्या भी बढ़ी है। उन्होनें कहा कि आमजन को इस कारण कोई समस्या न हो तथा उन्हें स्वच्छ वातावरण मिलें इसके लिए हम कटिबद्ध है। उन्होनें अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्वच्छ भारत मिशन के एफएसटीपी, सीवरेज सिस्टम, ग्रीन स्पेस सहित अन्य संकेतकों पर विशेष ध्यान दें, जिससे की राजस्थान की रैंकिंग बेहतर बन सके। आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ ही इस अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अपने-अपने निकायों में गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना भी लगायें। इस अवसर पर उन्होनें नोखा, नाथद्वारा सहित अन्य निकायों की भी स्वच्छ भारत मिशन के तहत किये गये कार्यो की तारीफ की। यादव ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन को हमें साथ मिलकर एक नई ऊँचाई पर ले जाना है। जितना स्वच्छ भारत मिशन सफल होगा उतना ही हमारे राजस्थान का नाम देश में चमकेगा।

राजेश यादव ने बताया कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 17 जनवरी, 2025 को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की नई टूलकिट जारी की गई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए पूर्व में कुल 9500 अंक निर्धारित किये गये थे जिन्हें अब बढ़ाकर 12500 अंक कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त नगरीय निकाय क्षेत्र की जनसंख्या अनुसार मापदण्डों का निर्धारण तथा "सुपर स्वच्छ लीग, सीटीयू रूपान्तरण, विद्यालयों का असेसमेंट जैसे बिन्दुओं को भी असेसमेंट में सम्मिलित किया गया है। नये टूलकिट के अनुसार असेसमेंट के दौरान स्वच्छतम पोर्टल पर किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर पाये जाने की स्थिति में नेगेटिव मार्किंग भी की जायेगी।

निदेशक एवं विशिष्ट सचिव इन्द्रजीत सिंह ने नगरीय निकायों को सफाई व्यवस्था के स्तर में व्यापक सुधार करने के निर्देश दिये। उन्होनें कहा कि सभी नगरीय निकायों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में बेहतर रैंकिंग के लिए सफाई व्यवस्था का प्रभावी प्लान बनाना होगा।

आरोपियों की तलाश में जुटी पांच टीमें

> ■ झोटवाड़ा थाना इलाके में एयरटेल पेमेंट बैंक के कैश कलेक्शन एजेंट से पांच लाख रुपए लूट के मामला

जयपुर। झोटवाड़ा थाना इलाके में एयरटेल पेमेंट बैंक के कैश कलेक्शन एजेंट से पांच लाख रुपए लूट के मामले में बदमाशों को पकड़ने के लिए पांच टीमों का गठन किया है।

टीमें शहर के विभिन्न हिस्सों को खंगालने के साथ सीसीटीवी फुटेज देख रही है। फिलहाल बदमाशों को लेकर कोई सुराग नहीं लग पाया है। थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि एजेंट से पांच लाख लूट के मामले में टीमों का गठन कर बदमाशों की तलाश की जा रही है। गौरतलब है कि शुक्रवार को कार सवार 4 से 5 बदमाशों ने एयरटेल पेमेंट बैंक के कैश कलेक्शन एजेंट से लूट की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी 20 सेकेंड में 5 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए।

इस घटना का शनिवार को वीडियो सामने आया है। इसमें सभी बदमाशों ने कपड़े से चेहरा छुपा रखा है। बदमाश डंडे से पीटकर बैग छीनते दिख रहे हैं। पीड़ित ने बताया कि बदमाशों ने उस पर पिस्तौल भी तान दी थी। पुलिस अब सीसीटीवी के आधार पर वारदात करने वालों की पहचान करने में जुटी है। लूट की वारदात विद्याधर नगर के ढेहर का बालाजी निवासी पीयूष अग्रवाल (45) के साथ हुई। वह एयरटेल पेमेंट बैंक में कैश कलेक्शन एजेंट है। 10 जनवरी से ही पीयूष ने कैश कलेक्शन का काम शुरू किया था।

रोज की तरह शुक्रवार की सुबह पीयूष कमानी चौराहा स्थित फ्लिपकार्ट कंपनी के ऑफिस से कैश कलेक्शन के लिए गया था। कैश लेकर निकलते समय उनके बैग में 5 लाख रुपए रखे थे। हेलमेट लगाकर बाइक पर बैठते समय ही पीछे से स्विफ्ट कार आई। कार से चार-पांच नकाबपोश बदमाशों ने उतरकर उसे पकड़ लिया। एक बदमाश ने जेब से पिस्तौल निकालकर पीयूष पर तान दी। हाथ में डंडा लेकर आया बदमाश बैग छीनने लगा।

महाकुंभ में युवा भारत धर्म से जुड़ गया : सुधांशु जी महाराज

जयपुर। विश्व जागृति मिशन के संस्थापक और देश के जाने माने अध्यात्मवेत्ता आचार्य सुधांशु जी महाराज ने 144 साल बाद आए महाकुंभ के अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के तीर्थराज प्रयाग में आयोजित यह दिव्य एवं भव्य आध्यात्मिक समागम है।

उन्होंने सबको महाकुंभ की बधाई देते हुए कहा कि आज हमारे देश का युवा अपने सनातन धर्म से जुड़ते दिखाई दे रहा है। महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक लोगों ने गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी में स्नान, जप एवं पूजन करते हुए पुण्य कमाया है, लेकिन इसमें विशेष बात यह है कि 50 करोड़ में से आधे लोग 17 से 35 वर्ष आयु के युवा हैं। आचार्य सुधांशु जी महाराज ने कहा कि गंगा भक्ति, यमुना कर्म और सरस्वती ज्ञान की प्रतीक हैं और उन्होंने कहा कि वेदों में ज्ञान, कर्म और उपासना को तीन विभाग माना गया है। पूज्य गुरुदेव ने गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम के बारे में विस्तार से बताया और महाकुंभ में करोड़ों लोगों की आस्था और भागीदारी को सनातन धर्म में जागृति की संज्ञा दी। आचार्य ने कहा कि यज्ञ, दान और तप धर्म के तीन स्तम्भ है। यज्ञ को श्रेष्ठ कर्म बताते हुए उन्होंने कहा कि परोपकार और मानव कल्याण के लिए तथा दूसरों के उत्थान के लिए जो कार्य किए जाते हैं, वे श्रेष्ठ यज्ञ हैं। हम जैसा व्यवहार ख़ुद के लिए चाहते हैं वैसा दूसरों के साथ करेंगे यही धर्म है। जब व्यक्ति में यह भावना जागृत होती है कि मैं देने वाला बन जाऊँ तो दान पुण्य की यह भावना परलोक तक साथ चलने वाली करेंसी में बदल जाती है। पूज्य महाराजश्री ने कहा कि देश भक्ति और श्रद्धा की भावना जीवन को दांव पर लगाने पर मजबूर कर देती है।

बॉक्सिंग को मैंने नहीं, बॉक्सिंग ने मुझे चुना : विजेन्द्र सिंह

बॉक्सर विजेंद्र सिंह

> ■ तीन दिवसीय स्पोर्ट्स फेस्ट के पहले दिन प्रदेशभर के 40 कॉलेज से स्टूडेंट्स ने की शिरकत।

जयपुर। बॉक्सिंग को मैंने नहीं, बॉक्सिंग ने मुझे चुना ये कहना है ओलम्पिक में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए देश को बॉक्सिंग में पहली बार पदक दिलाने वाले बॉक्सर विजेन्द्र सिंह का। वे शनिवार को स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसकेआईटी) के पच्चीसवें वार्षिकोत्सव समारोह 'प्रवाह 2025 - अतुल्य भारत' में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए थे।

इस अवसर पर विजेंद्र सिंह ने संबोधित करते हुए अपने संघर्ष की कहानी बयां की और बताया कि कैसे एक छोटे से गांव से निकलकर ओलम्पिक तक का सफर तय किया। जयपुर से विशेष प्रेम एवं लगाव की बात कहते हुए उन्होंने बताया कि 2004-05 के दौरान जयपुर रेलवे में ही टिकट कलेक्टर के रूप में पहली नौकरी की थी, इसके बाद ही एक विजन देखा और उसे साकार किया। उन्होंने कहा कि बॉक्सिंग सेटअप की शुरुआत भी जयपुर से ही करूंगा। आयोजन के दौरान प्रेम लोछब (आईआरएसईई अधिकारी) अध्यक्षीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई, इसके बाद तीन दिवसीय इंटर-कॉलेज स्पोर्ट्स फेस्ट 'आवेग-2025' का शुभारंभ हुआ। समारोह में कॉलेज के चेयरमैन सूरजाराम मील, वाइस चेयरमैन अनिल बाफना, डायरेक्टर जयपाल मील, डायरेक्टर अकादमिक प्रो. एस.एल. सुराना, रजिस्ट्रार रचना मील और डीन प्रो. आर.के. जैन समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे एवं उन्होंने अतिथियों का स्वागत किया।

ओलम्पिक पदक विजेता विजेन्द्र सिंह ने स्टूडेंट्स को मोटिवेट करते हुए कहा कि कभी भी निराश ना हो, शुरूआत कहीं से भी की जा सकती है। बूरा वक्त भी ऐसे ही निकल जाएगा, जीवन को एंजॉय कीजिए। उन्होंने कहा कि अगर आप किसी को देखते हैं एवं वैसा ही बनना चाहते हैं, तो कहीं ना कहीं मोटिवेशन मिल ही जाता है। उन्होनें पहले हॉकी फिर एथलेटिक्स से शुरूआत करने पर आने वाली आर्थिक समस्याओं का किस्सा सुनाया, फिर बॉक्सिंग का रूख किया। उन्होंने अपने कॅरिअर में विभिन्न ओलम्पिक के दौरान के किस्से, बॉलीवुड में काम समेत अन्य वाक्ये सांझा करते हुए स्टूडेंट्स को मोटिव किया।

40 से अधिक कॉलेज ने की शिरकत : स्पोर्ट्स फेस्ट में पूरे राज्य के 40 से अधिक कॉलेजों के छात्र शामिल हुए। स्टूडेंट्स में खेल का जोश और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला। फेस्ट के पहले दिन बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, रस्साकशी, कबड्डी, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और फुटबॉल सहित कई खेल स्पर्धाएँ आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने बढचढ कर हिस्सा लिया।

World Whale Day

Giants of the ocean are celebrated on World Whale Day, which aims to raise awareness of these magnificent creatures, their beauty as well as their ecological value to the planet. The annual day, World Whale Day, was founded in Maui, Hawaii in 1980 to honour humpback whales, which swim off the coast of this tropical island. This day was started as an idea by Greg Kauffman, founder of the Pacific Whale Foundation, to raise awareness about the threat of extinction faced by humpback whales.

#TRENDS & GADGETS

Health Monitor

Wear & Forget It

Improving long-term biocompatibility and the long-lasting accuracy of wearable bioelectronics.

An ultra-soft 'skin-like' material, that's both breathable and stretchable, could be used in the development of an on-skin, wearable bioelectronic device for health monitoring. Cancer, diabetes, and heart disease are among the leading causes of disability and death in the United States. A long-term, in-home health monitoring solution could detect these chronic diseases early and lead to timely interventions.

The new material could pave way for devices that track multiple vital signs such as blood pressure, electrical heart activity, and skin hydration.

"Our overall goal is to help improve the long-term biocompatibility and the long-lasting accuracy of wearable bioelectronics through the innovation of this fundamental porous material, which has many novel properties," says Zheng Yan, an assistant professor in the Chemical and Biomedical Engineering department and the Mechanical and Aerospace Engineering department at the University of Missouri.

Made from a liquid-metal elastomer composite, the material's key feature is its skin-like soft properties.

"It is ultra-soft and ultra-stretchable, so, when the device is worn on the human body, it will be mechanically imperceptible to the user," Yan says. "You cannot feel it, and you will likely forget about it. This is because people can feel about 20 kilopascals or more of pressure when something is stretched on their skin, and this material creates less pressure than that."

Its integrated antibacterial and antiviral properties can also help prevent harmful pathogens from forming on the surface of the skin underneath the device during extended use. "We call it a mechanical and electrical decoupling, so, when the material is stretched, there is only a small change in the electrical performance during human motion, and the device can still record high-quality biological signals from the human body," Yan says.

While other researchers have worked on similar designs for liquid-metal elastomer composites, Yan says that the University of Missouri team has a novel approach because the breathable 'porous' material they developed can prevent the liquid metal from leaking out when the material is stretched as the human body moves. The work builds on the team's existing proof of concept, as demonstrated by their previous work including a heart monitor currently under development. In the future, Yan hopes that the biological data gathered by the device could be wirelessly transmitted to smartphone or similar electronics, for future sharing with medical professionals.

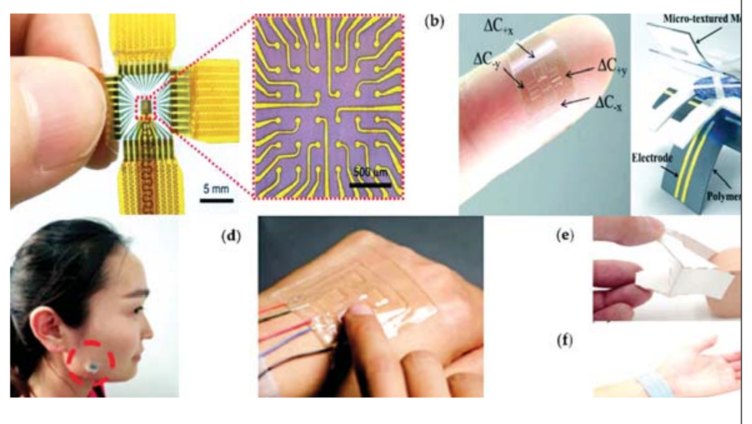

AYENA: AN ACID TEST WITH A DIFFERENCE

Ayena is not a disappointing, frustrating story of five young women's lives, having been struck as if, with a bomb, which could have turned them into young women weeping in frustrating self-pity. It is a story of hope and optimism where these girls, taken care of by a NGO looking after acid attack victims, are given a meaning to begin life again. Ritu, without going in for plastic surgery, wears her terribly distorted face without either shame or embarrassment, and has also taken to modeling and walking on the ramp, which is shown towards the close of the film. Faraha, who adores her sister's little one, desires marriage and a normal life because she wishes to embrace motherhood. It does happen to her though, to begin with, she is quite sceptical about why a normal young man would choose to marry a young woman with a distorted face.

Dr. Shoma A. Chatterji
Film Scholar, Journalist & Author

Siddhant Sarin has directed a brilliant film called *Ayena,* which means 'mirror.' It is a long docu-feature that focuses on five young women of different ages, who are victims of acid attacks that forced them to change the pattern of their entire lives. But the best part is that they are not cry babies and do not lament their 'bad luck' for no mistake of their own and are slowly, but surely, trying to reconstruct their lives without cribbing continuously about the sad joke that life has played with their lives.

Ayena won the Best Non-Feature Film Award (Hindi and Urdu) at the 70th National Film Awards, last year. The citation states, "An observational story of survival, told with compassion and sensibility, for intricately weaving shared experiences and offering an empathetic tale of resilience." *Ayena* (Mirror) explores moments of friendship, resilience, and the daily negotiations of two extraordinary Indian women, Ritu Saini and Faraha Khan. According to Sarin, "*Ayena* portrays how Ritu and Faraha meticulously navigated the intricacies of their daily lives. Despite an overwhelming sense of loss, they patiently worked to reclaim their sense of self and rebuild their futures. Making this film also gave me an opportunity to be a listener, sometimes, with the camera, and sometimes, without it. The directorial intent of the film was to engage audiences on a human level, guiding them to rethink and reinvent the ways we identify with one another. With an intimate and delicate approach, I have tried to traverse the interplay between individuals' internal and external worlds. The film sought to explore the depths of these women's personalities, without elevating them to divine or reduce them to disability, bringing to light elements of their lives, their coming of age, redefining their relationships, and fleeting moments of carefreeness." *Ayena* is not a disappointing, frustrating story of five young women's lives, having been struck as if, with a bomb, which could have turned them into young women weeping in frustrating self-pity. It is a story of hope and optimism where these girls, taken care of by a NGO looking after acid attack victims, are given a meaning to begin life again. Ritu, without going in for plastic surgery, wears her terribly distorted face without either shame or embarrassment, and has also taken to modeling and walking on the ramp, which is shown towards the close of the film. Faraha, who adores her sister's little one, desires marriage and a normal life because she wishes to embrace motherhood. It does happen to her though, to begin with, she is quite sceptical about why a normal young man would choose to marry a young woman with a distorted face. When she asks her mother for advice, she tells her not to marry, but after some hesitation, Faraha does get married with a lot of music and dance and bonhomie that happens in any normal wedding. The scenes of the wedding, the reception, the music and the dancing add a lot of joy to the film which revolves around acid victims.

#SHOT AT

> The directorial intent of the film was to engage audiences on a human level, guiding them to rethink and reinvent the ways we identify with one another. With an intimate and delicate approach, I have tried to traverse the interplay between individuals' internal and external worlds.

Director Sidhant Sarin has taken a very positive approach to these young ladies, who wear their distorted faces minus make-up and carry on with their lives as if nothing has happened to them. He steers away completely from injecting the film with any kind of soppy sentimentalism or melodrama and this is one of the most outstanding features of the film.

There is a very touching scene where we find Faraha, briefly visiting her parents, leafing through the pages of an old picture album, with photographs of her before the attack. "I was very fat, then," she says and smiles, perhaps, a bit of pain audible in her voice. She lies beside her little nephew on a wooden, string woven cot as she gives a telephonic interview on her mobile. Ritu Saini, tall, svelte and with long hair, now has a terribly ugly eye due to the acid attack. She has nothing to do with the attack any more, though she rues the day she was attacked. Siddhant has successfully managed to redefine the very conventional meaning of the term 'beauty' as commonly understood by everyone. The girls are chatty, friendly, cheerful and have taken the attack in their stride, wear modern clothes like shorts and dresses, laugh and joke among themselves, and stick an invisible thumb at the world that refuses to accept them in their mainstream fold.

Acid attacks lie along the last-but-one spectrum of physical attacks on women and children, the last one being murder. But acid attacks, looked at in retrospect, are worse than murder because unlike murders, there is no closure for the victim. He/she lives on with the scars, physical and mental, that are never likely to heal because the medical infrastructure in the country is much less in supply than the demand, the expenses of plastic surgery are too prohibitive and the psychological scars remain forever. These victims will never smile again because their smiles are lost to time, forever. But are they?

On July 12, 2016, *The Telegraph* reported that the Calcutta High Court had issued an interim order asking the Bengal government to pay a compensation of Rs. 3 lakh to an acid attack victim within two weeks, the first such dole in the state. The order is in keeping with a 2014 Supreme Court verdict that stated that state governments would have to pay a minimum compensation of Rs. 3 lakh to acid attack victims. *Ayena*, the film, does not refer to this or any other legal compensations to the victims.

Once, when a girl goes to a shop and the salesman asks her what had happened, she says, "My husband threw acid on my face because I had filed a divorce case against him for severe domestic violence. He was jailed for three years and then set free and he married again." When the salesman asked her why she did not take further steps against him, she says, "What is the use?" Philosophically, Ritu says, "Not all men are vile and villainous. See, it was men who attacked us. Now, it is men who are taking care of us so that we can walk back into our lives with self-respect," referring to the social workers in the NGO, which is not shown in the film.

> Philosophically, Ritu says, "Not all men are vile and villainous. See, it was men who attacked us. Now, it is men who are taking care of us so that we can walk back into our lives with self-respect," referring to the social workers in the NGO.

Another says that acid was thrown at her face by her own cousin who wanted to marry her, but she had vehemently refused the proposal. With few employers willing to hire people with such visible deformities, the majority find it difficult to earn a living even after they regain their capacity to work. At the same time, many are solely responsible for their children, and all of them have to deal with greatly increased healthcare needs and the prohibitive cost of essential medical treatment. But in *Ayena*, we discover that the girls are indeed trying to cope with the changed real-life drama in their lives. Says Sarin, "Ritu's scars also brought her some fame. She occasionally finds herself talking on television, modelling at fashion events, or featuring in a Bollywood film. Still, she often feels lonely. She wants to be loved and embraces an ambiguous relationship with a fellow female acid attack survivor. On the other hand, Faraha has come to terms with her post-attack singlehood and her new lease of life. As she begins to enjoy the freedom and independence, a desire to become a mother slowly brews within her," explains Siddhant.

Most attacks are directed primarily at the face and result in terrible damage and distortion. The consequent defacement drives many victims underground in the face of ridicule and rejection, and makes it difficult for them to function in society. This film underscores the women's faces disfigured completely beyond recognition, but they are never shown crying over their changed destinies. They are trying their best to accept their lives as a challenge to be faced, fought and won, and the girls in *Ayena*, led by Ritu and Faraha, are proof of this courage, determination and optimism.

In 2020, Meghna Gulzar made a feature film called *Chapaak* based on the life-experience of a real life acid victim. The lead role of Malti was played by Deepika Padukone, who also co-produced the film. The film hits out at every concept and ideology about what we have been conditioned to understand as 'beauty' in a girl or a woman. Meghna Gulzar restrains every attempt to reduce the life of the film's protagonist, Malti Agarwal into a soppy, sentimental, melodrama filled with self-pity and the hate and/or pity of everyone around her. Malti is the fictionalised celluloid representation of the real-life acid victim, Lakshmi Agarwal. *Ayena* goes one better. Because it is not a fictionalised story of acid victims starring a top actress. The USP of this film lies in the film's honesty in the way it explores the courage of the other victims, picked from real life, always smiling, singing songs through their crooked lips and non-existent noses, redefining the term 'beauty' for the female form in every sense of the term.

Summing up his argument, Siddhant Sarin says, "There is a need to relook at the mainstream discourse of victimhood and move beyond to understand the survivor from their perspective, the way they see themselves. While closely following Ritu and Faraha, my main protagonists, I witnessed and recorded their daily negotiations with surroundings, how, subjugating an unfathomable sense of loss, they patiently and meticulously work towards reclaiming their lives. Making this film also gave me an opportunity to be a listener, sometimes, with the camera and sometimes, without it, as I listened to the narratives of courageous survivals. It offered me new perspectives to understand my own life, which I feel is reflected in the film."

rajeshsharma1049@gmail.com

#WORK-OUT

For An Active Year

Five ways to avoid pain and injury when starting a new exercise regime.

Getting in the habit of exercising isn't easy. Not only is finding the time to exercise a major deterrent for people, the fear of aches, pain and injuries is also a reason that people put off starting a new exercise regime.

But exercise doesn't necessarily have to lead to pain or injuries. Here are some simple things you can do to avoid these when starting out.

Warm-up

It's important to warm up before your exercise. Warming up raises the temperature of the working muscles and the whole body. It also prepares your body for the increased stress of exercise. Muscles that have been warmed up are able to exercise for longer, and suffer less soreness and reduced injury risk.

Exactly what constitutes an effective warm-up varies from workout to workout. But in general, you should dedicate at least five to ten minutes of your workout to warming up. Start with large, whole-body movements such as body-weight squats and lunges before progressing to more task-specific actions, such as a walk or jog before running, or lifting light weights before weight training. Your warm-up shouldn't be too strenuous. Aim to use only about 40-60% of your maximum effort.

Don't Overestimate

A common mistake when starting a new exercise regime is to do too much. This can lead to pain after workouts, and may also increase your likelihood of injury.

When you first begin a new workout plan, it's important to start gradually and at your own pace. Since everyone is different, avoid following an exercise programme that uses absolute distances or repetitions. Instead, focus on how you feel during a workout and listen to what your body is telling you.

It can take weeks or even months to notice the benefits of exercise, so, don't expect to see your health and fitness improve overnight. It's also worth noting that progress isn't always linear, some days, you may find that it's difficult to exercise as long or as hard as you did the previous session. Listen to your body and stop when you feel tired, to avoid injury.

Take Time to Recover

Taking a day or two off to rest each week is vital for recovery. But you don't just have to sit and do nothing for your recovery days to be effective. Active recovery is equally effective in helping your muscles recover and helping you avoid pain and injury. Active recovery might include lower-effort exercises such as walking or yoga.

While aerobic exercise (such as running or cycling) doesn't usually require as long a recovery period as strength training, mixing up your exercises is still beneficial for avoiding injury. It will provide a more balanced workout and avoid poor movement technique, or form. Rotating between running, swimming, cycling or whatever takes your fancy will allow your body to recover and will help you achieve your fitness goals.

Learn Proper Form

Developing correct form early on is important when starting a new exercise regime, to avoid developing bad habits. In the beginning, go slow, try a range of different exercises and don't add too much weight before you've nailed technique. Executing the movements properly will help you avoid injury.

If you choose to exercise at a gym or fitness centre, ask a trainer for pointers if you're unsure about your form. If you prefer to work out alone, there are lots of resources available online to guide your training. You might also consider filming yourself so that you can see how your form looks.

Invest in the Right Shoes

The right pair of shoes can make all the difference to your workouts. It's particularly important for running, as comfort and support will help reduce soreness and make your runs more enjoyable. You don't need an expensive shoe either, just one that provides appropriate support for your unique gait, which will help protect vulnerable areas of your feet from overuse injuries.

Don't let the fear of pain or injury put you off from starting a new exercise regime. The benefits of exercise far outweigh the temporary feeling of muscle soreness that can accompany a new exercise regime. Not to mention that as you make exercise a regular habit, you're less likely to feel sore after each workout.

While you should take at least one day off between strength training workouts, another strategy to boost recovery is to work different muscle groups on different days.

THE WALL

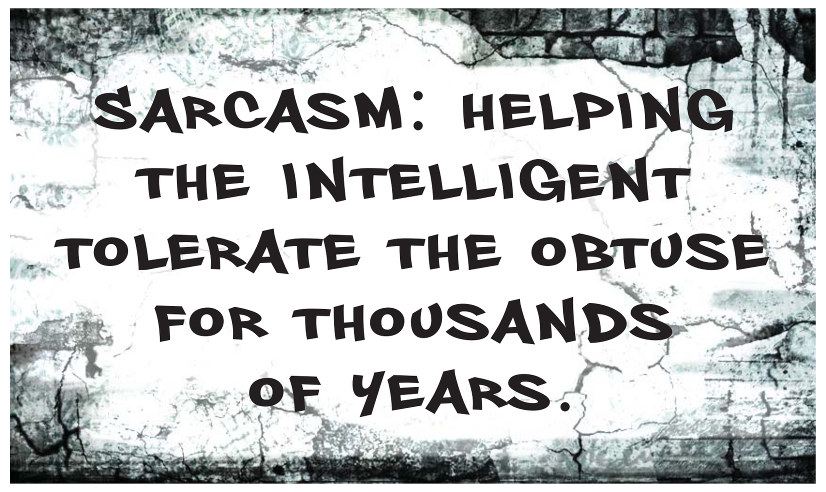

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

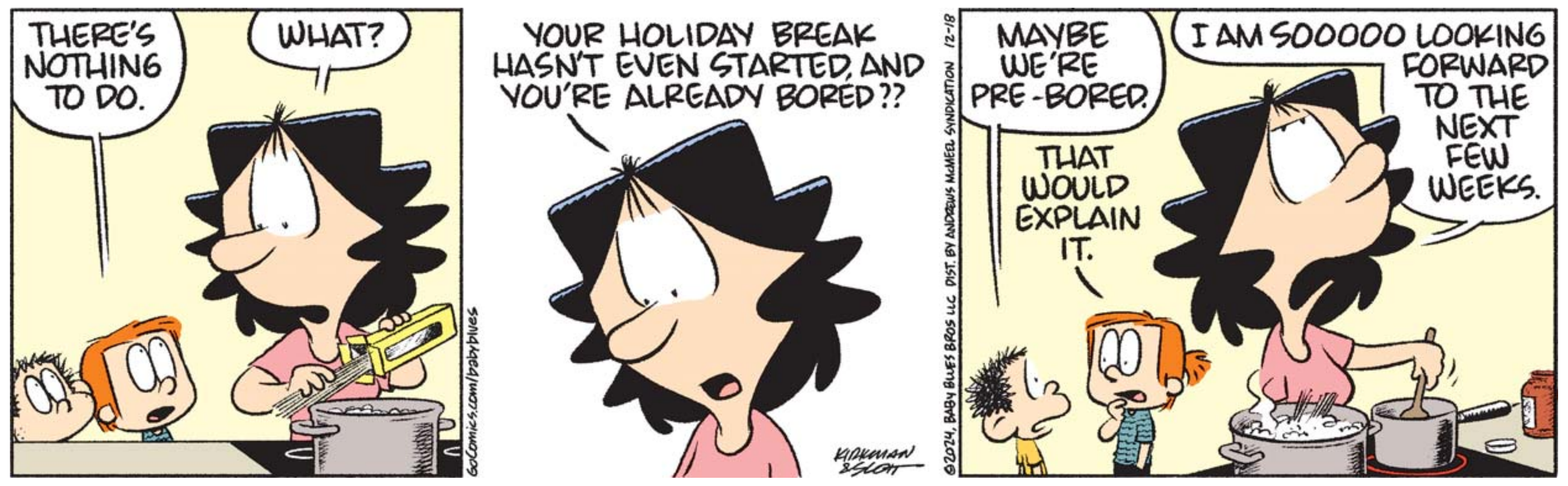

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

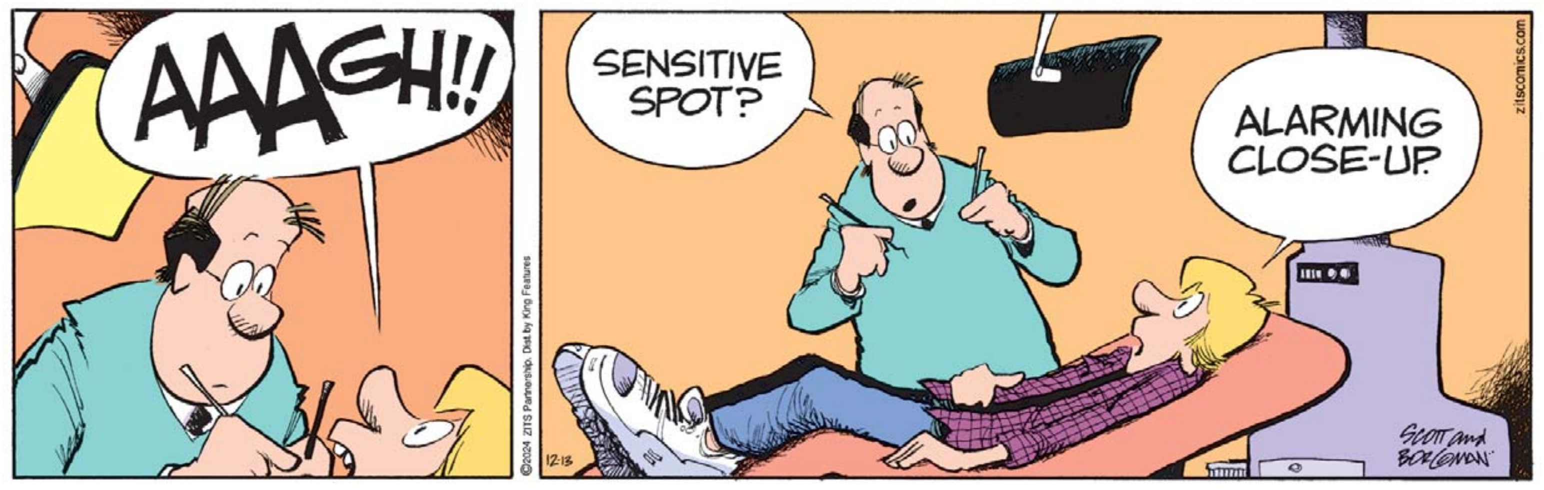

प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता : राज्यपाल बागड़े

कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित, 264 को उपाधियां प्रदान की

जोधपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा है कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राकृतिक खेती के पाठ्यक्रम बनाकर उन्हें लागू किए जाने चाहिए। इसके साथ ही प्रसार शिक्षा के अंतर्गत भी प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए खेत-खेत में प्रचार किया जाना चाहिए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने यह उद्गार शनिवार को जोधपुर में कृषि विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में कुल 264 उपाधियां प्रदान की। इनमें 211 कृषि स्नातक, 25 डेयरी प्रौद्योगिकी स्नातक, 23 स्नातकोत्तर व 5 विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान की। इस दौरान 7 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक व 3 दानदाता स्वर्ण पदक भी दिए गए।

राज्यपाल ने उन्होंने वर्ष 2024 की परीक्षाओं के लिए कुल 10 स्वर्ण (7 स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय द्वारा तथा 3 दानादाताओं द्वारा) पदक प्रदान किए। इनमें सुश्री स्नेहा पी.जी. को बीएससी (स्नातक कृषि) में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक एवं आर.पी. जांगिड़ स्वर्ण पदक, मंटी कुमारी को डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय जोधपुर को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक एवं स्वर्गीय रूकमणी देवी कलवानियां स्वर्ण पदक, किरण चौधरी को स्नातकोत्तर शस्य विज्ञान में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक एवं डॉ आर.पी. जांगिड़ स्वर्ण पदक, ट्विंकल हाड़ा को स्नातकोत्तर सब्जी विज्ञान में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, पुरुषोत्तम सुथार को स्नातकोत्तर, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, मनिला पूनिया को स्नातकोत्तर, कीट विज्ञान में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और मयंक राजपूत को स्नातकोत्तर रोग विज्ञान में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किया।

- **पूर्व कुलपति डॉ. जे.एस. संधु को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि दी**

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने डॉ जे.एस. संधु, पूर्व कुलपति कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया।

दीक्षान्त समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्राकृतिक विषमताओं और जलवायु परिवर्तन के दौर में विभिन्न संकटों पर नियंत्रण के लिए देश भर में इस समय 'प्राकृतिक खेती' के लिए अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। प्राकृतिक खेती और वृक्षारोपण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से बचने का प्रभावी उपाय है। इसके लिए कृषि में सहनशील किस्मों और नई प्रौद्योगिकियों का विकास किया जाए। इन किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, इससे न केवल क्षेत्र के किसान लाभान्वित होंगे अपितु राज्य में कृषि के विकास को भी नवीन गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि कम पानी में अच्छी फसल हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। खेती को पानी की बहुत जरूरत रहती है। बारिश का पानी खेत में ही रहे, इसके लिए भी कृषि शिक्षा के अंतर्गत आप लोग प्रयास करें। पानी की बचत ही पानी का निर्माण करना है।

राज्यपाल ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार की दिशा में मौलिक दृष्टि रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने मोटे अनाज के महत्व को देखते हुए श्री अन्न के अधिकाधिक उपयोग एवं इसके महत्व के प्रचार-प्रसार की जरूरत बताई। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और निर्यात के नए अवसर प्रदान करने के लिए "एक के.वी.के., एक उत्पाद" की पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह की योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। समारोह को संबोधित करते हुए दीक्षांत अतिथि नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के पूर्व कुलपति, डॉ. जे.एस. संधू ने सभी प्रतिभाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कृषि क्षेत्र में समर्पित सेवाओं से समाज के उत्थान तथा देश में खुशहाली विस्तार के लिए आगे आने का आव्हान किया।

समारोह में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने राज्यपाल तथा दीक्षांत अतिथि डॉ. जे.एस. संधु को स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह से पूर्व राज्यपाल बागड़े ने कृषि विश्वविद्यालय पहुंचकर विश्व विद्यालय की 8 विभिन्न ईकाइयों के भवनों का लोकार्पण किया। समारोह में शैक्षिणक शोभायात्रा के मंच पर आगमन के उपरान्त राज्यपाल ने दीप प्रज्वलन तथा शुभारंभ की घोषणा कर दीक्षान्त समारोह की शुरूआत की। दीक्षांत समारोह में विधायक बिलाड़ा अर्जुनलाल गर्ग भी उपस्थित थे।

चिकित्सकों की लापरवाही से मरीज की मौत का आरोप

निगम में जमादार गोपाल को हार्ट के दर्द की शिकायत पर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था

परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

- **शनिवार को इलाज के दौरान अस्पताल में मरीज की मौत हो गई, परिजन ने नहीं लिया शव**
- **एक करोड़ मुआवजा और दोषी चिकित्सक व अन्य स्टाफ पर कार्यवाही की मांग**
- **मांगों को लेकर वाल्मीकि समाज ने झाड़ू डाउन हड़ताल का आव्हान किया**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के बांगड़ हॉस्पिटल में चिकित्सकों की लापरवाही से मरीजों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन मरीजों की संदिग्ध मौत और हंगामे के बीच हॉस्पिटल की गिरती साख को बचाने के लिए अब पुलिस का सहारा लेना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार नगर निगम में जमादार गोपाल (52) पिता बालू राम गारू निवासी तेजाजी चौक को गत दिनों हार्ट के दर्द की शिकायत पर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। शनिवार को इलाज के दौरान गोपाल की मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एक करोड़ मुआवजा और दोषी चिकित्सक डॉ. अनुराग सिंह व अन्य स्टाफ पर कार्यवाही की मांग को लेकर वाल्मीकि समाज ने झाड़ू डाउन हड़ताल का आव्हान किया है। समाजजनों का कहना है कि जब तक मांगें नहीं मानी जाती है, शहर में सफाई व्यवस्था ठप्प रहेगी और शव उठाया नहीं जाएगा।

भीलवाड़ा नगर निगम की हंगामे के बावजूद बोर्ड बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निगम महापौर राकेश पाठक और आयुक्त हेमाराम चौधरी पर भ्रष्टाचार के आरोपों लगने और सड़क से लेकर सदन तक हंगामे के बावजूद निगम बोर्ड बैठक टाउन हॉल में सम्पन्न हुई, जिसमें 411 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया। यह महापौर राकेश पाठक के कार्यकाल का अब तक का सबसे बड़ा बजट है।

- **हंगामे के बीच 411 करोड़ रुपये का बजट पेश**

बैठक से पहले कांग्रेस नेता मनोज पालीवाल के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन हुआ।

बैठक से पहले, कांग्रेस नेता मनोज पालीवाल के नेतृत्व में नगर निगम गेट पर विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें महापौर राकेश पाठक और आयुक्त हेमाराम चौधरी की साझेदारी वाली जोड़ी से इस्तीफे की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने महापौर पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और बैठक से पहले ही सड़क पर हंगामा किया। बैठक के दौरान, महापौर और आयुक्त के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बीच तीखी बहस हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण रहा। कांग्रेस नेताओं ने महापौर और आयुक्त पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए, जिससे बैठक में हंगामे की स्थिति उत्पन्न हुई। हंगामे के बीच सदन में 22 एजेंडा प्वाइंटों पर सहमति बनी।

5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल जारी

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में पढ़ रहे 5वीं और 8वीं के बच्चों की बोर्ड की परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया है। 5वीं के एग्जाम 7 अप्रैल से शुरू होंगे, जबकि 8वीं बोर्ड के एग्जाम 20 मार्च से शुरू हो रहे हैं।

शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय के पंजीयक नरेंद्र सोनी ने बताया कि प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन यानी पांचवीं बोर्ड परीक्षा 7 अप्रैल से शुरू होगी। टाइम टेबल के अनुसार पहले दिन 7 अप्रैल को अंग्रेजी की परीक्षा होगी। इसके बाद 8 अप्रैल को हिंदी, 9 अप्रैल को पर्यावरण अध्ययन की परीक्षा होगी। इसके बाद 5 दिन की छुट्टियां रहेंगी। 10 अप्रैल को महावीर जयंती, 11 अप्रैल को ज्योतिबा फूले जयंती, 12 अप्रैल को अंतराल, 13 अप्रैल को रविवार, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती का अवकाश रहेगा। 15 अप्रैल को गणित की परीक्षा होगी। वहीं 16 अप्रैल को तृतीय भाषा (संस्कृत, उर्दू, सिंधी) का एग्जाम होगा। आठवीं बोर्ड परीक्षा 20 मार्च से शुरू होगी। टाइम टेबल के अनुसार 20 मार्च को अंग्रेजी की परीक्षा होगी। इसके बाद 22को हिन्दी, 24 को विज्ञान, 26 को सामाजिक विज्ञान, 29 को गणित की परीक्षा होगी। 30 को रविवार और 31 मार्च को ईद की छुट्टी रहेगी। 1 अप्रैल को तृतीय भाषा (संस्कृत, उर्दू, गुजराती, सिंधी, पंजाबी) की परीक्षा होगी।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने केंद्रीय संचार मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। राजसमंद संसदीय क्षेत्र की सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात कर क्षेत्र में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के विकास के लिए कई विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने राजसमंद क्षेत्र में डाकघर और मोबाइल नेटवर्क से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों के लिए केंद्रीय मंत्रालय से मदद की अपील की। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि राजसमंद क्षेत्र में सूचना और संचार के क्षेत्र में तेजी से विकास की आवश्यकता है ताकि ग्रामीण इलाकों में लोगों को बेहतर सेवायें मिल सकें और वे डिजिटल युग में कदम रख सकें। उन्होंने केंद्रीय मंत्री सिंधिया से कई बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

- **सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात कर क्षेत्र में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के विकास के लिए कई विषयों पर चर्चा की**

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने बताया कि राजसमंद क्षेत्र में डाकघर का नया मंडल कार्यालय स्थापित करने की आवश्यकता है, जिससे संचार सेवाओं का विस्तार हो सके और नागरिकों को तेज़ एवं सुलभ डाक सेवाएँ मिल सकें। डेगाना विधानसभा क्षेत्र की सान्जू शाखा को उप डाकघर में क्रमोन्नत करने की मांग की गई, ताकि वहां के निवासियों को बेहतर डाक सेवा प्राप्त हो सके। यह कदम क्षेत्रीय विकास और नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। सांसद ने डेगाना विधानसभा की ग्राम पंचायतों बरना, भारती, सुरियास और पुनास में मोबाइल टॉवर लगाने की अपील की। जेतारण विधानसभा की कुर्क, लांबिया, निंबोल और राबारियावास ग्राम पंचायतों में नवीन डाकघरों का निर्माण करने की आवश्यकता जताई गई।

महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि राजसमंद क्षेत्र में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास हो, ताकि यहाँ के लोग भी अन्य शहरी क्षेत्रों की तरह सुविधाओं का लाभ उठा सकें। यह कदम न केवल डिजिटल समावेशन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ के द्वारा उठाए गए मुद्दों पर आश्वस्त किया कि इन योजनाओं पर जल्द ही कार्य किया जाएगा। इस मुलाकात के बाद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाया कि वे अपने प्रतिनिधित्व से हर संभव प्रयास करेंगी, ताकि राजसमंद में संचार सेवाओं का विस्तार हो सके और सभी नागरिकों को आधुनिक तकनीकी सुविधाएँ मिल सकें।

हाईकोर्ट : समकक्ष योग्यता पर नर्सिंग-ऑफिसर नियुक्ति के आदेश

जोधपुर, (कासं)। चिकित्सा विभाग में नर्सिंग ऑफिसर के 6981 पदों के लिए 5 मई 2023 को जारी विज्ञप्ति में आवश्यक योग्यता सीनियर सैकंडरी और समकक्ष, नर्सिंग डिप्लोमा तथा नर्सिंग काउंसिल में पंजीयन रखने के बावजूद कुछ अभ्यर्थियों को प्री यूनिवर्सिटी कोर्स उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को नियुक्ति से वंचित किए जाने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने अहम फैसला देते हुए 2 अभ्यर्थियों को अंतरिम नियुक्ति देने के आदेश दिए हैं।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने दो अभ्यर्थियों को अंतरिम नियुक्ति देने के आदेश दिए**

पाली के राजेंद्र नगर निवासी गोपाल कृष्ण और रानी के जवाली निवासी जसाराम की ओर से एडवोकेट यशपाल खिलेरी ने अलग-अलग याचिकाएं दायर की थी। इसमें बताया गया कि वर्ष 2023 मे नर्सिंग ऑफिसर पदों के लिए जारी विज्ञप्ति में आवश्यक योग्यता सीनियर सैकंडरी और समकक्ष, नर्सिंग डिप्लोमा और नर्सिंग काउंसिल में पंजीयन होने की निर्धारित की गई थी। याचिकाकर्ता ने उदयपुर की जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्या पीठ से वर्ष 2005 में प्री यूनिवर्सिटी कोर्स (पीयूसी) उत्तीर्ण कर लिया था, जिसे सीनियर सैकंडरी परीक्षा के समान समकक्षता की मान्यता है।

अपीलार्थियों को इसी योग्यता के आधार पर पहले 3 वर्षीय नर्सिंग डिप्लोमा में प्रवेश और इसी के आधार पर नर्सिंग काउंसिल में पंजीयन कर वर्ष 2014 में जीएनएम पद पर संविदा नौकरी दी गई। वर्तमान में याचिकाकर्ता जसाराम जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में कार्यरत हैं। इसी बीच, नियमित भर्ती-2023 में उसकी पीयूसी योग्यता को 12वीं कक्षा के समकक्ष नहीं मानते हुए नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्ति से वंचित कर दिया गया। इस पर रिट याचिकाएं पेश की गईं, लेकिन हाईकोर्ट की एकलपीठ न्यायाधीश ने 2024 में दिए गए फैसले के आधार पर याचिकाएं खारिज कर दी गईं।

तब, हाइकोर्ट की खंडपीठ में स्पेशल अपील पेश की गई। इनकी सुनवाई के दौरान एडवोकेट खिलेरी ने कोर्ट को बताया कि प्री यूनिवर्सिटी कोर्स (पीयूसी) योग्यता को सीनियर सैकंडरी के समकक्ष मानकर राज्य सरकार ने परिवादी को राजकीय नर्सिंग स्कूल से डिप्लोमा कोर्स कर राजकीय अस्पताल में संविदा नियुक्ति दी गई। ऐसे में अब नियमित भर्ती के समय उसे अयोग्य करार देना गैर वाजिब है।

खिलेरी ने कोर्ट को यह भी बताया कि समकक्षता देने का क्षेत्राधिकार माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर को है, जिसकी अनुभवी विषय विशेषज्ञ की कमेटी ने याचिकाकर्ता की पीयूसी योग्यता को सीनियर सैकंडरी परीक्षा के समकक्ष निर्धारित कर आदेश भी जारी कर दिया। ऐसे में एकलपीठ द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज बनाम भारत संघ में पारित पूर्व निर्णय 8 जनवरी 2024 याचिकाकर्ताओं के प्रकरण में लागू ही नहीं होता है, क्योंकि याचिकाकर्ताओं के जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर से पीयूसी परीक्षा सत्र 2004-2005 को यूजीसी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, दूरस्थ शिक्षा काउंसिल और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता दे रखी थी। अपीलार्थियों की ओर से एडवोकेट ख़िलेरी ने बताया कि याचिकाकर्ताओं के साथ भेदभाव करते हुए उन्हें भर्ती प्रक्रिया में अपात्र घोषित करना असंवैधानिक और गैर कानूनी है। जब विज्ञापित पद पर अस्थायी आधार पर गत कई वर्षों से अपीलार्थी कार्यरत हैं और नियमित भर्ती प्रक्रिया में मेरिटोरियस होने से नियुक्ति दिलाने की गुहार लगाई गई। प्रकरण के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए और अपीलार्थियों के वकील के तर्कों से प्रथमदृष्टया सहमत होकर हाइकोर्ट जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और चंद्र प्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने पीयूसी योग्यता के आधार पर अपीलार्थियों को अयोग्य नहीं ठहराने और अपील के अंतिम निर्णयाधीन नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्ति दिए जाने के अंतरिम आदेश दिए हैं। साथ ही संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की है।

मेड़ता पालिका की बैठक में विकास सहित कई मुद्दों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगे

मेड़ता सिटी, (निसं) मेड़ता नगर पालिका में 2025-26 के बजट को लेकर बैठक का मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू के नेतृत्व में पालिका अध्यक्ष गोतम टाक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक हंगामे के साथ 92 करोड़ 8 लाख 52 हजार का बजट सर्वसम्मति से पास किया गया। वहीं बैठक में विकास सहित कई विभिन्न मुद्दों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

- **मेड़ता नगरपालिका में 92 करोड़ 8 लाख 52 हजार का बजट सर्वसम्मति से पास हुआ**

बैठक में पालिका अध्यक्ष गोतम टाक ने शहर में हुए विकास कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं प्रतिपक्ष नेता पवन परतानी ने विकास को लेकर कई आरोप लगाए, पट्टे वितरण मामले को लेकर भी सवाल उठाए।

मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने कहा कि भाजपा सरकार ने मेड़ता विकास कार्य को लेकर हमेशा तट पर रही। भाजपा पार्षदों ने भी सर्वसम्मति बजट पास होने के बाद बैठक का बहिष्कार किया। इसको लेकर प्रतिपक्ष नेता पवन परतानी ने कहा मेड़ता विकास को लेकर जो सरकार द्वारा बजट मेड़ता को दिया गया इसको लेकर बजट सर्व सम्मति से पास किया गया पर बैठक में बोर्ड द्वारा विकास कार्य को लेकर इतने साल सत्ता का दुरुपयोग किया है, वहीं कई फर्जी पट्टे जारी किए हुए उसका भाजपा पार्षद बहिष्कार करते है और उन कार्य की जांच विचारणीय है। पालिका अध्यक्ष गोतम टाक ने कहा कि कांग्रेस बोर्ड ने मेड़ता की जनता के लिए कई विकास कार्य करवाए हैं, पर वर्तमान सरकार व भाजपा पार्षदों द्वारा मेड़ता विकास के लिए कई बार कार्य किए जाते हे उसको लेकर बखेड़ा कर दिया जाता हे। वर्तमान बोर्ड मेड़ता विकास के लिए हमेशा अठाणीय हे और रहेगा। इस मौके पर अधिशाषी अधिकारी प्रकाश डूडी , सलीम मॉयल , रामसुख मुंशी , मोहित माली , सुनील पंवार , जाकिर खान , विजय राज सांखला , राजू भाई माली , महेंद्र भाकर , दिलीप माली , श्वेता सोनी , लीला बोराना, अमजद खान, अनिल चौधरी , नंदकिशोर जोशी सहित कई प्राधिकारी व पार्षद मौजूद थे।

माफिया ने परमिट की आड़ में वन विभाग की जमीन खोद डाली

बीकानेर, (निसं)। पाक बॉर्डर पर खाजूवाला के चक 40 केजेडी में जिप्सम के अवैध खनन का मामला अभी थमा ही नहीं था कि माफिया ने 14 पीकेडी माधोडिग्गी में वन विभाग की जमीन खोद डाली। देर रात को ग्रामीणों की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और एक खेत में छिपाकर रखी जेसीबी को जब्त कर लिया।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों माफिया ने 40 केजेडी में 2300 टन जिप्सम खोद डाला। प्रशासन ने उस पर 46.29 लाख रुपए जुर्माना तय किया। अब चक 14 पीकेडी में दोहरे आवंटन की वन विभाग की जमीन पर जेसीबी चली है। माफिया ने परमिट की आड़ में वन विभाग की जमीन खोद डाली। रात को जिप्सम का अवैध खनन और गाड़ियां भरने का पता चलने पर ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। इसकी भनक लगने पर माफिया अपनी गाड़ियां लेकर मौके से भाग निकले। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो जिप्सम के अवैध के गड्ढे और गाड़ियों के निशान मिले। आसपास खोजबीन की गई तो दोपहर के समय चक 2 एमडीएम में छिपाकर रखी जेसीबी मशीन बरामद हो गई। वन विभाग ने जेसीबी जब्त कर ली है और अवैध खनन करने वालों की तलाश की जा रही है।

इत्तला मिलने पर खाजूवाला थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। चक 14 पीकेडी माधोडिग्गी में जिस जेसीबी से जिप्सम खोदा गया वह पूर्व में भी इसी जगह अवैध खनन करते पकड़ी गई है। वन विभाग ने पिछले साल अक्टूबर में जिप्सम का अवैध खनन करते जेसीबी जब्त की थी। जेसीबी एक माह तक वन विभाग के कब्जे में रही और उसके बाद 2.80 लाख रुपए का जुर्माना लेकर छोड़ी गई। उसी जेसीबी से रात को 14 पीकेडी में जिप्सम का अवैध खनन किया गया। वन विभाग ने छिपाकर रखी जेसीबी कब्जे में ले ली है। जेसीबी मालिक घड़साना निवासी जसवीर मान है।

वन विभाग की बेरियांवाली रेंजर विजयलक्ष्मी मील का कहना है कि चक 14 पीकेडी माधोडिग्गी में वन विभाग की दोहरे आवंटन की जमीन के पास ही अन्नी देवी के नाम से खान विभाग की ओर से परमिट जारी किया गया है। इस परमिट की आड़ में वन विभाग की जमीन से जिप्सम का अवैध खनन किया जाता है। पूर्व में जिप्सम का अवैध खनन किया गया है। खान विभाग को परमिट निरस्त करने के लिए पत्र लिखा गया है। इसके अलावा वन विभाग के कितने एरिया में अब तक कुल कितने जिप्सम का अवैध खनन किया जा चुका है। इसका असेसमेंट करवाया जाएगा। माधोडिग्गी पर दोहरे आवंटन की जमीन पर सरपंच श्योपत का कब्जा है। जमीन का मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

न्यायाधिपति गर्ग ने भीलवाड़ा का दौरा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग ने बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों की समीक्षा के लिए भीलवाड़ा का दौरा किया।

राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के वरिष्ठ सलाहकार राकेश कुमार चौधरी ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम 2015 के आलोक में राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग द्वारा राजस्थान के सभी जिलों में बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा करने की उद्देश्य से नियमित रूप से दौरे किये जा रहे हैं।

इसी क्रम में शनिवार को भीलवाड़ा जिले में बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह, सुरक्षित गृह, शिशु गृह, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अनुदानित सोना दिव्यांग पुनर्वास शोध संस्थान द्वारा संचालित सोना मंदबुद्धि विद्यालय का निरीक्षण किया एवं दिए आवश्यक दिशा निर्देश।

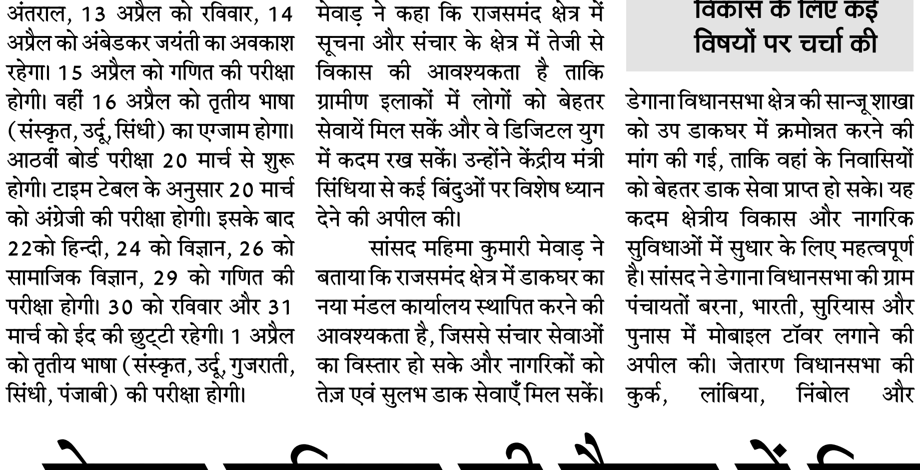

राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

- **न्यायाधिपति गर्ग ने सोना मंदबुद्धि विद्यालय का निरीक्षण किया एवं निर्देश दिये**
- **प्रदेश में बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की समीक्षा**

निरीक्षण के समय नगेन्द्र सिंह- मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, विशाल भार्गव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवांगिनी औदिच्य प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, सदस्य नरेश पारीक, उर्मिला सिरोठा, धर्मराज प्रतिहार सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल सरंक्षण इकाई, गौरव सारस्वत अधीक्षक राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह, नूतन शर्मा उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कमलकुमार जैन अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चन्द्रकला ओझा, सदस्य विनोद राव, प्रेमचंद जैन अध्यक्ष सोना दिव्यांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान, मनवीर सिंह मीणा प्रधानाचार्य डॉ राजेश छापरवाल शिशु रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

रैली का आयोजन

पावटा। को जयपुर में आयोजित होने वाली अहीर रेजिमेंट ध्यान आकर्षण सभा को लेकर यादव समाज को जाग्रत और एकजुट करने के लिए, रैली का आयोजन किया गया। 2 मार्च को जयपुर में होने वाली अहीर रेजिमेंट ध्यान आकर्षण सभा को लेकर अलवर, बानसूर, कोटपुतली , कांसली, पाथरेडी, फतेहपुरा , रघुनाथपुरा, पावटा कस्बे के प्रमुख मार्गो से होकर जन जागृति रैली निकाली गई। इस दौरान इस दौरान वक्ताओं ने समाज बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में अहीर रेजिमेंट ध्यान आकर्षण सभा में जयपुर पहुंचने का आवाह्न किया। इस दौरान कैप्टन मुकेश कुमार यादव जयपुर, कैप्टन पूरणमल, घीसाराम, दिनेश यादव, देवेंद्र, यादव समाज अध्यक्ष कोटपूतली रामावतार, रामकरण, किशन लाल गुरुजी, बाबूलाल, लक्ष्मी नारायण, सरदारमल यादव, मालीराम बाडीगर, रामेश्वर भाटिया न सहित समाज के लोग मौजूद रहे व रैली का स्वागत किया।

9 आरोपी गिरफ्तार

बौंली-बामनवास। सवाई माधोपुर जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बौंली थाना प्रभारी राधारमन गुप्ता ने बताया कि ढाम गाडौता, पुनेता रोड पर अवैध शराब के 48 पव्वों के साथ हरिमोहन मीणा निवासी पुनेता को, खिरनी कस्बे से अवैध बजरी खनन व परिवहन करने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी दीपक मीणा निवासी बहनोली व शंकर लाल गुर्जर निवासी डिडवाडी को, ऑनलाइन साइबर ठगी के प्रकरण में मेघराज मीणा निवासी रतनपुर थाना मित्रपुरा को, स्थाई वारंटी हरिराम मीणा निवासी देवली, लक्ष्मी चंद्र मीणा निवासी कोडियाई व लीला देवी मीणा निवासी कोडियाई को, एवं शराब के नशे में धूत होकर अशांति फैलाने के मामले में रामू लाल मीणा निवासी चांदा की झोपडी व देवराज गुर्जर निवासी बौंली को गिरफ्तार किया गया है।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

निवाई। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा अटैक में शहीद हुए 40 वीर जवानों को युवाओं द्वारा अहिंसा सर्किल पर मोमबत्ती जलाकर एवं पुष्प अर्पित करके भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और 2 मिनट का मौन रखा। इस दौरान युवाओं ने भारत माता के जय घोष लगाए। इस अवसर पर छोटूलाल मीणा, विशाल जमात, चंद्रशेखर वर्मा, अनुराग चौधरी, कार्तिक पारीक, लक्ष्य शर्मा, राहुल शर्मा, महेंद्र वैष्णव, लाला सैनी, अभिषेक पारीक व शुभम चौधरी सहित कई युवा मौजूद थे।

फ्लैग मार्च किया

राजगढ़। कस्बे में अपराधों की रोकथाम को लेकर थाना प्रभारी राजेश मीणा के नेतृत्व में शनिवार को प्रमुख बाजारों में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। थाना प्रभारी के राजेश मीणा ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर शांति भंग करने वाले लोगों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने लोगों को नियमों के बारे में भी जानकारी दी। मीणा ने बताया कि विश्वास के मध्य कस्बे में अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर धारा सिंह, सहित पुलिस के सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

बालिका छात्रावास खोलने की मांग

कोटपूतली। युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा को पत्र भेजकर कोटपूतली में इसी बजट सत्र में राजकीय बालिका छात्रावास खोले जाने की मांग की है। पत्र में लिखा है कि राज्य सरकार द्वारा कोटपूतली-बहरोड को जिला यथावत् रखा गया है।

पालिकाध्यक्ष इसरानी ने पार्षदों के साथ किया अवलोकन

निवाई। राजस्थान में अपनी विशेष एवं विशिष्ठ पहचान रखने वाले निवाई के शिवाजी पार्क का नगरपालिका द्वारा करोड़ों रूपए की लागत से सौंदर्यकरण किया जा रहा है। जिसमें सबसे ऊंचे स्थान पर भव्य 30 मीटर का तिरंगा लगेगा जो मुख्य आकर्षण का केन्द्र होगा।

- शिवाजी पार्क में लगेगा विशाल तिरंगा
- बच्चों के झूलें, संगीत के साथ फव्वारें, जिम एवं खेल के लगेंगे उपकरण सेल्फी-पोइंट पर ले सकेंगे सेल्फी

निवाई के शिवाजी पार्क में हो रहे विकास कार्यो का अवलोकन करते हुए पालिका अध्यक्ष इसरानी व पार्षद।

शिवाजी पार्क की दहलीज पर कदम रखते ही प्राकृतिक पौधों की सौंधी खुशबू एवं पुष्पों की महक लोगों के दिल में समा जाएगी। नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी द्वारा पिछलें कई वर्षो से अपने अस्तित्व को खोते सुविख्यात शिवाजी पार्क को फिर एक बार चमन कर राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले लोगों के लिए एक बेहतरीन पर्यटक स्थल के रूप में तब्दील करने के प्रयासों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इस शिवाजी पार्क की दुर्दशा को देख विधायक रामसहाय वर्मा ने आकस्मिक निरीक्षण कर पालिका प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेकर पार्क को पुनः पुराने स्वरूप में बदलने के निर्देश दिये थे।

पालिकाध्यक्ष इसरानी पालिका पार्षदों के साथ शिवाजी पार्क पहुंचकर वहां चल रहे पुर्नत्थान का जायजा लिया। पालिकाध्यक्ष इसरानी ने पार्क में लगाये गये सेल्फी पोइंट, नये संगीत की धुन सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पालिकाध्यक्ष इसरानी ने बताया कि शिवाजी पार्क में ऑपन जिम, खेल उपकरण, सुसज्जित कुर्सियां एवं बच्चों, महिला-पुरूषों के लिए पार्क को आकर्षित करने के साथ-साथ बेहतरीन रखरखाव की भी व्यवस्था की जा रही है।

अधिकारियों को आमजन से मिलने के लिए एक घंटा तय

सांभरझील, (निसं)। शासन तंत्र के सभी स्तरों पर पारदर्शिता लाने, जबावदेही /जनसहभागिता सुनिश्चित किये जाने तथा लोकसेवकों की सरल व त्वरित उपलब्धता हेतु राज्य सरकार संकल्पित व निरन्तर प्रयासरत है, लेकिन सरकार के तमाम निर्देशों को अनदेखी करते हुए आज तक इस बारे में कोई पालन नहीं की गई।

पूर्व में जारी परिपत्रों की निरन्तरता में समरत अधिकारियों पालना सुनिश्चित किए जाने हेतु फिर से दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। समस्त अधिकारी आमजन से मिलने के लिए प्रति कार्य दिवस में न्यूनतम 1 घण्टे का समय निर्धारित करें तथा इस बाबत् एक सूचना पट्ट अपने कार्यस्थल के बाहर नेमप्लेट के नीचे लगवायें। यदि किसी आपातकालीन / अति आवश्यक स्थिति में अधिकारी के लिए निर्धारित समय में मिलने हेतु उपस्थित रहना सम्भव नहीं हो तो उस दिन आमजन के लिए वे अपने द्वितीय अधिकारी को नामित करें और इस बाबत् स्पष्ट सूचना अपने कार्यालय के बाहर प्रदर्शित करें, जिससे आमजन को कोई असुविधा न हो। मुख्य सचिव की ओर से इसके जारी परिपत्र में कहा गया है कि समस्त अधिकारियों को इस बात पर विवेचन करना चाहिए कि किसी आम नागरिक को उपखण्ड स्तर के कार्य के लिए जिला स्तर/राज्य स्तर एवं जिला स्तर के कार्य के लिए राज्य स्तर पर न आना पड़े।

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय... उपखण्ड अधिकारी... स्थान... कि. रेनवाल... भोमाराम...
विरुद्ध... ओमप्रकाश वगै.
वाद बाबत तकास्मा व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 67/2024

नाम ओमप्रकाश पुत्र जगदीशप्रसाद, गोविन्द प्रसाद पुत्र विनोद कुमार, राजेश कुमार पुत्र प्रभू दयाल, विष्णु पुत्र कृष्णदत, सुगनीदेवी पत्नि कृष्णदत, संजय पुत्र कृष्णदत, सरिता पुत्री कृष्णदत समस्त जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम भैसलाना तहसील कि0 रेनवाल, श्रीलेखा शर्मा पत्नि संजय शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी 101, महिमा निर्वाणा, महापुरा जयपुर, तहसीलदार कि0रेनवाल जिला जयपुर राज0, विरूद्ध वाद तकास्मा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 17/2/25 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो ओर जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें ओर उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता. 3/1/25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत — आज्ञा से
रीडर न्यायाधीश अधिकारी
किशनगढ़ रेनवाल, जिला जयपुर ग्रामीण

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम-9, जयपुर महानगर, द्वितीय श्रीमति शारदा भार्गव व अन्य बनाम गोपाल नारायण व अन्य दावा बाबत् सम्पत्ति विभाजन व स्थाई निषेधाज्ञा
मुकदमा नं. 633/2012

बनाम

2/1. समीर भार्गव, 2/2. पिंकी भार्गव वल्द स्व. श्री कैलाश नारायण भार्गव कौम भार्गव सकिन 305, श्याम हैवन्स पैराडाईज, बी-206, राजेन्द्र मार्ग, बापू नगर, जयपुर।

चूंकि वादी ने इस अदालत में तारीख माह सन् को 1. श्रीमति शारदा भार्गव व अन्य बनाम 2. गोपाल नारायण व अन्य दायर की जो कि बाद मे फोत हो गया और चूंकि प्रतिवादी संख्या 2 (मृतक) मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा मे यह जाहिर करने की आप मुतवफकी 2/1 व 2/2 मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 2/1. व 2/2 बनाये जायें।

लिहाजा बजरिये हाजा वगर्ज जवाब देही प्रार्थना पत्र कायम मुकाम आप को तारीख 19 माह 02 सन् 2025 को अदालत हाजा मे हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजरी मे सुना व फैसला किया जावेगा।

बसन्त मेरे दस्तखत व मोहर अदालत के आज तारीख 14 माह 02 सन् 2025 को जारी किया गया।

वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-9, जयपुर महानगर, द्वितीय

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 23/24
विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी- नाम रामजीलाल बैरवा पुत्र स्व. प्रहलाद बैरवा जाति बैरवा
विवाद स्थान पीरोतान की ढाणी कपूरावाला तहसील सांगानेर जिला, जयपुर
मृतक प्रहलाद बैरवा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक 25.2.25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम प्रहलाद बैरवा पुत्र मंगला राम बैरवा जाति बैरवा निवासी महासिंहपुरा उर्फ कपूरावाला तहसील सांगानेर जिला, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे। अत: उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक माह 25.2.25 सन् 20....... को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 15 माह 2 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्राकन से जारी किया गया।

रीडर
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 4 मुख्यालय सांगानेर, जयपुर

सत्संग में गूंजे श्याम के भजन

आमेर। श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति द्वारा एक भव्य श्याम सत्संग एवं फाग महोत्सव का आयोजन शनिवार, 15 फरवरी को श्री खंडेलवाल वैश्य महासभा भवन, आरपीए रोड, शास्त्री नगर, जयपुर में किया गया। इस आयोजन के प्रमुख संरक्षक श्री आर. पी. गुप्ता एवं ऋषभ गुप्ता थे, जिन्होंने इस महोत्सव की सफलता के लिए विशेष योगदान दिया। यह समिति पिछले 32 वर्षों से बाबा श्याम की महिमा का प्रचार-प्रसार कर रही है और भक्तों को भजनों के माध्यम से आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान कर रही है।

इस शुभ आयोजन के प्रेरणास्त्रोत समिति के वरिष्ठ सदस्य श्री आर. पी. गुप्ता रहे, जो प्रारंभ से ही इस संस्था से जुड़े हुए हैं। उनके अथक प्रयासों के कारण इस भव्य श्याम सत्संग का आयोजन संभव हो पाया। आयोजन का शुभारंभ सायं 7:00 बजे हुआ, जो देर रात तक चला। इस दौरान श्याम प्रेमियों ने भक्ति में लीन होकर बाबा श्याम के गुणगान किए। बाबा श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं के लिए श्री श्याम प्रभु का विशेष श्रृंगार किया गया, जिससे उनकी दिव्य छवि के दर्शन कर भक्त भाव-विभोर हो गए। पूरे आयोजन के दौरान श्याम भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई, जिससे वातावरण और भी पावन बन गया। सत्संग में बाबा श्याम को भोग अर्पित करने के लिए छप्पन भोग की व्यवस्था की गई थी, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन शामिल थे।

इस आयोजन में देशभर से ख्यातिप्राप्त भजन गायक उपस्थित हुए और उन्होंने अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। विशेष रूप से फाग के भजनों ने सभी भक्तों को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। फाग महोत्सव के अंतर्गत रंग धमाल का भी आयोजन हुआ, जिसमें भक्तगण झूमते-गाते हुए बाबा श्याम की भक्ति में डूब गए। पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी, जिन्होंने इस आध्यात्मिक माहौल का भरपूर आनंद उठाया। यह आयोजन श्याम भक्तों के लिए एक अनूठा आध्यात्मिक अनुभव लेकर आया। इसमें सम्मिलित होकर श्रद्धालुओं ने संगीत, भजन और भक्ति के रंग में डूबकर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस तरह के आयोजनों से भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है और समाज में धार्मिक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।

जिला प्रशासन का नवाचार 'मिशन आकाश'

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों बेठक लेकर मिशन आकाश के तहत एनिमिया एवं कुपोषण मुक्त अलवर अभियान का शुभारम्भ किया। बैठक में कलेक्टर ने जिला परिषद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, महिला अधिकारिता, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय समन्वय स्थापित कर अभियान का सफल क्रियान्वयन करावें। उन्होंने सभी बीसीएमओ को निर्देश दिये कि चिकित्सा कर्मियों को स्क्रीनिंग आदि के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करावें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान के तहत जिले के सभी लक्षित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग एवं हीमोग्लोबिन की जांच कर आवश्यकता के अनुसार नि:शुल्क उपचार उपलब्ध करवाया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने अभियान के बारे में जानकारी दी।

आम सूचना

"जय सिंह शेखावत पुत्र श्री नारायण सिंह, निवासी मकान नं. बी-96, विनायक विहार, बजरंग द्वारा, हरनाथपुरा, जयपुर (राज.) ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर की योजना राधा रेजीडेन्सी 1st विस्तार स्थित नेवटा, सांगानेर, जयपुर के भूखण्ड सं. 37 के मूल दस्तावेज गुम हो गये है जिस बाबत गुमशुदगी रपट सं. 175 दिनांक 08.09.2022 को पुलिस थाना वैशाली नगर में दर्ज करवाई है तथा उक्त रिपोर्ट की प्रतिलिपि व बन्ध पत्र, शपथ पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये तथा डुप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड का डुप्लीकेट पट्टा, रसीद व साईड प्लान जारी करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में सम्पर्क करे, अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्ड के डुप्लीकेट दस्तावेज जय सिंह शेखावत के नाम जारी कर दिये जायेंगे, बादमियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नहीं होगा।

(हेमन्त कुमार पलोड़), एडवोकेट
मोबाइल नं. 9314511091

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम गुलशेर रंगरेज से बदलकर गुलशेर अहमद पुत्र बाबूदीन रंगरेज रख लिया है, भविष्य में मुझे गुलशेर अहमद निवासी 1356, राधा किशन का कुण्ड, चाणक्या मार्ग, सुभाष चौक, चौकडी रामचन्द्रजी, जयपुर के नाम जाना जाये।

मैंने अपना नाम सरोज कुमारी पत्नि राजकुमार शर्मा से बदलकर सरोज शर्मा निवासी टी-2, 1201 रंगोली ग्रीन पांच्यावाला, जयपुर, राजस्थान रख लिया है भविष्य में मुझे सरोज शर्मा के नाम से जाना पहचाना जाए।

I Minhaz Khan D/o. Munawar khan has changed my Name from Minhaz Khan to Minaz Khan for all future purposes.

I, RATHORE MOHAN SINGH Father of NUMBER 4581185L RANK L/HAV NAME RATHORE BHAVANISINGH presently residing at 131, HANUMAN VATIKA-A, GOKULPURA, JHOTWARA, JAIPUR RAJ-302012, have changed my Name from RATHORE MOHAN SINGH (Old Name) to MOHAN SINGH RATHORE (New Name) vide Affidavit dated 04.02.2025 before Notary, Govt of India, RAJ.

I, RATHORE ENDAR KANWAR M mother of NUMBER 4581185L RANK L/HAV NAME RATHORE BHAVANISINGH presently residing at 131, HANUMAN VATIKA-A, GOKULPURA, JHOTWARA, JAIPUR, RAJ- 302012 have changed my Name from RATHORE ENDAR KANWAR M (Old Name) to ENDAR KANWAR (New Name) vide Affidavit dated 04.02.2025 before Notary, Govt of India, RAJ.

कोटपूतली जिला मुख्यालय पर डीजे कोर्ट खुलवाने की मांग

कोटपूतली। जिला कोटपूतली-बहरोड़ में जिला एवं सत्र न्यायालय व इसके समकक्ष न्यायालय खुलवाये जाने को लेकर कोटपूतली व बहरोड के बीच उपजे विवाद ने तुल पकड लिया है। इस मांग को लेकर कोटपूतली व बहरोड के अधिवक्ताओं के बीच गतिरोध लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

- जिला अभिभाषक संघ का विरोध प्रदर्शन निरन्तर जारी

आपको बता दें कि जिला अभिभाषक संघ कोटपूतली द्वारा बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन कर कोटपूतली में डीजे कोर्ट खुलवाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल व विधायक हंसराज पटेल को ज्ञापन सौंपा गया था। साथ ही 15 फरवरी तक सम्पूर्ण पेन डाउन हड़ताल का ऐलान करते हुये न्यायिक कार्यो का बहिष्कार भी किया गया था। इसी क्रम में शनिवार को लगातार चौथे दिन भी पेन डाउन हड़ताल जारी रही। वहीं बडी संख्या में अधिवक्तागण जिला अभिभाषक संघ के बैनर तले कस्बे के मुख्य मार्गो से विरोध जुलूस निकालते हुये भारी नारेबाजी कर पैदल मार्च के साथ संघ के अध्यक्ष एड. उदय सिंह तंवर के नेतृत्व में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर से आजाद चौक स्थित कचहरी परिसर पहुँचे। जहाँ पर सभी अधिवक्ताओं समेत स्टाम्प वेंडर, डीडराईटर, ऑथ कमिश्नर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों आदि ने हड़ताल को अपना पूर्ण समर्थन दिया। साथ ही संघ के बैनर तले कचहरी परिसर के रामलीला मंच पर अनिश्चितकालीन धरना व विरोध प्रदर्शन किया गया। संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर ने बताया कि धरना प्रदर्शन व कार्य का बहिष्कार शनिवार को भी जारी रहा। वहीं बडी संख्या में अधिवक्ताओं ने धरने को सम्बोधित किया। दुसरी ओर आन्दोलन की आगामी रूपरेखा तय करने के लिये संघ की बैठक का आयोजन अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों ने आगामी 18 फरवरी तक न्यायिक कार्यो को पूर्व की भांति पूर्णतया स्थगित करने का निर्णय लिया। साथ ही न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने सोमवार से भूख हड़ताल पर बैठने का भी निर्णय लिया। इस दौरान अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर समेत उपाध्यक्ष रंजीत सिंह वर्मा, सचिव हेमन्त शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र रावत व रीछपाल सिंह चौधरी, अशोक कुमार सैनी आदि अधिवक्तागण मौजूद रहे।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

आदेश 5 के नियम 1 और 5
न्यायालय सहायक कलेक्टर सांभरलेक जिला जयपुर
उपखंड अधिकारी कि. रेनवाल
घीसूसिंह बनाम विक्रम सिंह व अन्य
वाद पत्र सं. 8/22
वाद विभाजन एवं स्थायी निषेधाज्ञा

बनाम :- 1. विक्रम सिंह पुत्र गोविंद सिंह 2. पुष्पा कंवर पत्नि गोविन्द सिंह 3. संजू कंवर पुत्री गोविन्द सिंह समस्त जाति राजपूत निवासी पीपरोली वाया सरवाड़ जिला अजमेर राज. 4. मोहन सिंह पुत्र गिरधारी सिंह जाति राजपूत निवासी मंडूकरा जिला नागौर राज. 5. तहसीलदार तहसील कि. रेनवाल जिला जयपुर 6. सब रजिस्ट्रार तहसील कि. रेनवाल।

उपरोक्त आपके विरुद्ध उपरोक्त के वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 21.2.25 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करे। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता. 29.1.25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा से लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत — आज्ञा से
रीडर न्यायालय उपखंड अधिकारी
किशनगढ़ रेनवाल, जिला जयपुर ग्रामीण

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

विज्ञप्ति संख्या-01/2025

सार्वजनिक सूचना मृतक के आश्रित की अनुकम्पात्मक नियुक्ति

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में पूर्व में कार्यरत श्री सगन सिंह, लिपिक ग्रेड-1 व श्री रामस्वरुप सैन, सहायक कर्मचारी तथा श्री विजय, सफाई/सहायक कर्मचारी की विश्वविद्यालय सेवा में रहते हुये मृत्यु के उपरान्त उनके आश्रितों के द्वारा अनुकम्पात्मक नियुक्ति हेतु आवेदन किये है :-

क्र. सं.	मृतक कर्मचारी का नाम	मृतक के आश्रित का नाम व सम्बन्ध	मृतक कार्मिक की मृत्यु दिनांक	आश्रित को प्रस्तावित पद	निवास
1.	स्व. श्री सगन सिंह	श्रीमती कविता कंवर (पत्नी)	08.08.2024	सहायक कर्मचारी	बामनहेडा, देवल, फतहपुरा, जिला-अजमेर
2.	स्व. श्री रामस्वरुप सैन	श्री सुरेन्द्र सैन (पुत्र)	13.09.2024	लिपिक ग्रेड-2	ई-1/6, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर
3.	स्व. श्री विजय	श्री विशाल लोट (पुत्र)	10.12.2024	लिपिक ग्रेड-2	म.नं.-8, सीताराम कॉलोनी, सांगानेर, गौशाला, जयपुर

नोट: इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में यदि उक्त आश्रितों की अनुकम्पात्मक नियुक्ति में किसी को कोई आपत्ति हो तो कुलसचिव कार्यालय कमरा नं. 203, सरदार पटेल भवन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर को सूचित करें। आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में विश्वविद्यालय नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

(राजकुमार कस्वा)
कुलसचिव

!! कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक, करौली (राज.) !!

क्रमांक:-व-15 ( ) सामा.-करौली/घोड/2025/1289-99 दिनांक: 14.02.2025

खुली निविदा

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक, करौली में वर्ष 2025-26 के लिए विभागीय 06 घोडों के उपयोगार्थ निम्न खाद्य सामग्री क्रय करने हेतु खुली निविदा जारी की जाती है। जिसमें इच्छुक निविदा दाता अपनी निविदाऐं निर्धारित शुल्क से दिनांक 10.03.2025 तक इस कार्यालय से प्राप्त कर सकेगे। निविदाऐं दिनांक 10.03.2025 को 01.00 बजे तक प्राप्त कर उसी दिनांक को 02.00 बजे समस्त निविदा दाताओं के समक्ष खोली जावेगी।

क्र.सं.	निविदा विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1	चना 30 क्वि., जौ. 50 क्वि., चापड/चौकर 20 क्वि. नमक सादा 55 कि.ग्रा., नमक सैंदा 55 कि.ग्रा.	4.50.000/-	9000/-	200/-

निविदा की शर्तें:-
1. प्रस्तुत दरों में कांट-छांट ओवर राईटिंग मान्य नहीं होगी।
2. सशर्त एवं तार द्वारा प्राप्त निविदायें मान्य नहीं होगी।
3. दर सभी करों एवं समस्त खर्चों सहित एवं एफ.ओ.आर. प्रस्तुत करें।
4. निविदादाता फर्म का कोई अपराधिक रिकार्ड व ब्लैक लिस्टेड नहीं होनी चाहिए।
5. आदेश दिये जाने के 15 दिवस में सप्लाई/कार्य पूरा करना होगा। देरी पर एल.डी. काटी जावेगी।
6. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार इस कार्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।
7. फर्म का जीएसटी रजिस्ट्रेशन/टिन नम्बर होना आवश्यक है। (फोटो प्रति संलग्न करें)।
8. दरे विभाग द्वारा निर्धारित मार्का की ही प्रस्तुत करनी होगी अन्य मार्का पर विचार नही किया जावेगा।
9. अधिकृत विक्रेता/निर्माता/सेवा प्रदाता होने का प्रमाण पत्र निविदा के साथ संलग्न करें। अन्यथा आपको निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
10. लिफाफे पर "वर्ष 2025-26 विभागीय घोडा/घोडी खाद्य सामग्री" की निविदा आवश्यक रूप से अंकित करें।
11. खाद्य सामग्री का नमूना कार्यालय में क्रय समिति को प्रस्तुत किया जाना वांछित है।

जिला पुलिस अधीक्षक
करौली।

खोया-पाया

मेरे प्लाट नंबर 115/15, अग्रवाल फार्म मानसरोवर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड जयपुर का मूल कब्जा पत्र और आवंटन पत्र कहीं गुम हो गये है मिलने पर सूचित करे। 8290011077

सुनिल कुमार सैनी के नाम का SBI Credit Card Collection के लिए जारी किया गया ID card N. 1169908 मालवीय नगर में 25.01.2025 को कहीं गिर गया। मिलने पर सूचित करें-8905751110

जयपुर विकास प्राधिकरण की विधानसभा सचिवालय समूह आवास योजना (विस्तार), धाउवास, जयपुर के मेरे भू-खण्ड संख्या 113 का कब्जा-पत्र खो गया है। कृपया मिलने पर सूचित करें। दुर्गादास मूलचन्दानी (9414340200)

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सुसाइड प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

राजगढ़। कस्बे में चार दिन पूर्व घटित ऋषभ विजय सुसाइड प्रकरण को लेकर संगठनों ने शनिवार को प्रदर्शन कर पुलिस को ज्ञापन सौंपा।

शनिवार को चौपड़ बाजार पर सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनो की ओर से परिजनों के साथ न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। परिजनों की ओर से न्याय की मांग पर संगठनो के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिजनों को दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई भरोसा जताया चौपड बाजार से रैली निकाल कर तहसील परिसर तक महिला पुरुषों ने रोष व्यक्त किया।

भाजपा नेता बन्ना राम मीणा एवं अन्य भाजपा नेताओं ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर मृतक के परिजन, ममता गुप्ता, मीना खंडेलवाल, नीरज शर्मा, मुकेश जैमन, प्रीति विजय, जगदीश सैनी, मदन मोहन शर्मा, विवेक दीक्षित, राजेश्वरी शर्मा, प्रकाश दीक्षित, प्रदीप शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष वंदना शर्मा, संजय शर्मा और अन्य महिला पुरुष मौजूद रहे। थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि मिले दस्तावेज के आधार पर गहनता से जांच की जा रही है। अनेक बिंदुओं के आधार पर जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कस्बे में चार दिन पूर्व घटित ऋषभ विजय सुसाइड प्रकरण को लेकर संगठनों ने शनिवार को प्रदर्शन कर पुलिस को ज्ञापन सौंपा।

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति करौली

क्रमांक/पसक/लेखा/2024-25/4082-85 दिनांक: 13.2.2025

संशोधित ई-नीलामी विज्ञापन सूचना-3/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति करौली के अधीनस्थ ग्राम पंचायत कैलादेवी में दिनांक 26.03.2025 से 12.04.2025 तक चैत्र नवरात्रा पर्व 2025 में लगने वाले मेले में मोटरसाईकिल पार्किंग/कार/मेला ग्राउण्ड में झूला चकरी (मनोरंजन कार्य बस स्टेण्ड), आवारा पशु हेतु गौशाला (बाडा) व्यवस्था का ठेका ई-नीलामी दिनांक 21.02.2025 को प्रात: 11:00 बजे से पंचायत समिति सभागार में ई-बोली खोली या आयोजित की जावेगी। निविदा में भाग लेने हेतु बोलीदाताओं को फोर्म ऑन-लाईन पोर्टल पर http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in दिनांक 20.02.2025 तक प्राप्त किया जा सकता है। निविदा शुल्क/एम.डी.आर.आई.एस.एल. जयपुर/अमानत राशि की डी.डी. विकास अधिकारी पंचायत समिति करौली के नाम देय होगी। निविदा की शर्तें ऑन-लाईन एवं कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि/ सरकारी बोली	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	शुल्क/एम.डी. आर.आई.एस. एल.	निविदा डाउनलोड व हार्ड कॉपी जमा कराने का दिनांक व समय	निविदा खोलने का दिनांक व समय	पार्किंग शुल्क 24 घण्टे तक
1	आवारा पशु हेतु गौशाला (बाडा) व्यवस्था	100000/-	200/-	50000/-	500/-	19.02.2025 से 20.02.2025 तक 06:00 पीएम तक	21.02.2025 को 11:00 एएम से	
2	कैलादेवी मेले में कार पार्किंग	2100000/-	200/-	200000/-	500/-	"	"	100/-
3	मोटरसाईकिल पार्किंग	200000/-	200/-	100000/-	500/-	"	"	30/-

ZKR2425SSRC00562
ZKR2425SSRC00563
ZKR2425SSRC00564

(अजीत सिंह)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति करौली

छात्र की आत्महत्या पर मचा बवाल, सुसाईड नोट में दो शिक्षक व दो ग्रामीणों को ठहराया मौत का जिम्मेदार

- परिजन व ग्रामीण मुर्दाघर के बाहर बैठे धरने पर, 20. घंटे बाद हुआ पोस्टमार्टम
- सरकारी शिक्षक सहित 4 जनो के विरूद्ध छात्र को आत्महत्या के लिये उकसाने का मामला दर्ज

मालपुरा,(निस) मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के पचेवर थानान्तर्गत बरोल गांव मे शुक्रवार की देर शाम एक स्कुली छात्र अभिषेक वैष्णव ने नीम के पेड पर फांसी के फंदे पर लटक आत्महत्या कर ली। स्कुली छात्र का शव पेड से लटका होने की मिली सुचना पर पचेवर थानाधिकारी मुकेश चौधरी मय जाप्ते के मौके पर पहुंच छात्र के शव को पुलिस सुरक्षा में ले मालपुरा जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी।

छात्र के जेब में मिले एक छात्रा से प्रेम प्रसंग का पत्र व शव के पास मिले सुसाईड नोट में सरकारी स्कुल के दो शिक्षक व दो ग्रामीणों को अपनी मौत का जिम्मेदार बता उन पर कार्यवाही की अन्तिम इच्छा जाहिर करने की मिली जानकारी पर गुस्साये परिजन व ग्रामीणों ने अस्पताल के मुर्दाघर के सामने धरना प्रदर्शन किया। चारों के विरूद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज होने पर बीस घंटे बाद एसडीएम अमित चौधरी द्वारा आरोपियो की सात दिन में गिरफ्तारी के दिये आश्वासन के बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम हुआ। मृतक छात्र के मामा बनवारी वैष्णव ने बताया कि गणेती निवासी उसका भांजा अभिषेक वैष्णव लम्बे समय से उसके पास बरोल रह रहा था। जो कि कक्षा 12 मे अध्ययन कर रहा था। शुक्रवार की शाम स्कुल से छुट्टी के बाद रतन लाल जाट व मुकेश जाट सहित अन्य लोगो ने उसके साथ मारपीट कर मोबाईल छीन ले गये तथा उसे धमकियां भी दी। मृतक भांजा अभिषेक उसी की स्कुल मे कक्षा 10० में पढने वाली एक छात्रा से प्रेम करता था जिसकी जानकारी उसे उसके शव के पास मिले सुसाईड नोट व जेब मे मिले प्रेम पत्र से मिली इस बारे मे स्कुल के शिक्षको ने पहले कभी उसे किसी प्रकार की कोई जानकारी नही दी। मेरे भांजे को शिक्षक गणेश जाट व विद्यालय मे संविदाकर्मी शिक्षक किशनलाल जाट आये दिन धमकाते थे जिसकी जानकारी भी सुसाईड नोट से मिली। यदि मृतक अभिषेक ने कोई गलती व गुनाह किया था तो शिक्षको ने उसे क्यों नही बताया।

मामा बनवारी की और से सुसाईड नोट के आधार पर दोनो शिक्षक व दोनो ग्रामीणो के विरूद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाने की मांग करते हुये मालपुरा जिला अस्पताल मे मुर्दाघर के सामने ग्रामीणो के साथ धरने पर बैठ गये। पुलिस वृत्ताधिकारी आशीष प्रजापत व डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी मयजाप्ते के अस्पताल पहुंच धरने पर बैठे परिजन व ग्रामीणो से समझाईश कर मामले मे निष्पक्ष जांच व कार्यवाही का विश्वास दिलाया। लेकिन परिजन रिपोर्ट दर्ज होने व गिरफ्तारी होने के बाद ही पोस्टमार्टम करवाने व शव लेने की अपनी मांग पर अडे रहै।

दिनभर चले समझाईश वार्ताओं के दौर व घटनाक्रम के बाद भी परिजनो का विरोध जारी रहने पर मौके पर पहुंचे एसडीएम अमित चौधरी, तहसीलदार पवन मातवा, डीएसपी आशीष प्रजापत, थानाधिकारी मुकेश चौधरी, द्वारा सात दिन मे आरोपियो की गिरफ्तारी सहित पिडित परिवार को नियम संगत सरकारी योजनाओं का लाभ देने व निष्पक्ष जांच के दिये आश्वासन पर घटना के तकरीबन बीस घंटे बाद परिजनो की समति पर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा पुलिस ने शव को परिजनो को सौंपा। तो मामले मे सरकारी स्कुल के शिक्षको के विरूद्ध मामला दर्ज होने को लेकर शिक्षक संघ मे आक्रोश की भी जानकारी दिनभर सुर्खियां बनी रही।

छात्र द्वारा आत्महत्या करने के मामले में परिजन व ग्रामीणों मुर्दाघर के बाहर धरना देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

एडीजीपी ने किया थानों का निरीक्षण

टोंक। संजीव कुमार नार्जारी एडीजीपी सतर्कता जयपुर ने डीवाईएसपी कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण कर महिला सखी, पुलिस मित्र और सीएलजी सदस्यों को साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्क रहने तथा अधिकारियों, कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नार्जारी ने कहा कि एआई युग में जागरूकता बेहद जरूरी है, पुलिस हर जगह मौजूद नहीं रह सकती, इसलिए आमजन को भी सतर्क रहकर समय पर पुलिस को सूचना देनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान गोपीनाथ मंदिर में साढ़े चार माह पूर्व हुई 20 लाख रुपए की चोरी का मामला भी उठा, जिस पर उन्होंने चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

नार्जारी ने जिले में बढ़ते नशे के मामलों और अवैध बजरी खनन पर कड़ी कार्यवाही तथा अधिकारियों को लंबित मामलों को जल्द निपटाने और विभागीय कमियों को दूर करने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में टोंक पुलिस अधीक्षक विकास सागवान, एएसपी बिजेंद्र सिंह भाटी, गीता चौधरी, डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा सहित स्थानीय थाना अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान ।क्ळच को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया।

पंचतत्व में विलीन नीलकाधाम महंत रामधनदास महाराज

पावटा। कस्बे के नीलकाधाम के 90 वर्षीय महंत रामधनदास महाराज शुक्रवार तड़के पंचतत्व में विलीन हो गए। सुबह नीलकाधाम महंत के देवलोक गमन की खबर सुनते ही संत समाज में शोक छा गया तथा मंदिर में साधु-संतों सहित आसपास के लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। इनकी अंतिम बैकुंठ यात्रा में संत, महात्मा सहित अनेक महंत व ग्रामीण शामिल हुए। शुक्रवार सुबह 4.38 बजे महंत रामधन दास महाराज ने अपना देह त्याग दिया और देवलोक गमन हो गए। जिसके बाद मंदिर में हरी कीर्तन चलता रहा।

शुक्रवार दोपहर 12 बजे मंदिर से बैकुंठ शोभायात्रा रवाना हुई जो समाधि स्थल पहुंची। बैकुंठ यात्रा रथ रूपी वाहन में बिठाकर निकाली गई।

महंत रामधन दास महाराज की अंतिम यात्रा में क्षेत्र के त्रिवेणीधाम के रामरिछपालदास महाराज, खेडकी धाम मंदिर महंत मानदास महाराज, कुण्डाधाम मंदिर महंत प्रहलाददास महाराज, जयसिंहपुरा नृसिंहधाम मंदिर महंत सुरजनदास, महाराज, बागावास अहिरान मंदिर औंकारदास महाराज, नीलका संत रामदास महाराज, संत मोहनदास महाराज, टोरडा मंदिर महंत मंगलदास महाराज, आंतेला कुण्डाधाम सुरेशदास महाराज सहित सैकडों साधु-संतों के सान्निध्य व आस पास सैकडो ठाामीणों की मौजूदगी में नगर भ्रमण के बाद अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम बैकुंठ यात्रा में बैंड बाजे,ढोलक ताशे के साथ भजन कीर्तन और रामधुनी के साथ अंतिम यात्रा में ग्रामीणों से पुष्प वर्षा कर अंतिम विदाई दी। साथ ही जगह जगह ठाामीणों ओर भक्तो ने भेट पूजा और नारियल चढ़ाया। टोरडा मंदिर महंत मंगलदास महाराज ने बताया कि महंत रामधन दास महाराज परम भक्त होने के साथ अपनी सादगी के नाम से संत के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी लोभ लालच और मोह माया को अपने पास आने नहीं दिया। रामधन दास महाराज को लेकर हम चिंतित थे।

श्रीमद्भागवत कथा 25 से

- 4 मार्च को समापन पर होगा संत समागम एवं विशाल भंडारा आयोजित

पावटा। महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम पावटा में 25 फरवरी मंगलवार से श्रीमदभागवत कथा व मानस प्रवचन का आयोजन होगा। आयोजक भगवती देवी, विमल गर्ग, नवल गर्ग, केशव कमल गर्ग एवं बाबा भूतनाथ कमेटी जोहड़ा धाम संरक्षक दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, मामराज व अध्यक्ष विकास शर्मा, कमेटी पदाधिकारियों व सदस्यों ने बताया कि महंत मंगलदास महाराज, जयरामदास महाराज, सेवादास महाराज, विधायक बाल मुकुंदाचार्य के कर कमलों द्वारा मंगल चंद पवन कुमार गर्ग कैलाश क्लॉथ स्टोर के पावन सान्निध्य एवं बाबा भूतनाथ मंदिर कमेटी पावटा के संयोजन व में 25 फरवरी मंगलवार से श्रीमदभागवत कथा व मानस प्रवचन का वाचन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक पंडिता अखिलेश्वरी देवी मानस माधुरी जालौन चित्रकूट धाम मध्यप्रदेश द्वारा किया जाएगा।

कथा प्रारंभ होने के पूर्व 25 फरवरी मंगलवार को प्रात: 9:30 बजे से पावटा कस्बा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला से कार्यक्रम स्थल बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम पावटा तक 2100 महिलाओं द्वारा शाही लवाजमे के साथ विधायक कुलदीप धनकड व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी सहित जनप्रतिनिधियों वे ग्रामीणों की मौजूदगी में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी तथा 4 मार्च मंगलवार को संत समागम व विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

वही बाबा भूतनाथ कमेटी अध्यक्ष विकास शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर बाबा भूतनाथ मंदिर मे बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया जायेगा। इस मौके पर बाबा भूतनाथ कमेटी वरिष्ठ कार्यकर्ता रामवतार शर्मा, दिनेश शर्मा, मामराज स्वामी, जम्मन राठी, संतोष गुप्ता, सुशील गौड, गोपाल, अध्यक्ष विकास शर्मा, उपाध्यक्ष विनय गोयल, कोषाध्यक्ष जुगल सोनी, सचिव आकाश शर्मा, कार्यकर्ता लोकेश टांक, विनीत शर्मा, विजय शर्मा, अमन शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, कालूराम प्रजापत, अमित शर्मा, अमित बटवाल, अमित शर्मा, महेंद्र कुमावत, पूरण कुमावत, प्रदीप टांक सहित कमेटी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्र ने पेड़ से लटकर की आत्महत्या

टोंक। मालपुरा उपखण्ड के पचेवर थाना क्षेत्र के बरोल गांव में शुक्रवार सायं एक 12वीं कक्षा के छात्र ने पेड से लटकर अपनी जीवनलीला समाप्त की, छात्र की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें वह अपनी मौत का कारण दो अध्यापक व दो ग्रामीणों को बताया है। सुसाइड नोट में जहां दो अध्यापक किशन चौधरी बायुन्दा, गणेश चौधरी केरिया तथा दो ग्रामीण मुकेश रोलानिया व रतन रोलानिया का नाम बताया गया है, मृतक ने किसी छात्रा से प्रेम प्रसग का भी जिक्र किया है। परिजन जहां आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी की मांग कर रहे, वही 1 करोड रूपये की सहायता राशि तथा मृतक के एक परिजन को सरकारी नौकरी दिये जाने की मांग पर डटे है। पुलिस ने समझाईश कर पोस्टमार्टम कराया तथा मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

कार्गो एयरपोर्ट का 15 साल से है लोगों को इंतजार

- 2010 में केंद्र सरकार ने दी ग्रीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट को सैद्धांतिक मंजूरी, अरबों रुपए के प्रोजेक्ट के शुरू होने का भिवाड़ी कोटकासिम के लोगों को हैं 15 साल से इंतजार
- मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में अलवर को जगह मिलने से कार्गो एयरपोर्ट को लेकर फिर से जागी है उम्मीद

किशनगढ़ बास। अलवर लोकसभा के खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए केंद्र की सरकार ने किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र के उपखंड कोटकासिम के नाम से 2010 में अरबों रुपए का ग्रीनफील्ड कार्गो एयरपोर्ट बनाए जाने की सैद्धांतिक मंजूरी दी हुई है। 15 साल से क्षेत्र के लोगों को अरबों रुपए से बनाए जाने वाले ग्रीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट के बनने का इंतजार है। अब 2014 के बाद 2024 में अलवर को केंद्र सरकार में मंत्री मिला है।

करीब 3 साल पहले कोटकासिम ग्रीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट का मामला सुर्खियों में आया तब जब राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोटकासिम में हवाई पट्टी बनाए जाने के लिए भूमि अधिठाहण किए जाने के आदेश निकाले। उस दौरान किशनगढ़ बास भाजपा नेता पूर्व विधायक रामहेत यादव ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाए की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार में सहयोगी विधायक को खुश करने के लिए ग्रीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट के विकास को रोकने व केंद्र सरकार के अरबों रुपए के ग्रीन कार्गो एयरपोर्ट के प्रोजेक्ट का बेडा गर्क करने के लिए हवाई पट्टी के लिए भूमि अधिग्रहण करना चाह रहे है।

पूर्व विधायक रामहेत यादव के विरोध के बाद कोटकासिम में हवाई पट्टी के लिए भूमि अधिग्रहण किए जाने के कार्य को रोक दिया गया। अब राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार है। केंद्र की सरकार में अलवर से प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद भूपेंद्र यादव मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण मंत्रालय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री है। पूर्व विधायक रामहेत यादव के बेहद करीबी मित्र है। ऐसे में लोगों को अब अरबों रुपए से बनने वाले ठाीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट को लेकर उम्मीद की किरणें दिखाई पड़ने लगी है।

क्योंकि जैसे देश मोदी पर भरोसा करता है वैसे ही आज अलवर की जनता भूपेंद्र पर भरोसा करने लगी है। इसलिए देश में मोदी और अलवर में भूपेंद्र है तो कोटकासिम में कार्गो एयरपोर्ट को हरी झंडी मिलना मुमकिन है।

भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र को बड़े स्तर पर विकसित करने व स्वच्छ सुंदर हरित भिवाड़ी बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पूरी तरह प्रयासरत है और ऐसे में कोटकासिम में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट बनता है तो ना केवल भिवाड़ी नीमराना शाहजहांपुर रेवाड़ी औघोगिक क्षेत्र को लाभ मिलेगा बल्कि अलवर जिले का विकास होगा वहीं रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

जानकारी के अनुसार 2010 में ठाीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट की सैद्धांतिक मंजूरी वाले भिवाड़ी कोटकासिम को 2017 में केंद्र सरकार ने कोटकासिम में बनने वाले ठाीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट को रीजनल प्लान के अंदर शामिल किया और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्लान तैयार कर 10 हजार करोड़ की मंजूरी प्रदान की गई। 2019 से शुरू होकर 31 मार्च 2022 तक पूर्ण किया गया।2024 25तक चार चरणों में पूर्ण कराया जाना प्रस्तावित था। इसके लिए कोटकासिम के 7 तिजारा के 5 और किशनगढ़ बास के 2 गांवों को लिया गया है। 2010 में जब ग्रीन फील्ड कार्गो एयरपोर्ट की सैद्धांतिक मंजूरी भिवाड़ी कोटकासिम को मिली उस दौरान 2009 में अलवर से सांसद बनकर केंद्र सरकार में जितेंद्र सिंह मंत्री बने थे। उसके बाद अब 2024 में अलवर लोकसभा से चुनाव जीते भूपेंद्र यादव मंत्री बने हैं। इस बीच अलवर से महंत चांदनाथ , डॉ करण सिंह यादव और फिर उसके बाद महंत बालक नाथ योगी अलवर से सांसद बने लेकिन इनमें से मंत्री कोई नहीं बन सका था।

सार-समाचार

3 वर्ष से फरार आरोपी पकड़ा

बौंली-बामनवास। सवाई माधोपुर जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे फरार आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत बौंली पुलिस थाने के हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल कांस्टेबल मुकेश कुमार व जाविद अली की टीम ने 3 वर्ष से फरार चल रहे 5हजार के इनामी प्राण घातक हमले के आरोपी विनोद मीणा उम्र 32 वर्ष निवासी गंभीरा थाना मलारना डूंगर को खिरनी तिराए से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बौंली थाना प्रभारी राधारमन गुप्ता ने बताया कि 15 मार्च 2022 को रामहेत मीणा निवासी गंभीरा ने मामला दर्ज कर बताया था कि 14 मार्च 2022 को मेरा पुत्र सौतोली गांव में नुक्ते में आया हुआ था वापस शाम 7:30 बजे अपने गांव गंभीरा आ रहा था इसी दौरान विनोद व बनेश उर्फ फौरया मीणा निवासी गालद खुर्द ने रोक कर लाठी, डंडों व कुल्हाडी से जानलेवा हमला कर दिया जिसमें मेरे पुत्र के सिर व शरीर पर जगह-जगह गंभीर चोंटे आई। बौंली पुलिस ने अभियोग संख्या 76/2022 में प्राण घातक हमले की धारा 307 सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया एवं बनेश उर्फ फौरया मीणा को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया लेकिन आरोपी विनोद 3 वर्ष से अपने घर से फरार चल रहा था जिसे मुखबिर की सूचना पर खिरनी तिराए से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां न्यायालय ने 27 फरवरी 2025 तक आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

जैन संतों का निवाई की ओर बढ़ते कदम

निवाई। उपाध्याय संत विकसंतसागर महाराज ससंघ एवं चर्या, मुनि समत्वसागर महाराज संघ, मुनि साक्ष्यसागर महाराज ससंघ एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ सहित कई जैन संतों का विहार चल रहा है जिसमें सभी चतुर्विंध जैन मुनियों सहित जैन संतों का आगामी 19 फरवरी तक निवाई में पहुंचने की संभावना है। इस दौरान निवाई जैन समाज के नवरत्न टोंग्या व हितेश छाबड़ा के साथ कई लोग साथ चल रहे हैं। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला व सुनील भाणजा ने बताया कि सभी जैन संतों का मंगल विहार दिल्ली जयपुर से पद विहार करते हुए 19 व 20 फरवरी को निवाई में पदार्पण होंगे। जिनका निवाई में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा शाही ठाठ बाट एवं गाजे बाजे के साथ अगुवानी करेंगे। जौंला ने बताया कि सभी जैन संतों का मंगल विहार जयपुर से विहार करते हुए बीलवा, पदमपुरा, बापूगांव, चाकसू, विज्ञा तीर्थ क्षेत्र होते हुए निवाई पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि सभी जैन मुनियों का सैलाब निवाई से सुमति धाम इन्दोर में 5 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आयोजित कार्यक्रम में सानिध्य प्राप्त करेंगे।

कलक्टर व एसपी को ज्ञापन सौपा

पीपलू। लांबाहरिसिंह कस्बे के हरिसागर कुंड में मिले छात्रा के शव मामले में लोगों में नाराजगी कम नहीं हो रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर शनिवार को अखिल भारतीय जांगिड समाज के लोगों ने टोंक पहुंचकर प्रिया जांगिड़ हत्या प्रकरण को लेकर जिला कलक्टर व एसपी आफिस मे सीबीआई जांच कराने की मांग की है। जांगिड समाज ने प्रशासन व पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। समाज ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार करने तथा प्रकरण की जांच सीबीआई से करवाने मांग की है। जांगिड समाज के लोगो ने बताया कि मृतका के पिता सुरेश जांगिड़ ने हत्या की आशंका को लेकर नामजद रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया था कि किसी युवक की ओर से उसकी पुत्री को परेशान किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि पुलिस आज तक भी छात्रा के हत्या प्रकरण के मामले में खाली हाथ है। इसको लेकर परिजनों व जांगिड समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस अवसर पर जिला मिडिया प्रभारी कृष्णकुमार जांगिड, जिलाध्यक्ष बद्रीलाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र, पीपलू तहसील अध्यक्ष एडवोकेट हनुमान प्रसाद, टोंक अध्यक्ष राधेश्याम, नगरफोर्ट अध्यक्ष हनुमान, बिडोली सरपंच ओमप्रकाश, मन्दिर अध्यक्ष रमेश, रामधन, सुमित, दिनेश, कैलाश, ब्रह्मदत्त, प्रेमचंद, श्योजीराम, कृष्णचन्द्र, गिर्राज, रामअवतार, लोकेश, महावीर, महेश, कमलेश, मनोज व सत्यनारायण सहित कई लोग मौजूद थे।

शहीदों युवाओं ने कैंडल जला कर दी श्रद्धांजलि

पावटा। कस्बा स्थित घंटाघर चौक में शुक्रवार की शाम को सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला व राशन डीलर अध्यक्ष कृष्ण कुमार ओला ने नेतृत्व में पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों को कैंडल जला कर श्रद्धांजलि दी गयी। इसके पूर्व पुलवामा के शहीद अमर रहे, भारत माता की जय, भगत सिंह अमर रहे जैसे नारे लगाये गये. दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस भावुक क्षण में देशभक्ति का संदेश देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। राष्ट्र हमेशा उनका कृतज्ञ रहेगा। जिस तरह से पुलवामा में हमारे सैनिकों की हत्या हुई थी, हम सभी इसकी निंदा करते हैं यह कायरतापूर्ण हमला था। हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शहीद के परिजनों को शक्ति दे। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने शहीदों की तस्वीर में पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूर्व वार्ड पार्षद राकेश मीणा, सियाराम ओला, डाकघर अभिकर्ता रामशरण बोहरा, सेवानिवृत शिक्षक बालकृष्ण योगी विजय पंसारी, महिपाल कुमावत, शेरू सैनी, कमलेश यादव, दामोदर बोहरा, राहुल बोहरा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण उद्योग मेला आज से

- पहली बार जैन सखी संगठन द्वारा सर्व समाज की मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का अनुठा प्रयास

निवाई। जैन सखी संगठन निवाई के तत्वावधान में श्री महावीर जनोपयोगी भवन में 16 फरवरी से तीन दिवसीय महिला सशक्तिकरण उद्योग मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए सखी संगठन की महिलाओं ने घर घर जाकर महिलाओं को पत्रिका भेंट कर आमंत्रण दिया गया। जैन सखी संगठन की अध्यक्ष ममता जैन सांवलिया एवं मीडिया प्रभारी संजू जौंला ने बताया कि तीन दिवसीय महिला सशक्तिकरण उद्योग मेले के मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप हीना ईसरानी, रवि सरोज अठावाल एवं सुनील कविता भाणजा होंगे।

जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि उद्योग मेले के स्पान्सर प्रेमचंद गुणमाला देवी जैन सांवलिया रहेंगे। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय महिला सशक्तिकरण उधोग मेला 16, 17 व 18 फरवरी को सुबह 11 से शाम 5 बजे तक चलेगा। उन्होंने बताया कि निवाई शहर में पहली बार जैन सखी संगठन द्वारा सर्व समाज की मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का अनुठा प्रयास किया जा रहा है। यह मेला आम जनता के लिए रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस मेले में आने वाले सभी ग्राहकों के लिए प्रतिदिन 3 लक्की ड्रा भी निकाला जाएगा। मेले में लेटेस्ट ज्वेलरी, होम डेकोर आईटम, फेन्सी स्टाल, सूट्स कुर्तियों की नई वैरायटी, बच्चों के नाईट वियर सूट्स, काटन व हेण्डलूम साडियां, हाथ की बनी हुई मंगोड़ी, पापड़, शुद्ध फूड स्टॉल व गेम जोन एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

भामाशाह सम्मान समारोह : निवाई राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय कानूनगों में वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएमसी सदस्य मदन भडाना एवं हेमराज शर्मा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण कर किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर हेमराज शर्मा ने कहा कि छात्र-छात्राओं को अपने लक्ष्य का ध्यान रखना चाहिए। गुरुजनों की बात मानते हुए शिक्षण कार्य के प्रति सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। प्रधानाध्यापक कौसर सुल्ताना ने विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मदन भडाणा एवं हेमराज शर्मा ने विद्यालय को 5100-5100 रुपए देने की घोषणा की।

'शिक्षा ही सबसे बड़ा धन'

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरथला में वार्षिकोत्सव, प्रतिभा सम्मान पूर्व छात्र एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, समाजसेवी प्रमिला खंडेलवाल, भरथला के प्रशासक पृथ्वीराज मीणा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा, एसएचओ माइक्रो फाउंडेशन के निर्देशक कमलेश गुर्जर, शिक्षक संघ राष्ट्रीय के पूर्व अध्यक्ष एवं श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महामंत्री रामकिशन बहादुरपूरा व प्रधानाचार्य गिरिराजप्रसाद गुर्जर ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया और सभी मॉडल का अवलोकन कर नन्ही मुन्नी प्रतिभाओं की हौसला अफजाई किया। मुख्य अतिथि विधायक ने शिक्षा को सबसे बड़ा धन बताते हुए सबसे अधिक समय शिक्षा पर खर्च करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ठाामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उनको तराश कर आगे बढ़ाने वालों की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यालय में कक्षा कक्ष निर्माण व टीन शेड की घोषणा की। स्काउट गाइड संघ की प्रधान समाजसेवी प्रमिला खंडेलवाल द्वारा विद्यालय विकास हेतु 21 हजार रूपए का नगद सहयोग प्रदान कर बालिकाओं को शिक्षा हेतु प्रेरित किया।

चोरों का आतंक, शहर से लेकर गांवों तक दहशत

- पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने पीड़ितों से मिल आईजी अजयपाल लाँबा सहित प्रमुख पुलिस के आला अधिकारियों से बात कर घटना में शामिल चोरों को जल्द से जल्द गिरफ़्तार करने की मांग की

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में शहर से लेकर गांवों तक चोरों ने आतंक मचा रखा है। आये दिन हो रही चोरी घटनाओं से लोगों में दहशत है। चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने को शहर से लेकर गांवों तक में लोग रतजगा कर रहे हैं। हर दिन किसी न किसी क्षेत्र में चोरी की घटनायें हो रही हैं। पुलिस चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व खुलासा करने में फेल साबित हो रही है। कुछ समय से शहर से लेकर ठाामीण क्षेत्र तक चोरी की घटनायें काफी आये दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर चोरों ने लोगों की नाक में दम कर दिया है। चौक-चौराहें की आभूषण व अन्य कीमती सामानों की दुकानों व सूने मकानों में भी चोरी घटनाएं होने लगी हैं। चोर सेंधमारी करने से लेकर लोगों के सूने मकानों के दौरान घर खंगाल दे रहे हैं।

वहीं पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने प्रागपुरा में पीड़ितों के घर पहुँच कर घर पर हुई चोरी तथा चोरों द्वारा किए गए नुक़सान की जानकारी ली। इस संपूर्ण घटना के बारे में आईजी अजयपाल लाँबा सहित प्रमुख पुलिस के आला अधिकारियों से बात कर घटना में शामिल चोरों को जल्द से जल्द गिरफ़्तार करने की माँग की। उन्होंने कहा कि आये दिन अपराध के ग्राफ में इजाफा पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ है। पुलिस एक मामले को जब तक सुलझा नहीं पाती, तब तक दूसरी वारदात हो जाती है। लगातार चोरी की घटनाएं हो रही है। इन घटनाओं का खुलासा करने में पुलिस विफल साबित रही है।

बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोगों में दहशत हैं। पिछले माह की अपेक्षा इस माह में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई हैं। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में आये दिन दुकान, मकान में चोरी की घटनायें हो रही हैं। शहर में कई सूने मकानों में चोरी हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस एक भी चोरी का खुलासा नहीं कर सकी है और ना ही अंकुश लगा पा रही है। इससे पुलिस अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगा हैं। शहर से लेकर ठाामीण क्षेत्रों तक में लगातार चोरी की घटनायें हो रही है। इसमें स्थानीय से लेकर बाहरी चोरों के शामिल होने का शक है।

कुछ जगहों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के दौरान जिस तरह की गतिविधियां देखी गई है उनके बाहरी होने का शक है। इन घटनाओं ने पुलिस की रात्रि गश्ती की पोल खोल दी है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदात से आम लोगो में दहशत हैं। वहीं, क्षेत्र सहित अन्य हिस्से में बढ़ते चोरी की घटना को रोकना व चोर गिरोह का पर्दाफाश करना पुलिस की एक चुनौती बनी हुई हैं।

पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने पीड़ितों से मुलाकात की।

खेल जगत

''हम अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कुछ खिलाड़ी हैं जो ओलंपिक के बाद अपने पहले प्रो लीग मैच में खेलेंगे।''

- सलीमा टेटे

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान, एफआईएच प्रो लीग में खेलने को लेकर।

आज का खिलाड़ी

हरमनप्रीत सिंह

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य एफआईएच प्रो लीग के प्रत्येक मैच को जीतना और लीग में शीर्ष पर रहकर 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना है। भारत शनिवार को भुवनेश्वर में स्पेन के खिलाफ अपने एफआईएच प्रो लीग अभियान की शुरुआत करेगा। भारत इसके बाद अगले दिन फिर से स्पेन का सामना करेगा। इसके बाद वह 16 और 19 फरवरी को जर्मनी से खेलेगा। हरमनप्रीत ने एफआईएच प्रो लीग के उद्घाटन से पहले कहा, ''हॉकी इंडिया लीग से हमारा अभ्यास अच्छा चल रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... 67 साल पहले डॉन ब्रैडमैन टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो गए थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी औसत का उनका रिकॉर्ड आज तक कोई नहीं तोड़ पाया।

भारतीय पोलो टीम ने द. अफ्रीका को 7-5 के स्कोर से हरा शील्ड अपने नाम की

जयपुर, 15 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शनिवार को हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय पोलो मैच एचएच राजमाता पद्मिनी देवी ऑफ जयपुर इंटरनेशनल शील्ड एंड आईपीए इंटरनेशनल डे खेला गया। यह मैच भारतीय टीम और दक्षिण अफ्रीकी टीम के बीच खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 7-5 के स्कोर से हराकर शील्ड अपने नाम कर ली। इस अवसर पर डायकलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से अनिता टोंग्या और इंडियन पोलो एसोसिएशन (आईपीए) के मानद सचिव और 61 कैवेलरी के कमांडेंट, कर्नल वीएस कहलों, वीएसएम उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता टीम को शील्ड प्रदान की। भारतीय टीम से शमशीर अली ने 3 गोल और सिमरन शेरगिल ने 2 गोल किए। वहीं टीम के लिए महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और अभिमन्यु पाठक ने 1-1 गोल किया। इसी प्रकार, दक्षिण अफ्रीका टीम से टायसेन ओसुलिवन ने 3 गोल किए। खिलाड़ी जोहान डू प्रीज़ और उलरिच स्पाइज़ ने 1-1 गोल किया। टीम से अन्य खिलाड़ी डंकन लो भी खेले।

गिरे : गिरते हैं शह-सवार ही मैदान-ए-जंग में, वो तिफल क्या गिरेगा जो घुटनों के बल चले। कुछ इस तरह की पंक्तियां शनिवार को पोलो खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका

पोलो खिलाड़ी डंकन लोवे पर फब्ती है। मैदान में अपने पीछे खेल रहे साथी की बॉल को गोल करने के चक्कर में अपने घोड़े से गिर गए। उस समय घोड़े की रफ्तार तेज थी तो शरीर का वेग भी वैसा ही था पर अचानक बॉल देखकर घोड़ा रुका तो बैलेंस बिगड़ने से मैदान में गिर गए। गिरने के बाद भी हौसले में कोई कमी नहीं दिखाई। गिरने के बावजूद डंकन लोवे बोले, ऑल राइट, और वापस अपने घोड़े पर सवार होकर मैच पूरा किया।

बॉलटूटी : महाराजा पदमनाभ सिंह ने तीसरे चक्कर मे शमशीर को पास देने के लिए मैदान के राइट साइड से एक शॉट लिया, पदमनाभ सिंह का शॉट इतना तेज तर्रार था कि उस शॉट से बॉल के दो टुकड़े हो गए। एक टुकड़ा भारतीय टीम के

खिलाड़ी के पास और दूसरा टुकड़ा दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाड़ी के पास गिरा। ये नज़ारा देखकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों ओर दर्शको को हसीं आ गई। एम्पायर भी हंसने लगे। एक खुशनुमा माहौल हो गया था मैदान में। एम्पायर ने दोनो बॉल के टुकड़े मैदान से बाहर निकलवाए ओर मैच दूसरी बॉल लेकर शुरू करवाया।

गार्ड आफ ऑनर : महाराजा पदमनाभ सिंह ने आत्मीयता वाली परंपरा दोहराई

जयपुर, 15 फरवरी। आज महाराजा पदमनाभ सिंह ने भारतीय पोलो टीम की जीत के बावजूद दक्षिण अफ्रीका पोलो टीम को पहले अभिवादन के लिए भेजा ओर उसके बाद भारतीय पोलो टीम अभिवादन के लिए आई। पोलो प्रेमियों को अपने महाराजा की ये अदा बहुत पसंद आई। कई वर्षों के बाद गुलाबी नगरी के राजस्थान पोलो मैदान पर पोलो प्रेमियों में भारतीय पोलो और दक्षिण अफ्रीका पोलो टीम के प्रति इतना जज्बा नजर आया। भारतीय पोलो टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शमशीर अली, पद्मनाभ सिंह, सिमरन शेरगिल ने बेहतरीन गोल बनाए, अभिमन्यु पाठक ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय टीम की जीत के बाद भी लोगों ने साउथ अफ्रीका टीम के लिए अपनी- अपनी जगह खड़े होकर अभिवादन किया। तालियों की करतल ध्वनि से भारतीय पोलो टीम की जीत का जश्न मनाया और उन्हें बधाइयां दीं। इससे पूर्व भी जयपुर में अली ब्रदर्स, गोदारा ब्रदर्स, कलान ब्रदर्स, लोकेंद्र सिंह, महाराज पदमनाभ सिंह , समीर सुहाग और विशाल सिंह जब अच्छा खेलते और टूर्नामेंट जीतते थे तो जयपुर के लोग उन्हें अपने सर-आंखों पर बिठाते थे।

राजस्थान यूथ ने रोमांचक मैच में चम्बल स्पोर्ट्स को हराया

जयपुर, 15 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने चम्बल स्पोर्ट्स क्लब को 3 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने टॉस जीतकर पहले चम्बल स्पोर्ट्स क्लब को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। चम्बल स्पोर्ट्स ने राहुल खंडेलवाल के 90 रन, रोहन राजभर के 81 रन, लोकेश सैनी के 63 रन, श्रेय सक्सेना के 24 रनों से 50 ओवर में 7 विकेट पर 309 रनों का स्कोर बनाया। राजस्थान यूथ के लिए अनुज मीना, रोहन सिंह, भुवनेश शर्मा, कैफ गुडएज, विनय अमरिया व आदर्श शर्मा ने एक-एक विकेट लिया। जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने पहला विकेट 4 रन पर गंवाने के बाद भुवनेश शर्मा 45 रन व अभय शर्मा 84 रन ने दूसरे विकेट के लिए 117 रनों की साझेदारी बाद में रिहान अली नाबाद 85 रन व जयंत ताम्बी 55 ने तीसरे विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी करते हुए 310 रनों का लक्ष्य 49.1 ओवर में 7 विकेट पर प्राप्त कर रोमांचक जीत दर्ज की। चम्बल स्पोर्ट्स क्लब के लिए दिव्यांश शर्मा ने 43 पर 3, अक्षय ताखर ने 67 पर 2, लवीश तोमर व मीहित अग्रवाल ने एक - एक विकेट लिया।

5वां रोशन लाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट

जयपुर,15 फरवरी। राजापार्क स्थित सिंह बिलियर्ड्स में आयोजित 5वां रोशन लाल नैयर मेमोरियल राजस्थान ओपन टूर्नामेंट में शनिवार को खिलाडियों का प्रदर्शन में उलटफेर देखने को मिला। प्रमोद ने रोहित को 15-48, 43-42, 58-26, पार्थ ने कुणाल को 50-43, 48-55, 53-52 से, अविनाश ने मनन को 12-68, 46-45, 23-58 से, सुमित ने सौरभ को 47-41, 69-43 से, सिमरनजीत ने ऋषि को 71-49, 59-36 से, साधमन ने वीरू को 57-12, 51-60, 64-55 से, मनीष टाक ने हर्ष को 27-52, 71-47, 64-55 से, आकाश ने सौरभ को 54-19, 43-6 से, धीरज ने विधि को 69-40, 48-32 से, विनीत ने शांतनु को 47-4, 24-55, 47-15 से, निखिल ने करण को 59-03, 53-47 से हराया।

एलीट डिवीजन में रामबाग लैजेंड्स और प्लेट डिवीजन में निरबाना टाइगर्स रहे विजेता

जयपुर, 15 फरवरी।जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में बैंक ऑफ बड़ौदा रामबाग गोल्फ क्लब कॉर्पोरेट लीग का चौथा संस्करण और रेगुलर कॉर्पोरेट लीग का 11वां संस्करण सम्पन्न हुआ। इस लीग के एलीट डिवीजन में रामबाग लैजेंड्स विजेता रही और मोहिन्द्रा ब्रेवहार्ट उपविजेता टीम रही। इसी ग्रुप में द्वितीय रनर-अप टीम ग्रीनफिंच और टीम पिंकसिटी गोल्फर्स तृतीय रनर-अप रही। वहीं प्लेट डिवीजन में टीम निरबाना टाइगर्स विजेता रही व टीम यूडीबी रॉयल्स उपविजेता रही। समारोह में विजेताओं व उप-विजेताओं को बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व कार्यकारी निदेशक, विक्रमादित्य सिंह खींची; मार्केटिंग और ब्रांडिंग, हेड, वी.जी. सेंथिलकुमार और जी.एम. और जोनल हेड- जयपुर जोन, बैंक ऑफ बड़ौदा, एम. अनिल ने पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर कॉर्पोरेट लीग कमेटी मेम्बर्स, कैप्टन योगेन्द्र सिंह; मानद सचिव, समृद्ध शर्मा और टूर्नामेंट कमेटी के संयोजक, डॉ. हिमांशु शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इस लीग में टीमों की कुल 39 एंट्रीज प्राप्त हुई थी और इन टीमों को चार ग्रुप्स ए, बी, सी और डी में विभाजित किया गया। राउंड रॉबिन लीग जनवरी-2025 के महीने में पूरी हुई और प्रत्येक ग्रुप की टॉप चार टीमें एलीट डिवीजन के लिए क्वालीफाई हुईं और अगली चार टीमें प्लेट डिवीजन में रहीं।

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय टीम का पहला बैच दुबई में

नई दिल्ली 15 फरवरी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का पहला बैच शनिवार को दुबई रवाना हो गया। ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर, कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत कुछ प्लेयर्स मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए। 19 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत के सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। जबकि टूर्नामेंट के शेष मैच पाकिस्तान के कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेले जाएंगे। टीम इंडिया का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से दुबई में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 23 फरवरी को दुबई में होगा। 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा हाइब्रिड मॉडल में होने वाले इस टूर्नामेंट का फाइनल 9 मार्च को खेला जाएगा। 19 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 15 मैच खेले जाएंगे। दूसरे सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है। पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो यह मैच भी दुबई में होगा। टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में होंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शुक्रवार को विमेंस प्रीमियर लीग सीजन-3 का धमाकेदार आगाज किया। टीम ने ओपनिंग मैच में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 202 रन का टारगेट 18.3 ओवर में हासिल कर लिया।

राजस्थान के शलेंद्र गहलोत, पुनीत यादव व आस्था माथुर बीसीसीआई मैच रेफरी एग्जाम में भाग लेंगे

जयपुर 15 फरवरी। ,आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी मैच रेफरी एग्जाम व अंपायर एग्जाम में भाग लेने हेतु राजस्थान के क्वालिफाइड व अनुभवीमैच रेफरी व अंपायर के चयन हेतु राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा दिनांक 10 फरवरी को आरसीए मैच रेफरी एग्जाम (पुरुष / महिला) व दिनांक 13 फरवरी को आरसीए अंपायर एग्जाम आयोजित किया गया। धर्मवीर सिंह के अनुसार आरसीए द्वारा बीसीसीआई के आगामी मैच रेफरी व अंपायर एग्जाम में भाग लेने हेतु सभी मापदंडो को पूर्ण करने वाले राजस्थान के पूर्व खिलाडियों व अंपायर का आरसीए द्वारा पूर्ण पारदर्शिता रखते हुए उम्मीदवारों से उनके जन्म प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज ऑनलाइन प्राप्त किये व आरसीए मैच रेफरी (पुरुष / महिला) व आरसीए अंपायर एग्जाम आयोजित किया गया।

आरसीए द्वारा बीसीसीआई की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले अनुभवीपूर्व खिलाडियों व आरसीए अंपायर एग्जाम हेतु राष्ट्रिय व राज्य स्तरीयप्रतियोगिताओं के अनुभवी आरसीए पैनल के अंपायर का एग्जाम बीसीसीआई की फेकल्टी द्वारा लिया गया। आरसीए मैच रेफरी एग्जाम में बीसीसीआई फेकल्टी मनु नायर व आरसीए अंपायर एग्जाम में बीसीसीआई फैकल्टी शशांक राणाडे द्वारा लिया गया।

आरसीए मैच रेफरी एग्जाम के पात्र कुल 13 योग्य उम्मीदवारों में से कुल 8 उम्मीदवारों ने एग्जाम में भाग लिया जिसमे से 3 पूर्व खिलाडियों ने बीसीसीआई मैच रेफरी एग्जाम हेतु क्वालीफाई किया। आरसीए अंपायर एग्जाम हेतु कुल 23 योग्य आरसीए पैनल के अंपायर में से कुल 11 उम्मीदवारों ने आरसीए अंपायर एग्जाम में भाग लिए जिसमे से 4 अंपायर ने बीसीसीआई अंपायर एग्जाम हेतु क्वालीफाई किया।

बीसीसीआई मैच रेफरी एग्जाम व अंपायर एग्जाम हेतु क्वालीफाई करने वाले सभी उम्मीदवारों द्वारा आवश्यक ओरिजनल दस्तावेज व शपथ पत्र आरसीए में जमा करा दिए गए हैं।

बीसीसीआई मैच रेफरी एग्जाम हेतु राजस्थान के क्वालीफाई पूर्व खिलाडी (पुरुष /महिला) : शैलेन्द्र गहलोत, पुनीत यादव, आस्था माथुर। बीसीसीआई अंपायर एग्जाम हेतु क्वालीफाई अंपायर :- जयंत वासु, अंशु मोहिंद्र, ललित कुमार, भीम सिंह।

वैश्य चैंपियंस लीग (अंडरआर्म क्रिकेट) की तैयारियों के लिए मीटिंग का आयोजन

जयपुर । अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन जिला जयपुर, अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन यूथ विंग राजस्थान, अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन यूथ एवं महिला विंग, जयपुर द्वारा आयोजित एवं जे ई सी आर सी यूनिवर्सिटी द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन दिनांक 15 एवं 16 मार्च 2025 शनिवार रविवार को दादू दयाल क्रिकेट एरेना, सेंट विलफ्रेंड कॉलेज के सामने,न्यू सांगानेर रोड मानसरोवर में किया जा रहा है ।

चेयरमैन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा और सी ए श्री संजय पाबूवाल ने बताया कि इसमें वैश्य समाज के सभी घटकों की 32 टीमें भाग ले रही है जिसमें पुरुष वर्ग, महिला वर्ग और किड्स वर्ग शामिल है ! यह अंडर आर्म क्रिकेट टूर्नामेंट जयपुर शहर के वैश्य समाज के सभी घटकों हेतु प्रथम बार आयोजित किया जा रहा है ! इस टूर्नामेंट को करने का मुख्य उद्देश्य वैश्य समाज के सभी घटकों के सदस्यों को एक साथ, एक मंच पर लाकर खेल-खेल के माध्यम से पारिवारिक माहौल में लुत्फ उठाना है !इस क्रिकेट टूर्नामेंट में 2 दिन में 55 मैच खेले जाएंगे ।

मुख्य समन्वयक कमल संचेती ने बताया क्रि इस टूर्नामेंट की रजिस्ट्रेशन फीस मात्र 15000/- रखी गई है जिसमें सभी खिलाड़ियों को ड्रेस, खाने के कूपन, कैप्टन को टॉस जीतने पर चांदी का सिक्का, सभी बेस्ट खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर, मैच में सबसे ज्यादा चौके छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों को

ईनाम, टूर्नामेंट जीतने वाली और रनर अप टीम को आकर्षक ट्राफी और नगद राशि देकर सम्मानित और खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर कर सम्मानित किया जाएगा! इस टूर्नामेंट मे अम्पायर्स और स्कॉरिंग कि जिम्मेद्दारी आर.सी. ए. के प्रोफेशनल्स अम्पायर श्री नरेश शर्मा की टीम्स द्वारा किया जायेगा । प्रोजेक्ट डायरेक्टर तरुण जैन और विनीत जैन ने बताया कि इस टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों के लिए शुभारम्भ में मार्च पास्ट का आयोजन गुब्बारे उड़ाकर किया जायेगा और पधारे हुए सभी मेहमानों, खिलाडियों और उनके परिवार जनों के लिए डीजे नाइट का आयोजन नरेंद्र जैन पार्टी द्वारा किया जाएगा । इसमें गायक कलाकारों को भी बुलाया जाएगा ! टूर्नामेंट के अंत में समापन समारोह भी धूमधाम से आयोजित किया जाएगा जिसमें शानदार आतिशबाज़ी और सभी विजेताओं को ट्रॉफी और टीमें खरीदने वाले स्पॉन्सर्स को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा । इस टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन आदरणीय श्री गौतम जी दक, स्टेट मिनिस्टर फॉर सोशल वेलफेयर के कर कमलों द्वारा किया जा चूका है ! टूर्नामेंट का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य, युवा और खेलकूद मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि जुगल किशोर डेरे वाला द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया जायेगा ! विशिष्ट अतिथि आदरणीय श्री गौतम ज़ी दक, स्टेट मिनिस्टर फॉर सोशल वेलफेयर एवं एविएशन द क्लोजिंग सेरेमनी में सभी विजेता टीमों व खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित करेंगे । इस टूर्नामेंट मे वैश्य समाज के सभी राजनीती से जुड़े हुए मंत्रियों, समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया जायेगा !

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर व डीग जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, राज्य सरकार विकास कार्यों के रोडमैप के जरिए भरतपुर व डीग जिले का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित कर रही है।

‘दशकों पुरानी नहरों, बाँधों, डिग्गियों का मरम्मत कार्य करें’

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर व डीग जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की

जयपुर, 15 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों के रोडमैप के जरिए भरतपुर व डीग जिले का चहुमुंखी विकास सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस क्षेत्र की भौगोलिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप आधारभूत विकास परियोजनाओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करते हुए आमजन को लाभान्वित करें।

- उन्होंने सड़क, ऊर्जा, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, स्वायत्त शासन, राजस्व, पर्यटन तथा वन विभाग के आमजनों की सुविधाओं का विस्तार देने वाले विकास कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिये।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर व डीग जिले के विकास कार्यों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क, ऊर्जा, पानी, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, स्वायत्त शासन, राजस्व, पर्यटन, वन सहित विभिन्न विभाग आमजन की सुविधाओं को विस्तार देने वाले विकास कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि भरतपुर व डीग जिले में आमजन के सुगम आवागमन के लिए मजबूत सड़क तंत्र को विकसित किया जाए। इसके लिए आवश्यकतानुसार कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जल संसाधन विभाग द्वारा दोनों जिलों में दशकों पुराने नहरों, बांधों, डिग्गियों का समय-समय पर मरम्मत कार्य किया जाए। जिससे आमजन सहित किसानों को भी इनका पूरा लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग, स्वायत्त शासन विभाग व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को भी कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिए कि भरतपुर व डीग में सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के सौन्दर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास वैभव गालरिया सहित विभिन्न विभागों के शासन सचिव एवं जिला कलक्टर भरतपुर डॉ. अमित यादव, जिला कलक्टर डीग उत्सव कौशल उपस्थित रहे।

‘नीट-पीजी की तीसरे राउंड की काउन्सलिंग अदालत के अंतिम आदेश पर निर्भर करेगी’

अदालत ने विजयलक्ष्मी टोगरा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिए

जयपुर, 15 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में नीट - पीजी (एम. डी. / एम. एस.) परीक्षा के तीसरी राउंड की काउंसलिंग में सम्मिलित नहीं किये जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई। न्यायधीश समीर जैन की एकल पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता विजयलक्ष्मी टोगरा की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि वह राजस्थान स्टेट कोटा की श्रेणी में आती हैं और उन्हें तीसरे राउंड की काउंसलिंग में भाग नहीं लेने दिया जा रहा है, जबकी रिक्त सीट के आवंटन के लिए उसने फीस अदा कर दी थी। न्यायाधीश समीर जैन ने याचिकाकर्ता के वकील तनवीर अहमद की ओर से की गई जिरह को सुनने के बाद माना की 14 फरवरी को काउसंलिंग खत्म हो जाने के बाद पद आवंटन की कार्रवाही शुरू हो जाएगी और उससे याचिकाकर्ता को अपूरणीय

- कोर्ट ने कहा, तीसरे राउंड की काउन्सलिंग के अस्थाई रिज़ल्ट श्रेणीगत तरीके से जारी करें।
- अदालत ने अगली अंतिम सुनवाई पर नीट-पीजी काउन्सलिंग बोर्ड के अध्यक्ष को वी.सी. के जरिए उपस्थित होने का आदेश दिया।

हानि होगी। इसलिए उन्होने नीट पीजी काउंसलिंग बोर्ड को आदेश दिये हैं कि वह तीसरे राउंड की काउंसलिंग के अस्थाई रिज़ल्ट श्रेणीगत तरीके से जारी करे। अदालत ने कहा है की यह अस्थाई रिज़ल्ट की निश्चयात्मकता अदालत के अंतिम आदेश पर निर्भर करेगी।

विजयलक्ष्मी टोगरा द्वारा दायर मामले पर अदालत में लगभग ढाई घंटे बहस हुई, जिसके कारण एसआईभर्ती परीक्षा 2022 को रद्द करने के मामलें में सुनवाई नहीं हो सकी। विजयलक्ष्मी द्वारा अदालत में गुहार की गई थी कि जब तक उनके द्वारा दायर याचिका का निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक नीट-पीजी के तीसरी श्रेणी की काउंसलिंग के परिणाम पर अंतरिम रोक लगा दी जाये।

याचिकाकर्ता की याचिका में कहा गया कि अन्य अभ्यर्थियों की ओर से अपनी सीट अपग्रेड करने के चलते उनकी सीट रिक्त हो गई हैं। वहीं याचिकाकर्ता इन रिक्त सीट में ही प्रवेश लेना चाहती है। इसके बावजूद भी उसे सीट आवंटित नहीं की जा रही है और इन सीटों को स्ट्रे राउंड में ले जाया जा रहा है। इसके चलते एक ओर पात्र और मेरिट में स्थान वाले अभ्यर्थियों को मनचाही सीट नहीं मिल रही है, वहीं दूसरी ओर कई सीट रिक्त ही रह गई है।

जिस पर राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वकील यश जोशी ने बताया की किसी भी अभ्यर्थी की दूसरे राउंड में आवंटित सीट के स्वत: ही खाली `केवल तभी माना जाता है अगर उसे तीसरे राउंड में कोई अन्य सीट आवंटित की जाये। यश जोशी ने बताया कि ऐसी स्थिती में जो सीट रिक्त होती है वह किसी अन्य अभ्यर्थी को आवंटित की जा सकती है।

अदालत ने सभी तथ्यों को सुनने के बाद इस मामले की अंतिम सुनवाई 18 फरवरी तय की है और नीट-पीजी के काउंसलिंग बोर्ड के अध्यक्ष को वीसी के माध्यम से उपस्थित होने के आदेश दिये है।

उमा भारती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचने वाला है।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतारने के भारत सरकार के निर्णय से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान नाराज़ हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार ऐसा करके राज्य की छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रही है।

संयोगवश, अमेरिकी सैन्य सी-17 विमान, जिसमें 119 प्रत्यर्पित भारतीय नागरिक आ रहे हैं, उसमें पंजाब से 67, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश से 3, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2, और हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर से 1-1 प्रत्यर्पित हैं। आने वाले दिनों में और अवैध प्रवासियों के बैच भेजे जा सकते हैं।

ए.आई.सी.सी. के नये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार के संयुक्त प्रयासों ने उन्हें दिल्ली भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पहले अपने राज्य में कांग्रेस को हार दिलाई और अब पार्टी शहरी निकाय चुनावों में भी हार चुकी है, लेकिन उन्हें एआईसीसी में भेजा गया है और वे पंजाब के प्रभारी होंगे, जहां पार्टी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के बाद वापसी की उम्मीद करती है।

उन्हें प्रियंका गांधी का समर्थन प्राप्त है। वे एआईसीसी में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लल्ली को भी लाई हैं। बाकी अधिकांश को राहुल गांधी और के.सी. वेणुगोपाल ने चुना है।

पूर्व आईएएस अधिकारी और राहुल के पूर्व दाहिने हाथ के. राजू को झारखंड का प्रभारी बनाया गया है, जहां कांग्रेस गठबंधन में है, और एक अन्य पूर्व राहुल समर्थक मीनाक्षी नटराजन को भी शामिल किया गया है। वे कांग्रेस शासित तेलंगाना में दीपा दासमुंशी की जगह लेंगी। जो लोग नए लाए गए हैं और जिन्हें बनाए रखा है, वे अधिकतर असफल हो चुके हैं और यह महसूस होता है कि वे प्रभावहीन भी हो गए हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि पार्टी प्रभावी नेताओं की कमी महसूस कर रही है।

यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी पार्टी को फिर से सक्रिय करने को लेकर गंभीर हैं, एक के बाद एक चुनावी हार के बाद राहुल गांधी पार्टी को पुन: जीवित करने के लिए गंभीर हैं?

‘अमृतसर में अमेरिकी सैन्य विमान उतारना सुरक्षा के लिये खतरा’

अमृतसर, 15 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा निर्वासित अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर आ रहे अमेरिकी सैन्य विमान को पंजाब के सीमावर्ती शहर अमृतसर में उतारना देश की सुरक्षा को खतरे में डालने जैसा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के दो सैन्य विमान 276 अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर अमृतसर के गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने वाले हैं। इनमें से पहली उड़ान शनिवार रात को आ रही है, इसमें 119 अवैध प्रवासी भारतीय हैं। इसके अलावा 157 भारतीय रविवार 16 फरवरी को प्रत्यर्पित होकर पहुंचेंगे। इनमें पंजाब से 54, हरियाणा से 60, गुजरात से 34, उत्तर प्रदेश से तीन, महाराष्ट्र से एक, राजस्थान से एक, उत्तराखंड से एक, मध्य प्रदेश से एक, जम्मू-कश्मीर से एक और हिमाचल प्रदेश से एक प्रवासी शामिल है। गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मीडिया को संबोधित करते हुये मान ने कहा, अमेरिका जैसे देश का सैन्य विमान पंजाब के सीमावर्ती शहर में उतारना देश की सुरक्षा को खतरे में डालना है।

महाकुंभ : कल्पवास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में प्रथम साधक दंडी स्वामी संतों का भी महा कुम्भ नगर से प्रस्थान हो गया।

संगम की पावन रेती पर एक महीने से प्रवास कर रहे सनातन धर्म के संरक्षक माने जाने दंडी स्वामी संतों ने त्रयोदशी को महाकुंभ में अपना अंतिम स्नान किया और उसके बाद अपने अपने मठों की तरफ प्रस्थान कर गए। अखिल भारतीय दंडी परिषद के प्रमुख जगद्गुरु स्वामी महेशाश्रम ने बताया कि माघ के महीने का कल्पवास तो माघ पूर्णिमा के साथ पुण्य की डुबकी लगाने से पूर्ण हो जाता है लेकिन कल्पवास करते समय जाने अनजाने में कभी दृष्टि पाप हो जाता है तो कभी श्रवण या स्पर्श पाप। इन सभी तरह के पाप संगम में त्रिजटा स्नान के बाद ही कटता है।

महाकुंभ से विदा होने के पूर्व दंडी संन्यासी परिषद के अध्यक्ष स्वामी शंकराश्रम ने कहा कि पिछले 45 वर्षों से वह त्रिवेणी तट पर माघ महीने का कल्पवास कर रहे हैं। इस महाकुम्भ में 50 करोड़ से अधिक सनातनियों के आगमन ने बता दिया है कि सनातन की शक्ति का विस्तार हो रहा है।

उन्होंने इस विस्तार में भी इस बार के आयोजन को अलग बनाने वाली अभिवृति यह रही है कि महाकुंभ आने वाले आगंतुकों में प्रौढ़ और बुजुर्ग लोगों की तुलना में 18 से 35 आयु वर्ग की नई पीढ़ी की मौजूदगी का अधिक रहना।

गौतम अडानी ने पत्नी व पुत्र के साथ ज़ियारत की

अजमेर, 15 फरवरी। देश के जाने माने उद्योगपति गौतम अडानी एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपनी पत्नी व बेटे राजेश अडानी के साथ अजमेर आए। शादी समारोह में शामिल होने से पहले

- अडानी परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने अजमेर आया था।

गौतम अडानी परिवार सहित विश्व विख्यात सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर गए।

उद्योगपति गौतम अडानी ने अजमेर में सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में चादर व अकीदत के फूल पेश किए।

गरीब नवाज़ की मज़ार पर मखमली चादर व अकीदत के फूल पेश किए।

अडानी परिवार को खादिम सैयद सलमान चिश्ती ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दरगाह जियारत करवाई और दस्तारबंदी कर तबर्रूक तकसीम किया।

‘यूरोप व पश्चिमी देश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

युद्ध और यूक्रेन के बचाव पर अमेरिका की स्थिति पर भी चिंता है। ट्रंप ने पहले ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक फोन वार्ता की थी और यूरोपीय चिंतित थे कि ट्रंप बिना यूक्रेन को बातचीत में शामिल किए कोई समझौता कर सकते हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदोमिर ज़ैलैंस्की को ट्रंप के पुतिन के साथ समझौतों को लेकर चिंता है, कि वो यूक्रेन को और उसकी मूलभूत हितों को दरकिनार करेंगे।

ज़ैलैंस्की ने कहा कि यूक्रेनी कभी भी ऐसी डील को स्वीकार नहीं करेंगे और वे ऐसे किसी भी समझौते के खिलाफ संघर्ष करेंगे।

इसी संदर्भ में, अमेरिकी सम्मेलन में यह दावा किया गया कि अमेरिका ने रूस के साथ अपने मामलों में यूक्रेन युद्ध को लेकर सभी विकल्प खुले रखे हैं। अमेरिका ने यह भी कहा कि वह यूक्रेन को युद्ध लड़ने के लिए और अधिक घातक हथियारों की आपूर्ति करेगा।

इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध में अमेरिकी सैनिकों की भागीदारी का उल्लेख भी किया गया।

ज़ैलैंस्की अपने देश के लिए पश्चिमी समर्थन जुटाने के लिए कई दौरों की बातचीत में व्यस्त रहे। क्योंकि युद्ध भूमि पर यूक्रेन के लिए स्थिति निरंतर प्रतिकूल हो रही है और रूस धीरे-धीरे युद्ध की रेखाओं में आगे बढ़ रहा है, ज़ेलेंस्की ने अपने देश के लिए समर्थन जुटाने के लिए अपने प्रचार अभियान को तेज कर दिया है।

जयललिता के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद दोनों केस हार गए और वर्ष 2025 में निचली अदालत ने फैसला दिया कि आय से अधिक सम्पत्ति मामले में जब्त जयललिता का कीमती सामान तमिलनाडू सरकार का है।

तमिलनाडू सरकार को गत वर्ष ही यह सामान मिल जाता, पर, दीपक और दीपा ने निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट ने चुनौती दी थी।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने 13 जनवरी 2025 को दोनों की याचिका खारिज कर दी और इस प्रकार यह कीमती सामान तमिलनाडू सरकार को सौंपे जाने का रास्ता साफ हो गया।

हालांकि, दोनों जयललिता के पॉएज़ गार्डन हाउस पर मालिकाना हक का केस जीत गए हैं, क्योंकि अदालत ने जयललिता के घर वेदा निलयम को म्यूज़ियम बनाने के सरकार के निर्णय को रद्द कर दिया था। नवम्बर 2021 में मद्रास हाई कोर्ट में पॉएज़ गार्डन हाउस के अधिग्रहण के सरकार के निर्णय को खारिज कर दिया था और वह आवास दीपा व दीपक को सौंप दिया था।

बस-बोलेरो की टक्कर में 10 श्रद्धालुओं की मृत्यु

प्रयागराज, 15 फरवरी। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज जिले के मेजा क्षेत्र में एक बस और एक बोलेरो की आमने सामने की टक्कर में बोलेरो में सवार सभी 10 लोगों की मृत्यु हो गई जबकि 19 घायल हो गये। जान गंवाने वाले सभी लोग बोलेरो में सवार थे। वे छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से महाकुंभ स्नान के लिए आ रहे थे। हादसा प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर मेजा इलाके में हुआ।

बस में सवार 19 लोग जो घायल हुए वो मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले हैं। वे संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह डैमेज हो गई।

- सभी मृतक बोलेरो में कोरबा जिले से प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने आ रहे थे।

श्रद्धालु छिटककर सड़क पर जा गिरे। कई लोग बोलेरो में ही फंस गए। इन्हें निकालने में ढाई घंटे का समय लगा।

पुलिस उपायुक्त (यमुनानगर) विवेक चंद्र यादव ने बताया कि दुर्घटना में बोलेरो में सवार सभी 10 लोगों की मृत्यु हो गई। वहीं बस में सवार लोगों को भी चोटें आई हैं जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गंतव्य को रवाना करा दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुये शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

‘जिसे आप अपने घर में पवित्र व शुभ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतलब है, इस समय हम अच्छी तरह से जी रहे हैं। हम वोट कर रहे हैं और हम हमारे लोकतंत्र की दिशा को लेकर आशावादी हैं और हमारे लिए लोकतंत्र वास्तव में काम कर रहा है।"

जयशंकर ने दावा किया, "चुनाव नतीजे आने के बाद कोई भी उस पर कोई भी विवाद खड़ा नहीं करता है।" यह दावा करते समय वह सरकारी स्तर पर सही होने की कोशिश कर रहे थे, पर, उनका दावा हकीकत के खिलाफ था।

जयशंकर ने सीनेटर स्लॉटकिन का भी जवाब दिया, जिन्होंने पैनल में कहा था कि लोकतंत्र "आपको भोजन नहीं देता।"

जयशंकर ने कहा, वास्तव में, मेरी दुनिया में, यह भोजन देता है क्योंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, हम 80 करोड़ लोगों को पोषण में सहायता और भोजन प्रदान करते हैं और उनके लिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने स्वस्थ हैं और उनका पेट कितना भरा हुआ है। मैं जो कहना चाहता हूं वह यह है कि दुनिया के विभिन्न देश विभिन्न विवादों से गुजर रहे हैं तो कृपया यह न मानें कि पूरी दुनिया में ऐसा हो रहा है, ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा, कुछ हिस्सों में यह अच्छा काम कर रहा है, हो सकता है कुछ हिस्सों में नहीं कर रहा है, और जिन हिस्सों में नहीं हो रहा है, मुझे लगता है कि लोगों को ईमानदारी से बात करनी चाहिए कि ऐसा क्यों नहीं हो रहा।"

यह पूछे जाने पर कि क्या "ग्लोबल साउथ" (ऐसे देश जो आर्थिक रूप से थोड़े कमजोर हैं) के देशों में अभी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था बनने के की आकांक्षा है, तो जयशंकर ने कहा, 'देखिए, किसी हद तक, सभी बड़े देश कुछ हद तक अनोखे हैं। लेकिन, हम निश्चित रूप से उम्मीद करेंगे, मेरा मतलब है, हम लोकतंत्र को वैश्विक आकांक्षा मानते है, लेकिन एक बड़े भाग में यह आकांक्षा इसलिए है, क्योंकि भारत ने स्वतंत्रता के बाद लोकतांत्रिक मॉडल को चुना और उसने लोकतांत्रिक मॉडल को इसलिए चुना क्योंकि हमारे पास मूल रूप से एक संवाद करने वाला बहुलतावादी समाज था।'

उन्होंने यह भी कहा कि एक समय था जब पश्चिम "लोकतंत्र को एक पश्चिमी विशेषता के रूप में देखता था, पर, ग्लोबल साउथ देशों में गैर-लोकतांत्रिक ताकतों को प्रोत्साहित करने में व्यस्त था।"

उन्होंने कहा, "पश्चिम अभी भी यह करता है। मैं कुछ बहुत हाल की घटनाओं की ओर इशारा कर सकता हूं, जहां आप घर पर कहते हैं कि आप लोकतंत्र को मूल्यवान मानते हैं, पर उसे आप विदेशों में लागू नहीं करते। इसलिए, मुझे लगता है कि शेष ग्लोबल साउथ देश अन्य देशों की सफलताओं, कमियों और प्रतिक्रियाओं को देखेंगे।"

उन्होंने कहा, "जब आप हमारे देश को देखते हैं, तो हम शायद एकमात्र देश हैं जिन्होंने ऐसा किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसे पश्चिम को देखना चाहिए क्योंकि यदि आप अंतत: लोकतंत्र को जीतते हुए देखना चाहते हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि पश्चिम भी पश्चिम के बाहर लोकतंत्र के सफल मॉडलों को स्वीकार करे।"

छत्तीसगढ़ के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की भारी जीत

रायपुर, 15 फरवरी। छत्तीसगढ़ में हुए नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए अभी तक आए चुनाव परिणामों के अनुसार 10 में से 10 नगर निगमों में विजय हासिल की है, साथ ही 49 नगर पालिकाओं में से 35 में और 114 नगर पंचायतों में से 81 पर भाजपा की शानदार जीत हुई है।

राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अभूतपूर्व जनादेश के लिए छत्तीसगढ़ की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि यह जीत केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के भरोसे और आशीर्वाद की विजय है। उन्होंने कहा कि जनता ने हमारे 13 महीनों के सुशासन को सराहा है तथा ‘मोदी की गारंटी’ की तरह ही ‘अटल विश्वास पत्र’ पर भी जनता ने विश्वास जताया है। हम इस भरोसे को कभी टूटने नहीं देंगे और जनता से किए गए हर वादे को पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार की विफलताओं पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने निकायों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था, मेयर और अध्यक्षों के चुनाव को प्रत्यक्ष प्रणाली से हटा दिया गया था। पर भाजपा सरकार ने लोकतंत्र की बहाली करते हुए चुनाव को पुन: प्रत्यक्ष प्रणाली से कराया और इसका परिणाम है कि कांग्रेस के पिछले मेयर आज पार्षद बनने में भी असफल रहे हैं।

साय ने कहा कि अब आने वाले पंचायत चुनावों में भी जनता भाजपा को भारी समर्थन देगी, क्योंकि जनता ने भाजपा के विकास मॉडल को देखा और स्वीकार किया है। साय ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उन्हें महासचिव बनाकर सम्मान दिया, लेकिन उनके अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें धन्यवाद कुछ अलग अंदाज में दिया - तीनों नगरीय निकायों में कांग्रेस को बुरी तरह हराकर!

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की श्रेणी में ही माना जाएगा, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि पीड़िता के पिता ने 30 अप्रैल, 2022 को अजीतगढ़ थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि बीती रात घर के सभी लोग साथ सोए थे। जब सुबह उठे तो उसकी 17 साल की बेटी लापता थी। इसके दो-तीन दिन पहले घर में एक मोबाइल मिला था। जिससे पीड़िता ने कई बार मोहन लाल को फोन किया गया था। घर में रखे जेवरात और नकदी भी गायब मिली है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 6 मई, 2022 को गिरफ्तार किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से कहा गया कि अभियुक्त और पीड़िता पहले जयपुर आए और फिर ट्रेन से मुंबई गए। फिर कुछ दिनों बाद लौट आए। इस दौरान अभियुक्त ने उसके साथ संबंध बनाए। हालांकि पीड़िता पूर्व में दिए बयानों से मुकर गई। इस पर अदालत ने उसे पक्षद्रोही घोषित कर अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को सजा सुनाई है।

‘उत्पादन पर नियंत्रण के बिना एआई में नेतृत्व नहीं कर सकते’

राहुल गांधी ने कहा कि ड्रोन्स टैक्नॉलजी पर हमारे युवाओं का कब्जा जरुरी है

नयी दिल्ली, 15 फरवरी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि ड्रोन्स टैक्नॉलजी पर हमारे युवाओं का कब्जा ज़रूरी है और इसे असेंबल करने की बजाय इसके सभी पुर्जे हमें तैयार करने होंगे तभी हम इसमें महारथ हासिल कर सकते हैं। गांधी ने कहा ड्रोन ने युद्ध लड़ने के तरीक़े को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स के संयोजन से युद्ध के मैदान में घात-प्रतिघात और संचार में अभूतपूर्व बदवाल आया है।

उन्होंने कहा, ड्रोन सिर्फ़ एक टेक्नोलॉजी भर नहीं हैं, वे एक मज़बूत इंडस्ट्रियल सिस्टम द्वारा ज़मीनी और छोटे-छोटे स्तर पर उत्पादन होने वाले नवाचार हैं। ड्रोन्स ने टैंक, तोप और यहां तक कि एयरक्राफ्ट कैरियर के महत्व को भी कम कर दिया है। एयर पावर को प्लाटून लेवल तक ला दिया

- राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं। जब वे एआई पर सिर्फ टैलिप्रॉम्पटर से पढ़कर भाषण देने में लगे हैं, हमारे कम्पटीटर नई टैक्नॉलजी में महारथ हासिल कर रहे हैं।

है और युद्धक्षेत्र में खुफिया तंत्र एवं सटीकता को नया रूप दिया है। लेकिन यह क्रांति सिर्फ युद्ध तक सीमित नहीं है, यह उद्योग, एआई और अगली पीढ़ी की तकनीक की भी बात है।

उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया और कहा दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं। ऐसे समय में जब वह एआई पर सिर्फ़ टेलीप्रॉम्प्टर से पढ़ कर भाषण देने में लगे हैं, हमारे प्रतिस्पर्धी नई टेक्नोलॉजी में महारथ हासिल कर रहे हैं। भारत को खोखले भाषणों की नहीं बल्कि मजबूत उत्पादन बेस की ज़रूरत है। असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं बल्कि उनके पीछे की इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और उत्पादन तंत्र को नियंत्रित करने में है, लेकिन भारत इस क्षेत्र में नहीं बढ़ रहा है। हम एआई या तकनीक में नेतृत्व नहीं कर सकते अगर हमारा उत्पादन पर नियंत्रण नहीं है। हमने अपना उपभोक्ता डेटा सौंप दिया है, हम मुख्य कंपोनेंट्स नहीं बनाते हैं और जब बाकी दुनिया भविष्य गढ़ रही है तब हम सिर्फ असेंबल करने तक ही सीमित हैं।भारत के पास अद्भुत प्रतिभा विशाल क्षमता और जबरदस्त इच्छाशक्ति है। अब वक्त है कि भारतीय युवा कदम बढ़ाएं और सुनिश्चित करें कि भारत पीछे न छूटे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908